@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 21 सितंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 316 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

हाईकोर्ट ने झुग्गी पुनर्विकास भवनों के घटिया निर्माण पर जताई चिंता

मुंबई, 20 सितंबर। बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को मुंबई में झोपड़पट्टी पुनर्विकास भवनों के निर्माण में अपनाए गए खराब तरीकों पर चिंता व्यक्त की है। हाईकोर्ट ने इन निर्माण को वर्टिकल स्लम करार दिया है। पीठ ने इसे संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार) के खिलाफ एक गंभीर मुद्दा बताया है। जस्टिस जी एस कुलकर्णी और सोमशेखर सुंदरेसन की खंडपीठ ने कहा कि ऐसी इमारतों का निर्माण घने तरीके से किया गया है। इमारतों के बीच कोई जगह नहीं है। जिससे वेंटिलेशन और सूरज की रोशनी बाधित होती है। इस मामले पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि, हम इन वर्टिकल स्लम को पसंद नहीं करेंगे। निर्मित इमारतें बहुत भीड़भाड़ वाली हैं। न रोशनी है, न जगह है, न सूरज की रोशनी है और न ही हवा आती है। इससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा होंगी। वे (झुग्गीवासी) अतिक्रमण वाली जमीन पर ही बेहतर स्थिति में हैं। शीर्ष अदालत ने इस तरह के कामकाज को लेकर चिंता जताई थी। शुक्रवार को हाईकोर्ट ने विदेशों में सार्वजनिक आवास परियोजनाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि अधिनियम के प्रावधानों का मजबूती से क्रियान्वयन होना चाहिए। न्यायालय ने कहा कि शहर में प्रवासी श्रमिकों की आमद बढ़ती रहेगी और अधिकारी इंतजार की नीति नहीं अपना सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि, शहर में प्रवासी श्रमिक आते हैं। काम मौजूद है, वेतन उपलब्ध है, लेकिन उनके रहने के लिए कोई जगह नहीं है। फिर वे झुग्गियों में रहते हैं। हमें यह समझने की जरूरत है कि यह रुकेगा नहीं। यह आगे बढ़ता रहेगा। हम अभी केवल प्रतीक्षा और निगरानी नहीं कर सकते। पीठ ने सभी संबंधित पक्षों को इस मुद्दे पर अपने सुझाव प्रस्तुत करने का निर्देश दिए हैं। जिस पर झुग्गी पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए) विचार करेगा। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 15 अक्टूबर की तारीख तय की।

कांग्रेस को टुकड़े-टुकड़े गैंग और अर्बन नक्सली चला रहे: पीएम मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

वर्धा, 20 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को महाराष्ट्र में कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पार्टी को टुकड़े-टुकड़े गैंग और अर्बन नक्सली चला रहे हैं। महाराष्ट्र के वर्धा में पीएम विश्वकर्मा योजना के एक साल पूरे होने पर जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज आप जिस कांग्रेस को देख रहे हैं, वह वह पार्टी नहीं है, जिससे महात्मा गांधी जैसे महान व्यक्ति जुड़े थे। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस में नफरत का भूत घुस गया है। आज की कांग्रेस में देशभक्ति की आत्मा ने दम तोड़ दिया है। पीएम मोदी ने कांग्रेस नेताओं के विदेश में दिए गए भाषणों में भारत विरोधी एजेंडे की भी बात की, लेकिन उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम नहीं लिया, जिन्हें अमेरिका में आरक्षण प्रणाली को खत्म करने के अपने बयान के लिए सत्तारूढ़ दल की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। सभा को संबाधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 2 दिन पहले ही हम सबने विश्वकर्मा पूजा का उत्सव मनाया है और आज वर्धा की पवित्र धरती पर हम पीएम विश्वकर्मा योजना की सफलता का उत्सव मना रहे हैं। आज ये दिन इसलिए भी खास है, क्योंकि 1932 में आज ही के दिन महात्मा गांधी जी ने अस्पृश्यता के खिलाफ अभियान शुरू किया था। विश्वकर्मा योजना के जरिए हमने श्रम से समृद्धि, कौशल से बेहतर कल का जो संकल्प लिया है। बापू की प्रेरणाएं हमारे उन संकल्पों को सिद्धि तक ले जाने का माध्यम बनेगी। मैं इस योजना से जुड़े सभी लोगों, देशभर के सभी लाभार्थियों को इस अवसर पर बधाई देता हूं। उन्होंने कहा, आज अमरावती में पीएम मित्र पार्क की आधारशिला भी रखी गई है। आज का भारत अपनी टेक्सटाइल इंडस्ट्री को वैश्विक बाजार में टॉप पर ले जाने के लिए काम कर रहा है। देश का लक्ष्य है – भारत की टेक्सटाइल सेक्टर के हजारों वर्ष पुराने गौरव को पुनर्स्थापित करना। अमरावती का पीएम मित्र पार्क इसी दिशा में एक और बड़ा कदम है। पीएम मोदी ने कहा कि विश्वकर्मा योजना केवल सरकारी प्रोग्राम भर नहीं है। ये योजना भारत के हजारों वर्ष पुराने कौशल को विकसित भारत के लिए

इस्तेमाल करने का एक रोडमैप है। विश्वकर्मा योजना की मूल भावना है- सम्मान, सामर्थ्य और समृद्धि! यानी पारंपरिक हुनर का सम्मान, कारीगरों का सशक्तिकरण और विश्वकर्मा बंधुओं के जीवन में समृद्धि! ये हमारा लक्ष्य है। विश्वकर्मा योजना की एक और विशेषता है। जिस बड़े पैमाने पर इस योजना के लिए अलग अलग विभाग एकजुट हुए हैं, ये भी अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा कि देश के 700 से ज्यादा जिलें, 2.5 लाख से ज्यादा ग्राम पंचायत, 5 हजार शहरी स्थानीय निकाय मिलकर इस अभियान को गति दे रहे हैं। एक साल में ही 18 अलग-अलग पेशों के 20 लाख से ज्यादा लोगों को इस योजना से जोड़ा गया। सिर्फ साल भर में ही 8 लाख से ज्यादा शिल्पकारों और कारीगरों को स्किल ट्रेनिंग मिल चुकी है। अकेले महाराष्ट्र में ही 60 हजार से ज्यादा लोगों को प्रशिक्षण मिला है। अब तक 6.5 लाख से ज्यादा विश्वकर्मा बंधुओं को आधुनिक उपकरण भी उपलब्ध कराए गए हैं। पीएम ने कहा, इससे उनके उत्पादों की क्वालिटी बेहतर हुई है, उनकी उत्पादकता बढ़ी है। इतना ही नहीं, हर लाभार्थी को 15 हजार रुपये का ई-वाउचर दिया जा रहा है।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए दिल्ली में रैली करेंगे सरकारी कर्मचारी

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 20 सितंबर। केंद्र सरकार द्वारा एनपीएस में सुधार कर लाई गई यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) लागू करने की घोषणा से सरकारी कर्मचारी संतुष्ट नहीं हैं। सरकार ने अभी तक यूपीएस का गजट भी जारी नहीं किया है, लेकिन कर्मचारी संगठनों ने अभी से ही विरोध का स्वर बुलंद कर दिया है। केंद्र एवं राज्य सरकारों के कर्मचारी संगठनों ने दिल्ली में रैलियां करने की बात कही है। इस विरोध प्रदर्शन की कड़ी में सबसे पहले एनएमओपीएस द्वारा 26 सितंबर को देश के सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। इसके बाद 17 नवंबर को केंद्रीय कर्मचारी संगठन नेशनल मिशन फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम भारत (एआईएनपीएसईएफ) नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर की रैली करेगा। इसमें विभिन्न राज्यों के कर्मचारी संगठन भी हिस्सा लेंगे। अखिल भारतीय रक्षा कर्मचारी महासंघ (एआईडीईएफ) के सदस्यों ने प्रतिज्ञा ली है कि जब तक मैं गैर-अंशदायी पुरानी पेंशन योजना हासिल नहीं कर लेता, तब तक चैन से नहीं बैठूंगा। रेलवे के विभिन्न कर्मचारी संगठन भी अब खुलकर यूपीएस के विरोध में खड़े हो गए हैं। एआईडीईएफ के महासचिव सी. श्रीकुमार ने बताया, आयुध कारखानों के रक्षा कर्मचारी एक अक्तूबर को निगम दिवस का बहिष्कार करेंगे। इस संगठन से जुड़े कर्मचारियों ने यूपीएस के खिलाफ अपने आंदोलन को दोबारा से प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। अंशदायी पेंशन योजना, यूपीएस का पुरजोर विरोध किया जाएगी। पिछले 20 वर्षों से केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारी, अंशदायी पेंशन योजना के खिलाफ लड़ रहे हैं। उनकी मांग गैर-अंशदायी पुरानी पेंशन योजना को फिर से बहाल कराना है। कर्मचारियों के पास अब यही विकल्प बचा है कि वे यूपीएस में शामिल हों या एनपीएस में बने रहें। बता दें कि 24 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक करने वाले संगठनों में एआईडीईएफ शामिल नहीं था। इस संगठन ने ओपीएस की मांग को लेकर पीएम की बैठक का बहिष्कार किया था। बतौर श्रीकुमार, यूपीएस कुछ नहीं है, बल्कि एनपीएस का विस्तार है। राज्य सरकार के कर्मचारी संगठनों ने भी यूपीएस को खारिज कर दिया है। कई राज्यों में रैलियां और विरोध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। एआईडीईएफ महासचिव सी. श्रीकुमार के मुताबिक, वे यूपीएस को स्वीकार नहीं कर सकते। वजह, यह एक अंशदायी प्रकृति की योजना है। कर्मचारियों की संचित निधि, जिसमें उन्होंने 3 दशकों से अधिक समय तक योगदान दिया है, उसे वापस नहीं लौटाया जाएगा। भले ही पेंशन की पात्रता 25 साल रखी गई है, लेकिन कर्मचारियों को पेंशन 60 साल की उम्र के बाद ही मिलेगी। पुरानी पेंशन योजना में मिलने वाले कई लाभ एनपीएस और यूपीएस में नहीं मिलते हैं।

दो अक्टूबर को एआईडीईएफ ने रक्षा कर्मचारियों, विशेषकर एनपीएस कर्मचारियों को एकजुट करने का निर्णय लिया है। गांधी जयंती दिवस पर एआईडीईएफ का प्रत्येक सदस्य शपथ लेगा कि मैं, एक रक्षा नागरिक कर्मचारी, विनाशकारी एनपीएस और यूपीएस अंशदायी पेंशन योजना से मुक्त होने के लिए सभी संघर्षों और आंदोलनों में शामिल होने के लिए प्रतिबद्ध हूं। मैं सीसीएस (पेंशन) नियम, 1972 (अब 2021) के तहत गैर अंशदायी पेंशन प्राप्त करने के लिए सभी ट्रेड यूनियन एक्शन कार्यक्रमों का भी समर्थन करता हूं और उनमें भाग लूंगा। मैं प्रतिज्ञा करता हूं कि जब तक मैं गैर-अंशदायी पुरानी पेंशन योजना हासिल नहीं कर लेता, तब तक चैन से नहीं बैठूंगा और हम सभी सरकारी कर्मचारियों की इस वास्तविक और उचित मांग को वास्तविकता में बदलने में एक हैं। इस बाबत दूसरे संगठनों से भी चर्चा जारी है। नेशनल मिशन फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम भारत के अध्यक्ष मंजीत सिंह पटेल ने बताया, 30 सितंबर तक अगर यूपीएस का गजट नहीं आता है तो विरोध प्रदर्शन होगा। इसके अलावा 17 नवंबर को नई दिल्ली में ओपीएस बहाली के लिए पेंशन जयघोष महारैली आयोजित की जाएगी। रैली की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। उत्तर प्रदेश से पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा ने इस बाबत हस्ताक्षर अभियान शुरू किया है। हस्ताक्षर अभियान में लखनऊ, मऊ, उन्नाव, कानपुर, शाहजहांपुर, लखीमपुर व बरेली से हजारों कर्मचारियों ने दिल्ली चलने की तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं। इस बार साफ है कि 20 वर्ष की नौकरी के बाद 50 प्रतिशत पेंशन का आधार सुनिश्चित हो, कर्मचारी अंशदान की ब्याज सहित यानी जीपीएफ की तरह वापसी और वीआरएस/अनिवार्य सेवानिवृत्ति/सेवानिवृत्ति पर संपूर्ण राशि की वापसी, ये मांगें मनवा ही रहेंगे। 17 नवंबर की रैली में देशभर से लाखों कर्मचारी भाग लेंगे। इनमें दिल्ली, जम्मू कश्मीर, पंजाब, हिमाचल, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, हरियाणा, गुजरात, असम, मेघालय, नागालैंड, सिक्किम, तमिलनाडु, चंडीगढ़ और महाराष्ट्र सहित अन्य प्रदेशों के अलावा केंद्रीय कर्मचारियों के संगठन भी शामिल हैं। एनएमओपीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बन्धु की अध्यक्षता में 15 सितंबर को संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक दिल्ली में आयोजित की गई थी। इस बैठक में सभी राज्यों के मुख्य पदाधिकारियों भाग लिया। इसमें ओपीएस बहाली के लिए आगामी आंदोलन की रूपरेखा तैयार की गई। सबसे पहले 26 सितंबर को देश के समस्त जिला मुख्यालयों पर यूपीएस/एनपीएस के खिलाफ आक्रोश मार्च होगा। इसके बाद 15 दिसंबर 2024 को दिल्ली में एनएमओपीएस का राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किया जाएगा। उसमें आगे की रणनीति का एलान होगा। नेशनल ओल्ड पेंशन रेस्टोरेशन यूनाइटेड फ्रंट (एनओपीआरयूएफ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीपी सिंह ने पिछले महीने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा था। उन्होंने कहा था, एक करोड़ एनपीएस कर्मचारी, यूपीएस का विरोध करते हैं। यूपीएस के आने से कर्मचारी निराश हैं। वे पुरानी पेंशन बहाल कराने के लिए संघर्ष करेंगे।

लालू प्रसाद यादव की बढ़ीं मुश्किलें

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 20 सितंबर। नौकरी के बदले जमीन मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। दरअसल, सीबीआई ने पूर्व रेल मंत्री लालू यादव के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी थी। गृह मंत्रालय ने इसके लिए मंजूरी दे दी है। 30 से ज्यादा आरोपी ऐसे हैं, जिनके खिलाफ अभियोजन की मंजूरी का इंतजार है। सीबीआई ने अन्य आरोपियों के खिलाफ मंजूरी हासिल करने के लिए 15 दिन का और समय मांगा है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई से अन्य आरोपियों के खिलाफ मंजूरी हासिल करने की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 15 अक्तूबर को होगी। इससे पहले ईडी की जांच के सिलसिले में लालू प्रसाद यादव, तेज प्रताप और तेजस्वी यादव को कोर्ट ने तलब किया था। घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अन्य आरोपियों को भी तलब किया गया था। कोर्ट ने सभी को सात अक्तूबर को पेश होने के लिए कहा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छह अगस्त को 11

आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था, जिनमें से चार की पहले ही मौत हो चुकी है। दरअसल, दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने लालू, तेजस्वी और अन्य आरोपियों को समन जारी किया था। कोर्ट ने अखिलेश्वर सिंह और उनकी पत्नी किरण देवी को भी समन भेजा था। कोर्ट ने कहा कि तेज प्रताप यादव की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता है। वह एके इंफोसिस लिमिटेड के निदेशक भी थे। उन्हें भी जमन जारी किया गया है। आरोप है कि रेलवे मंत्री रहते हुए लालू यादव इस घोटाले में शामिल थे।

राजद नेत्री बीमा भारती के घर पर पुलिस ने की कुर्की

पूर्णिया, 20 सितंबर। पूर्णिया के रुपौली विधानसभा से पांच बार विधायक रहीं बीमा भारती की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पुलिस ने उनके रूपौली विधानसभा के भिट्टा स्थित घर पर कुर्की की कार्रवाई शुरू कर दी है। पूर्णिया के चर्चित गोपाल यादुका हत्याकांड में बीमा भारती के पति अवधेश मंडल और बेटे राजा पर आरोप है। इस मामले में पुलिस का कहना है कि हत्याकांड में नाम आने के बाद से बीमा भारती का बेटा राजा फरार है, जबकि पति अवधेश मंडल ने बीते 5 अगस्त को ही सिविल कोर्ट पहुंचकर सरेंडर कर दिया था। इसके बाद से ही कुख्यात अवधेश मंडल जेल में बंद हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से राजद नेतृत्व में भी खलबली मची हुई है। बीमा भारती के समर्थकों में आक्रोश है, और वह पुलिस की कार्रवाई को राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित बता रहे हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपी राजा की गिरफ्तारी के लिए रूपौली पुलिस पहले गिरफ्तारी वारंट हासिल कर चुकी थी, पर वो फरार था। इसलिए पुलिस ने कोर्ट से कुर्की के इश्तेहार के लिए आदेश मांगा था। कोर्ट से कुर्की का आदेश मिलते ही पुलिस ने 3 जुलाई की शाम बीमा भारती के आवास पर इश्तेहार चिपकाया था।

माध्यमिक कृषि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ाएगी

रांची, 20 सितंबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के एक कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने बताया कि माध्यमिक कृषि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा सकती है। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) को कचरे को धन में बदलने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि आईसीएआर को किसानों की आय बढ़ाने के लक्ष्य की दिशा में काम करना चाहिए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, माध्यमिक कृषि में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ाने की क्षमता है। आईसीएआर को किसानों की आय बढ़ाने के लक्ष्य की दिशा में काम करना चाहिए। भारतीय लाख की निर्यात क्षमता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया के देश के कुल लाख उत्पादन में झारखंड की हिस्सेदारी 55 फीसदी है। बता दें कि दवा उद्योग और कॉस्मेटिक्स में लाख की उच्च मांग है। राष्ट्रपति ने कहा, झारखंड का लाख उत्पादन आदिवासी समुदाय के लिए आय को एक मुख्य स्रोत है। उन्होंने आदिवासियों के लिए गहरा सम्मान व्यक्त किया और कहा, आदिवासी दिग्गज बिसरा मुंडा की भूमि पर आना मेरे लिए तीर्थयात्रा पर जाने जैसा है। राष्ट्रपति मुर्मू ने आगे कहा, झारखंड से मेरा विशेष लगाव है। मुझे यहां के लोगों से बहुत प्यार मिलता है। मैंने कई वर्षों तक यहां जनसेवा की है ठ उन्होंने राज्यपाल के तौर पर अपने कार्यकाल को याद करते हुए बताया कि किसानों द्वारा उत्पादित कच्ची लाख 100 से 200 रुपये प्रति किलोग्राम बेची जाती थी, जबकि इसकी कीमत तीन हजार प्रति किग्रां तक हो सकती थी। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राज्यपाल संतोष गंगवार और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और संजय सेठ भी शामिल थे।

मुख्यमंत्री नायडू ने मिलावटी घी का कारण बताकर वाईएसआरसीपी को घेरा

सौरभ शर्मा

अमरावती, 20 सितंबर। आंध्र प्रदेश में तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद के लिए इस्तेमाल की जाने वाली घी में मिलावट को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने पिछली सरकार (वाईएसआरसीपी) पर प्रसाद में जानवारों की चर्बी मिलाने का आरोप लगाया था। हालांकि, गुजरात में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) को परीक्षण के लिए भेजे गए नमूनों की रिपोर्ट में प्रसाद के लिए इस्तेमाल की जाने वाली घी में जानवरों की चर्बी और मछली के तेल होने की पुष्टि की गई है। इस रिपोर्ट के बाद मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू लगातार वाईएसआरसीपी को घेर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने मिलावटी घी का इस्तेमाल किया, क्योंकि यह सस्ता था। हालांकि, इस मामले में घिरने के बाद पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी ने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को चिट्ठी लिखेंगे। तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद मामले में मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा, जब बाजार में घी की कीमत 500 रुपये किलो थी, तब पिछली सरकार ने खटिया घी 320 रुपये में खरीदा। हमने घी सप्लायर बदल

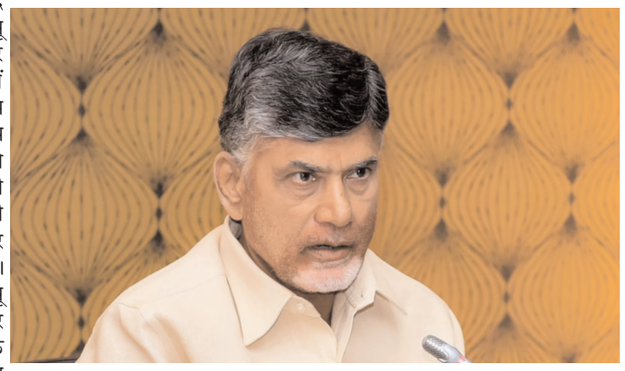

दिया है। अब हम कर्नाटक के नंदिनी ब्रांड के घी का इस्तेमाल कर रहे हैं। नायडू ने आगे कहा, लोग कह रहे हैं कि उनकी भावनाएं आहत हुई हैंजब यह गलती हो गई तो क्या मुझे उन्हें छोड़ देना चाहिए? हालांकि, हालांकि, इससे पहले आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने मौजूदा सीएम पर पलटवार करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के 100 दिनों के शासन से ध्यान भटकाने के लिए लगाए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि नायडू की सोच सियासत के लिए भगवान के इस्तेमाल करने जैसी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्य न्यायाधीश को चिट्ठी लिखेंगे। उन्होंने कहा, मैं उन्हें विस्तार से बताऊंगा कि कैसे चंद्रबाबू नायडू मामले को घूमा रहे हैं। ऐसा करने के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। चंद्रबाबू नायडू ने अमरावती में एनडीए विधायक दल की बैठक में दावा किया था कि तिरुमाला लड्डू भी घटिया सामग्री से बनाया गया था। वे घी के बदले जानवरों की चर्बी का इस्तेमाल करते थे। उन्होंने आगे कहा कि अब शुद्ध घी का इस्तेमाल किया जाता है और मंदिर में सभी चीजों को सैनेटाइज कर दिया गया है। बता दें कि इस मामले में केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश सरकार से रिपोर्ट मांगी है और कहा कि एफएसएसएआई लैब रिपोर्ट की जांच करेगा।

खरगे के पत्र पर नड्डा के जवाब से भड़कीं प्रियंका

तेजिन्दर कौर बब्बर

3लखनऊ, 20 सितंबर। यूपी में 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर सपा व भाजपा नेताओं के बयानों में तल्खी बढ़ गई है। इस बयानबाजी में पार्टी के अन्य नेता भी शामिल हो गए हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को एक्स पर दिए गए एक बयान से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाषा से पहचानिए असली संत महंत, साधु वेष में घूमते जग में धूर्त अनंत। इस पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पलटवार किया है। उन्होंने अखिलेश यादव से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने की अपील की है। उन्होंने एक्स पर कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव आप कांग्रेस के मोहरा और राहुल गांधी के दरबारी बनने के बाद से भाषा की मर्यादा भूल गए हैं और आपकी बयानबाजी से केवल संपूर्ण संत समाज का ही नहीं प्रदेश की 25 करोड़ जनता का भी अपमान हो रहा है। ऐसे बयान के लिए आप सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगें। आपकी भाषा ही सपा को समाप्त वादी पार्टी बनायेगी। सपा मुखिया श्री अखिलेश यादव जी आप कांग्रेस के मोहरा और श्री राहुल गांधी के दरबारी बनने के बाद से भाषा की

मर्यादा भूल गए हैं और आपके बयानबाज़ी से केवल संपूर्ण संत समाज का ही नहीं प्रदेश की 25 करोड़ जनता का भी अपमान हो रहा है । ऐसे बयान के लिए आप सार्वजनिक रूप से क्षमा माँगें। अखिलेश के इस बयान के बाद भाजपा के अन्य नेता भी सपा अध्यक्ष पर हमलावर हो रहे हैं। भाजपा नेता नीरज सिंह ने अखिलेश यादव पर हमला करते हुए कहा कि समाजवाद का चोला ओढ़े, घूम रहे जयचंद। संस्कार बोल रहे हैं, कौन है संत महंत। वहीं, भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह ने सपा को निशाने पर लेते हुए कहा कि जातिवाद की राजनीति लोकतंत्र के मस्तक पर सबसे बड़ा कलंक है! इसके पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को अयोध्या के मिल्कीपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए सपा और अखिलेश यादव पर तीखे हमले किए थे। उन्होंने अखिलेश यादव को गुंडों को शरण देने वाला और भ्रष्टाचार करने वाला करार दिया था। वहीं, अखिलेश यादव ने कहा था कि मेरी और सीएम योगी की तस्वीर एक साथ रखकर देख लो पता चल जाएगा कि माफिया कौन है? कयास लगाए जा रहे हैं कि उपचुनाव की तारीखों का एलान जल्द ही किया जाएगा।

ममता बनर्जी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

कोलकाता, 20 सितंबर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को दक्षिण बंगाल के कई जिलों में आई बाढ़ को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है। ममता ने मोदी को लिख पत्र ने कहा है कि, राज्य दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के साथ सभी संबंध तोड़ देगा क्योंकि उसने एकतरफा पानी छोड़ा है, जिसके कारण दक्षिण बंगाल के कई जिलों में बाढ़ आ गई है। बता दें कि, डीवीसी की ओर से लगभग 5 लाख क्यूसेक पानी छोड़ने की वजह से पूर्व बर्धमान, पश्चिम बर्धमान, बीरभूम, बांकुड़ा, हावड़ा, हुगली, पूर्व मेदिनीपुर और पश्चिम मेदिनीपुर विनाशकारी बाढ़ का सामना कर रहे हैं। मोदी को लिखे पत्र में उन्होंने बाढ़ से हुई व्यापक तबाही से निपटने के लिए तत्काल केंद्रीय निधि जारी करने का अनुरोध किया। ममता ने पत्र में लिखा कि, राज्य इस वक्त लोअर दामोदर और आसपास के इलाकों में 2009 के बाद सबसे बड़ी बाढ़ का सामना कर रहा है। मैं आपसे आग्रह करती हूं कि आप इस मामले पर गंभीरता से विचार करें और संबंधित मंत्रालयों को इन मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में संबोधित करने का निर्देश दें। जिसमें सबसे अधिक पीड़ित लोगों के हित में व्यापक बाढ़ प्रबंधन कार्य करने के लिए पर्याप्त केंद्रीय निधियों की मंजूरी शामिल है। ममता बनर्जी ने मोदी को लिखे पत्र में कहा है कि, मैं इसे मानव निर्मित बाढ़ कहने के लिए मजबूर हूं, यह एक ऐसी स्थिति है जो पूरी तरह से अनदेखी की वजह से उपजी है। हम महसूस करते हैं कि अगर इस मानव निर्मित आपदा को अच्छी तरह से योजनाबद्ध और संतुलित बांध डैम मैनेजमेंट किया गया होता, तो हमारे लोगों को इस परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता। इस मामले पर अब बंगाल के नेता प्रतिपक्ष और बीजेपी विधायक सुवेंदु अधिकारी ने की प्रतिक्रिया सामने आई है।

पाकिस्तान में चिकनगुनिया, डेंगू बुखार के मामले बढ़े

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में चिकनगुनिया और डेंगू बुखार के मामलों में इस सप्ताह काफी वृद्धि हुयी है जिससे कि स्वास्थ सुविधाओं पर असर पड़ रहा है। विशेषज्ञों ने आशंका जतायी है कि बढ़ती ठंड के साथ ये बीमारियां और बढ़ेगीं। रिर्पोट के मुताबिक विशेषज्ञों ने मच्छरों के प्रजनन स्थल और अन्य रोग पैदा करने वाले कीड़ों को कम करने के लिए वेक्टर प्रबंधन विधियों के महत्व को रेखांकित किया है। चेसापिक एनर्जी कॉरपोरेशन (सीएचके) में आपातकालीन विभाग के प्रभारी डॉ. इमरान सरवर जी शेख ने कहा, हॉस्पिटल के इमरजेंसी वार्ड में चिकनगुनिया और डेंगू बुखार के रोज लगभग 50 रोगी आते हैं। 'डॉन' ने डॉ. शेख के हवाले से बताया कि चिकनगुनिया के मामले पहले सरकारी और निजी दोनों क्लीनिकों में दर्ज किए गए थे। हाल के हफ्तों में इसकी संख्या में वृद्धि हुयी है।डॉ.शेख ने कहा, प्रतिदिन लगभग 12 मलेरिया और बड़ी संख्या में वायरल बुखार के मामले भी सामने आ रहे हैं।

चीन लगाएगा नौ अमेरिकी कंपनियों पर प्रतिबंध

बीजिंग। चीन ने ताइवान को हथियार बेचने के कारण नौ अमेरिकी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। चीन विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। अमेरिकी रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी (डीएससीए) ने मंगलवार को कहा कि विदेश विभाग ने ताइपे आर्थिक और सांस्कृतिक प्रतिनिधि कार्यालय (टीईसीआरओ) को 22.80 करोड़ डॉलर मूल्य की संभावित विदेशी सैन्य बिक्री को मंजूरी दे दी है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, चीन ने सिएरा नेवादा कॉर्पोरेशन, स्टिक रूडर एंटरप्राइजेज एलएलसी, क्यूबिक कॉर्पोरेशन, एस3 एयरोडिफेंस, टीसीओएम, टेक्सटऑर, प्लेनेट मैनेजमेंट ग्रुप, एसीटी1 फेडरल, एक्सोवेरा सहित नौ अमेरिकी कंपनियों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने का फैसला किया है।

बाइडेन विश्व नेताओं के साथ करेंगे बैठक

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों पर वार्ता करने के लिये 23-25 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के इतर विश्व नेताओं के साथ एक बैठक करेंगे। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरिन जीन-पियरे ने कहा, 23-25 सितंबर को श्री बाइडेन संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र में शामिल होने के लिये संरा मुख्यालय न्यूयॉर्क शहर जायेंगे। वह मंगलवार को महासभा को संबोधित करेंगे। इसके अलावा, राष्ट्रपति अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतरों से निपटने, वैश्विक समृद्धि को आगे बढ़ाने तथा मानवाधिकारों की रक्षा में सहयोग पर चर्चा करने के लिए विश्व नेताओं से मुलाकात भी करेंगे। उल्लेखनीय है कि यूएनजीए का 79वां सत्र 10 सितंबर को शुरू हुआ। वार्षिक बहस 24-28 सितंबर और 30 सितंबर को होगी।

ईरान के राष्ट्रपति यूएनजीए सत्र में भाग लेंगे

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 79वें सत्र में भाग लेंगे और वह न्यूयॉर्क के लिए रवाना होंगे। आधिकारिक समाचार एजेंसी इरना ने यह जानकारी दी। इरना ने कहा कि श्री पेजेशकियन का भाषण 24 सितंबर को निर्धारित है। वह अपने भाषण के दौरान ईरानी लोगों के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालेंगे। एजेंसी ने कहा कि राष्ट्रपति के न्यूयॉर्क में अपने प्रवास के दौरान अमेरिका में रहने वाले ईरानी नागरिकों, मीडिया और थिंक टैंक के निदेशकों अन्य देशों के उच्च पदस्थ अधिकारियों और धार्मिक नेताओं से मिलने की उम्मीद है। श्री पेजेशकियन ने सोमवार को तेहरान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यूएनजीए 79 में उनकी भागीदारी का उद्देश्य ईरानियों के अधिकारों, दृष्टिकोण और विश्वासों की रक्षा करना होगा।

पाकिस्तान के क्वेटा में टूटा अब पोलियो चक्र, दो साल का बच्चा चपेट में

कराची। पाकिस्तान में पोलियो उन्मूलन अभियान के बीच राष्ट्रीय आपातकालीन संचालन केंद्र ने गुरुवार को खतरे की घंटे बजाई। केंद्र ने कहा है कि क्वेटा से इस साल मुल्क में पोलियो वायरस का 18वां केस सामने आया है। यह क्वेटा से दूसरा और बलूचिस्तान से इस साल का 13वां केस है। क्वेटा में दो साल का बच्चा इसकी जद में आकर अपंग हो गया। उल्लेखनीय है कि इस साल पाकिस्तान के बलूचिस्तान में इस समय पोलियो उन्मूलन अभियान के तहत बच्चों को दो बूंद जिंदगी...की दी जा रही है। यहां लोग इस अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं पर हमले भी कर रहे हैं। जियो न्यूज की खबर के अनुसार, इस्लामाबाद में राष्ट्रीय आपातकालीन संचालन केंद्र ने क्वेटा में पोलियो चक्र टूटने की पुष्टि करते हुए राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान के सामने आ रही चुनौतियों पर चिंता जताई है। पोलियो उन्मूलन अभियान पर प्रधानमंत्री कार्यालय की अधिकारी आयशा रजा फारूक ने कहा कि बलूचिस्तान के कुछ इलाकों में इस अभियान में व्यवधान डाला जा रहा है। इससे संकट और बढ़ रहा है।

शेख हसीना के खिलाफ 45 दिन में हत्या के 140 मामले दर्ज

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ पांच अगस्त के बाद से 45 दिन में 150 से ज्यादा केस दर्ज किए गए हैं। हसीना को छात्र और जन विद्रोह के कारण देश छोड़ना पड़ा है। इसके बाद अंतरिम सरकार का गठन किया गया। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, पिछले डेढ़ महीने में शेख हसीना के खिलाफ ढाका में 150 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें से 140 हत्या और 10 हत्या के प्रयास, धमकी, उत्पीड़न और हमले के आरोप के मामले शामिल हैं। यह सभी मामले ढाका के मजिस्ट्रेट न्यायालयों में दर्ज किए गए हैं। यह मामले 31 थाना क्षेत्रों के हैं। जतराबाड़ी में कुल 42 मामले, मीरपुर में 24, उत्तरा-पूर्व में 14, सावर में 10, बड्डा में नौ, मोहम्मदपुर और कदमतली में पांच-पांच और रामपुरा में चार मामले दर्ज किए गए हैं। तेजगांव, न्यू मार्केट, अदाबोर, सूत्रपुर, खिलगांव और हातिरझील पुलिस स्टेशनों में तीन-तीन मामले दर्ज किए गए। पल्लबी, बंगशाल, शेर-ए-बांग्ला नगर, बनानी, पलटन, मुगदा और भटारा पुलिस स्टेशनों में

दो-दो मामले दर्ज किए गए। आशुलिया, काफरुल, मोतीझील, चौकबाजार, लालबाग, गुलशन, एयरपोर्ट, शाहबाग, धानमंडी और कोतवाली पुलिस स्टेशनों में एक-एक मामला दर्ज किया गया। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, शेख हसीना के खिलाफ पहला हत्या का मामला 13 अगस्त को ढाका की एक अदालत में दर्ज किया गया। इसमें कहा गया है कि शेख हसीना और ओबैदुल कादर समेत सात लोगों ने 19 जुलाई को आरक्षण आंदोलन के दौरान मोहम्मदपुर में पुलिस फायरिंग में सहयोग किया। इसमें किराना दुकानदार अबू सईद की हत्या का आरोप है। इसके बाद छह और हत्या के मामले दर्ज किए गए। इनमें शेख हसीना को मुख्य आरोपी बनाया गया है। यह मामले मामले गुरुवार को ढाका के मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट में दर्ज किए गए।

इजराइल-फिलिस्तीन मामले में नेपाल ने बदला अपना रुख, इजराइल के खिलाफ यूएन में आए प्रस्ताव पर नेपाल भी अनुपस्थित

एजेंसी

काठमांडू। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में इजराइल के खिलाफ आए प्रस्ताव पर भारत के साथ नेपाल भी अनुपस्थित रहा। नेपाल सरकार के इस फैसले से इजराइल को लेकर उसके रुख में बदलाव आया है। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के खिलाफ आए प्रस्ताव पर नेपाल ने फिलिस्तीन के पक्ष में मतदान किया था जिसके बाद काफी आलोचना हुई थी।

19 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र में इजराइल द्वारा फिलिस्तीन की भूमि एक वर्ष के भीतर छोड़ने के प्रस्ताव पर हुए मतदान में नेपाल अनुपस्थित रहा। हालांकि यह प्रस्ताव 124 मतों के साथ पारित हो गया। भारत, नेपाल सहित 43 देश इस मतदान के दौरान अनुपस्थित रहे जबकि अमेरिका सहित 14 देशों ने इस प्रस्ताव का विरोध किया।

नेपाल के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अमृत राई ने कहा कि इस बार के मतदान में नेपाल द्वारा अनुपस्थित रहने के पीछे देश की तटस्थ कूटनीति है। राई ने कहा कि इजराइल के साथ हमारे मित्रवत संबंध हैं। हजारों नेपाली नागरिक वहां रोजगार के सिलसिले में रहते हैं, इसलिए उसके खिलाफ आए प्रस्ताव

का समर्थन करने का सवाल ही नहीं उठता। इससे पहले 28 अक्टूबर 2023 को इजराइल द्वारा फिलिस्तीन पर हमले के खिलाफ आए प्रस्ताव में नेपाल ने फिलिस्तीन के पक्ष में मतदान किया था। उस समय सरकार के इस फैसले का जमकर विरोध हुआ था। इतना ही नहीं नेपाल में इजराइल के राजदूत ने तत्कालीन प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड और विदेश मंत्री नारायणकाजी श्रेष्ठ से मुलाकात कर अपनी आपत्ति दर्ज की थी।हमास के आतंकियों द्वारा पहले दिन इजराइल पर किए हमले में कई नेपाली नागरिकों की जान चली गई थी। इतना ही नहीं नेपाल के कई नागरिकों को हमास के आतंकियों द्वारा बंधक भी बना लिया गया था जिसे अभी तक रिहा नहीं किया गया। हमास द्वारा किए गए इस कुकृत्य घटना के बावजूद नेपाल सरकार द्वारा फिलिस्तीन के समर्थन में मतदान करने से सरकार की आलोचना हुई थी।

अगस्त के 16 दिनों में बांग्लादेश में 2010 साम्प्रदायिक हमले, हजारों हिंदू परिवार प्रभावित, बांग्लादेशी संस्था का दावा

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में हिंदू-बौद्ध-ईसाई एकता परिषद ने आगामी 21 सितंबर को ढाका सहित पूरे देश में विरोध प्रदर्शन और रैली आयोजित करने की घोषणा की है। यह जानकारी परिषद के अध्यक्ष निर्मल रोज़ारियो ने गुरुवार को सिगुनबागिचा स्थित ढाका रिपोर्टर्स यूनिटी में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। इसके साथ ही उन्होंने शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद देशभर में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हमलों की घटनाएं और आंकड़े प्रस्तुत किए। निर्मल रोज़ारियो के मुताबिक 04 अगस्त से 20 अगस्त तक बांग्लादेश के 68 जिलों और मेट्रोपॉलिटन क्षेत्रों में कुल 2010 साम्प्रदायिक हमलों की घटनाएं हुईं। इन हमलों में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 1705 परिवारों को सीधा नुकसान पहुंचा। निर्मल रोज़ारियो ने इन 16 दिनों के दौरान हुई साम्प्रदायिक हिंसा की विस्तार से

जानकारी देते हुए कहा कि 157 परिवारों के घरों पर हमले, लूटपाट, तोड़फोड़ और आगजनी की गई, वहीं उनके व्यवसाय को भी नुकसान पहुंचाया गया। सबसे अधिक हमले बांग्लादेश के खुलना डिवीजन में हुए, जहां चार महिलाओं के साथ बलात्कार की घटनाएं भी सामने आईं। 1705 प्रभावित परिवारों में से 35 परिवार आदिवासी समुदाय से हैं, जिनके घरों को लूटा गया, तोड़ा गया और आग के हवाले कर दिया गया। इसके अलावा, 69 धार्मिक स्थलों पर भी हमले, तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं हुईं। निर्मल रोज़ारियो ने संयुक्त राष्ट्र के पर्यवेक्षण में इस हिंसा की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच करवाने की मांग की है। साथ ही हिंदू-बौद्ध-ईसाई एकता परिषद के महासचिव एडवोकेट राणा दासगुप्ता और अन्य नेताओं के खिलाफ दायर झूठे मुकदमे वापस लेने और पूरे देश में जारी साम्प्रदायिक हिंसा समाप्त करने की मांग के साथ, निर्मल रोज़ारियो ने 21 सितंबर को शाम चार बजे देशव्यापी विरोध और सभा की घोषणा की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में परिषद के अध्यक्ष डॉ. निम चंद्र भौमिक, कार्यवाहक महासचिव मनींद्र कुमार नाथ, सदस्य रंजन कर्मकार, भिक्षु सुनंद प्रिय और संगठन सचिव एडवोकेट दीपंकर घोष भी उपस्थित थे।

नेपाल के पूर्व गृहमंत्री रवि लामिछाने के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को कैबिनेट की हरी झंडी

एजेंसी

काठमांडू। सहकारी घोटाले में दोषी पाए गए नेपाल के पूर्व गृहमंत्री रवि लामिछने के खिलाफ कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ाने को लेकर केन्द्रीय कैबिनेट ने अपनी स्वीकृति दे दी है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई कैबिनेट की बैठक के बाद संसदीय समिति की जांच रिपोर्ट गृह मंत्रालय भेज दी गई है। सिंह दरबार में हुई कैबिनेट की बैठक में संयुक्त संसदीय जांच समिति की रिपोर्ट पर चर्चा की गई। सरकार के प्रवक्ता एवं सूचना तथा संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग ने कहा कि कैबिनेट की बैठक में संसदीय समिति की जांच रिपोर्ट को स्वीकार करते हुए उसकी सिफारिश के आधार पर कार्रवाई करने को लेकर अपनी मुहर लगा दी है। सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि चूंकि सरकार और अन्य राजनीतिक दलों की सहमति से संसदीय जांच समिति का गठन किया गया था, इसलिए इसे कानूनी प्रक्रिया के लिए आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया है। प्रवक्ता गुरूंग ने यह भी कहा कि संसदीय जांच समिति की रिपोर्ट में जो भी दोषी पाए गए हैं उन सभी को कानूनी दायरा में लाने के लिए गृह मंत्रालय को निर्देश दिया गया है।

कैबिनेट बैठक के बाद गृहमंत्री रमेश लेखक ने कहा कि इस रिपोर्ट को तत्काल पुलिस मुख्यालय भेजा जा रहा है, जिसके बाद कानूनी विमर्श करते हुए दोषियों के खिलाफ अपराध तय किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार के इस फैसले को किसी भी प्रकार के पूर्वाग्रह से जोड़ कर नहीं देखा जाना चाहिए। संसदीय समिति का गठन सभी दलों की सहमति से होने और संसद के निर्देश पर बने होने के कारण किसी भी नेता के साथ राजनीतिक प्रतिशोध की बात नहीं आती है।महान्यायधिवक्ता रमेश बडाल ने कहा कि रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद ही दोषियों पर आरोप तय होंगे।

मीनार-ए-पाकिस्तान लाहौर में पीटीआई की रैली आज

एजेंसी

लाहौर। रावलपिंडी सेंट्रल जेल (अदियाला जेल) में बंद मुल्क के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने लाहौर में रैली करने की घोषणा की है। यह रैली 21 सितंबर को मीनार-ए-पाकिस्तान लाहौर में होगी।

एआरवाई न्यूज ने महासचिव अवैस यूनिस के हवाले से कहा है कि रैली की सफलता के लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। रैली में इमरान खान के प्रति वफादारी का प्रदर्शन किया जाएगा। यूनिस ने कहा है कि मीनार-ए-पाकिस्तान की इस रैली फिर साबित होगा कि लाहौर पीटीआई संस्थापक के साथ खड़ा है। रैली में मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर खैबर पख्तूनख्वा (केपी) से आने वाले काफिलों का नेतृत्व करेंगे। हाल ही में

इस्लामाबाद में पार्टी नेताओं की गिरफ्तारी के बाद मीनार-ए-पाकिस्तान लाहौर में होने वाली इस रैली को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।पीटीआई ने मीनार-ए-पाकिस्तान लाहौर रैली से पहले अपने नेताओं की गिरफ्तारी की आशंका जताते हुए लाहौर हाई कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया है। याचिका में अदालत से संरक्षण की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि पुलिस पंजाब में पार्टी के सदस्यों को गिरफ्तार कर रही है।

भारत से आलू निर्यात के नाम पर नेपाल में ब्रांडेड कपड़ों की तस्करी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल पुलिस ने एक करोड़ से अधिक मूल्य के कपड़े भारत से बिना किसी कस्टम शुल्क के नेपाल में लाने के क्रम में दो भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया है। एक ट्रक कपड़ा बिना किसी जांच और कस्टम ड्यूटी के नेपाल के भीतर लाकर काठमांडू भेजने के क्रम में गिरफ्तारी हुई है। मकवानपुर जिला पुलिस ने हेतौड़ा के रास्ते काठमांडू ले जाने क्रम में एक ट्रक अवैध कपड़ा सहित नियंत्रण में लिया है। मकवानपुर जिला के एसपी सीताराम रिजाल ने कहा कि भारतीय नंबर प्लेट (BR 05 GD 1343) के ट्रक की जांच के दौरान उसमें भरे नए ब्रांडेड कपड़े के बोरे का एक भी कस्टम ड्यूटी का बिल या अन्य टैक्स जमा बिल नहीं पाया गया। उन्होंने कहा कि पकड़े गए कपड़ों का बाजार मूल्य 1 करोड़ 35 लाख

रुपये है। एसपी रिजाल के मुताबिक यह सारा सामान अवैध रूप से काठमांडू लेकर जाने वाले भारतीय नागरिक बिहार राज्य के पूर्वी चंपारण जिला सपही निवासी 30 वर्षीय जहांगीर आलम और उसके साथ में रहे पूर्वी चंपारण के ही चौलाहा कॉलोनी निवासी 19 वर्षीय मुन्ना मियां को गिरफ्तार किया गया है।

एसपी रिजाल ने यह भी बताया कि ट्रक में कपड़े के बोरा के ऊपर आलू का बोरा रखा गया था जिसका कस्टम ड्यूटी का बिल भी दिखाया गया लेकिन जब नीचे जांच हुई तो पूरा ब्रांडेड कपड़ा से भरा हुआ बोरा बरामद हुआ। पुलिस के मुताबिक कपड़ों से भरे बोरा के ऊपर 365 बोरा आलू का था लेकिन कस्टम ड्यूटी सिर्फ 243 बोरा का ही था। इसी से आशंका होने के बाद पुलिस ने ट्रक में रखे सभी सामान को उतारने पर कपड़ों से भरा बोरा बरामद हुआ।

नसरल्लाह टीवी पर धमकाता रहा इजराइल को, वह दक्षिणी लेबनान में गिराता रहा बम

एजेंसी

बेरूत। बंधकों के साथ बर्बरता की सीमा लांघने वाले आतंकी संगठन हमास का समर्थक सबसे खतरनाक आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह इजराइल की लेबनान के खिलाफ अपनाई गई ताजा रणनीति से बौखला गया है। इसी का नतीजा है कि साल 2006 से बंकरों में छिपा 64 वर्षीय हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह अप्रत्यक्षतौर पर सामने आने को मजबूर हो गया। उसने टेलीविजन पर अपने गुर्गों और समर्थकों को संबोधित कर इजराइल को बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी। तभी इजराइल के लड़ाकू विमानों ने लेबनान में बम बरसाकर उसे मुंहतोड़ जवाब दिया। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह के बदला लेने की कसम खाने के बाद इजरायल ने लेबनान पर जोरदार बमबारी की। इजराइल के हमलों से

दक्षिणी लेबनान हिल गया। नसरल्लाह ने टीवी संबोधन में कहा था कि पेजर और वॉकी-टॉकी विस्फोटों के लिए इजरायल से बदला लिया जाएगा। मंगलवार और बुधवार को हुए विस्फोटों में कम से कम 37 लोग मारे गए और 2,900 से अधिक लोग घायल हुए हैं। अपने टेलीविजन भाषण में नसरल्लाह ने कहा, ÷वास्तव में, हमने एक गंभीर और क्रूर झटका सहा है।÷ नसरल्लाह ने यह भी चेतावनी दी कि इजराइल को कठोर जवाब दिया जाएगा। लेबनान के तीन वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, इसके कुछ समय बाद इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में 70 से अधिक हवाई हमले किए।ताबड़तोड़ बम बरसाए। उल्लेखनीय है कि इजराइल ने न तो विस्फोटों में किसी भूमिका की पुष्टि की है और न ही इससे इनकार किया है। उल्लेखनीय है कि हिजबुल्लाह को ईरान का भी समर्थन प्राप्त है। नसरल्लाह के शिया आंदोलन ने 2006 में इजराइली सैनिकों के खिलाफ विनाशकारी युद्ध लड़ा है। उसके बाद से नसरल्लाह को सार्वजनिक रूप से शायद ही कभी देखा गया हो। नसरल्लाह ने कल के टीवी भाषण में लेबनान में हमलों के लिए इजराइल को दोषी ठहराया है।

अमेरिका में कोर्ट रूम में जिला जज की गोली मारकर हत्या, आरोपित ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में स्कूलों के बाद अब तो कानून के मंदिर में भी खून बहने लगा है। पूर्वी केंटकी काउंटी के जिला जज की हत्या से लोग सकते और दहशत में हैं। एक ग्रामीण इलाके के शेरिफ ने गुरुवार दोपहर कोर्ट रूम में घुसकर जिला जज की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपित शेरिफ ने आत्मसमर्पण कर दिया।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, केंटकी स्टेट पुलिस के ट्रूपर मैट गेहार्ट ने शाम को संवाददाता सम्मेलन में घटना का पूरा विवरण दिया। उन्होंने बताया कि लेचर काउंटी के शेरिफ 43 वर्षीय मिकी स्टाइन्स ने 54 वर्षीय जिला जज केविन मुलिंस को गोली मारने के बाद आत्मसमर्पण कर दिया। यह वारदात दोपहर करीब 2÷55 बजे दक्षिण-पूर्वी केंटकी के व्हाइट्सबर्ग शहर में लेचर काउंटी कोर्ट रूम के

अंदर हुई। ट्रूपर गेहार्ट ने बताया कि हत्यारोपित शेरिफ को स्थानीय जेल ले जाया गया है।

पुलिस अधिकारी गेहार्ट ने कहा कि जिला जज मुलिंस को कई गोलियां लगीं और उन्हें घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की जा रही है। केंटकी के गवर्नर एंडी बेशर ने सोशल मीडिया पर जिला जज की हत्या के बाद लिखा,इस दुनिया में बहुत ज्यादा हिंसा है। मैं प्रार्थना करता हूं कि बेहतर कल के लिए कोई रास्ता हो।

सी-टैक का हैकर को 50 करोड़ की फिरौती देने से इनकार, राइसिडा के पास टैकोमा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का महत्वपूर्ण डेटा

एजेंसी

वाशिंगटन। साइबर अपराध की दुनिया में राइसिडा के नाम से कुख्यात रैनसमवेयर गिरोह को टैकोमा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का संचालन करने वाली कंपनी सी-टैक ने 100 बिटकॉइन की फिरौती देने से इनकार कर दिया है। यह रकम भारतीय मुद्रा में लगभग 50 करोड़ रुपये होती है। राइसिडा ने अप्रैल में साइबर अटैक कर एयरपोर्ट का महत्वपूर्ण डेटा चुरा लिया है। द सिएटल टाइम्स की खबर के अनुसार, अमेरिकी सीनेट की वाणिज्य, विज्ञान और परिवहन समिति को सुबह हुई सुनवाई में सी-टैक ने यह जानकारी दी। एयरपोर्ट के प्रबंध निदेशक लांस लिटल ने कहा कि अगस्त में हुए साइबर अटैक की आंतरिक जांच चल रही है। अब तक की जांच में यह साफ हो गया है कि इस साइबर अटैक में राइसिडा का हाथ है। मगर यह यह स्पष्ट नहीं है कि राइसिडा ने कितना डेटा चुराया है। राइसिडा इसके लिए 100 बिटकॉइन (लगभग 6 मिलियन डॉलर) की फिरौती मांग रहा है। लिटल ने कहा कि सोमवार को राइसिडा ने अपनी डार्कनेट लीक साइट पर सिएटल पोर्ट सिस्टम से चुराई गई आठ फाइलों की एक प्रति पोस्ट की है। एयरपोर्ट की संचालनकर्ता और मालिक कंपनी सी-टैक ने फिरौती न देने का फैसला किया है। फिलहाल आठों फाइलों की समीक्षा की जा रही है। अभी तक स्पष्ट नहीं है कि रैनसमवेयर समूह ने कुल कितना डेटा एक्सेस किया। इस बीच, सी-टैक के प्रवक्ता पेरी कूपर ने फिरौती मांगने की पुष्टि की है। ऑस्ट्रेलियाई साइबर सुरक्षा समाचार आउटलेट साइबर डेली ने कहा है कि राइसिडा ने एयरपोर्ट का एक विस्तृत नक्शा भी पोस्ट किया है। साइबर डेली की रिपोर्ट के अनुसार, राइसिडा ने डेटा को नीलामी के लिए रखा है। नीलामी का अंतिम दिन सोमवार तय किया गया है। उल्लेखनीय है कि टैकोमा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट उत्तरी अमेरिका का आठवां सबसे बड़ा एयरपोर्ट है। यह अलास्का एयरलाइंस और डेल्टा एयर लाइंस दोनों के लिए एक हब के रूप में काम करता है।

बांग्लादेश छोड़ गए अवामी लीग के प्रमुख नेता, अंतरिम सरकार को नहीं भनक

एजेंसी

ढाका। बंगालादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद अवामी लीग के नेताओं की जोर-शोर से शुरू धरपकड़ के बीच कई प्रमुख नेता मुल्क छोड़कर भाग गए। मजेदार बात यह है कि अंतरिम सरकार और उसकी एजेंसियों को इस बारे में भनक तक नहीं मिली। इनमें से अधिकतर नेता पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के करीबी हैं। वह उनकी सरकार में ताकतवर मंत्री रहे हैं। सभी हत्या के आरोप सहित कई मामलों में आरोपी हैं। ढाका से छपने वाले बांग्ला अखबार (अंग्रेजी संस्करण) प्रोथोम अलो ने अपनी खबर में इस पर विस्तार से चर्चा की है। अखबार ने देश छोड़ने वाले कुछ प्रमुख नेताओं के फोटो भी साझा किए हैं। खबर के अनुसार, छात्रों और लोगों के व्यापक विद्रोह के कारण अवामी लीग सरकार के गिरने के एक महीने बाद भी अवामी लीग के कई नेता, पूर्व मंत्री और विधायक अभी भी देश छोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। कई पहले ही देश छोड़ चुके हैं। कुछ लोग देश से भागने की कोशिश करते हुए सीमा पर पकड़े गए। सीमा पार करने की कोशिश में मौत की भी खबरें हैं। प्रोथोम अलो के अनुसार, पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमां खान, पूर्व जूट और कपड़ामंत्री जहांगीर कबीर नानक और अवामी लीग के संयुक्त महासचिव और पूर्व विधायक एएफएम बहाउद्दीन नसीम पिछले हफ्ते सीमापार कर चुके हैं।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

वैश्विक शांति के प्रस्तावों पर चर्चा करेंगे मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अपनी अमेरिका की आगामी यात्रा के दौरान रूस यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में इज़रायल हमास संघर्ष को रुकवाने के प्रस्तावों पर अमेरिका के राष्ट्रपति जोसेफ आर बिडेन सहित अनेक प्रमुख विश्व नेताओं के साथ महत्वपूर्ण चर्चा करने की संभावना है। श्री मोदी 21 से 23 सितंबर के बीच अमेरिका की तीन दिन की यात्रा रहेंगे। वह इस दौरान राष्ट्रपति बिडेन के गृह नगर फिलाडेल्फिया प्रांत के डेलावेर में अमेरिका, भारत, जापान और आस्ट्रेलिया के चतुष्कोणीय गठबंधन क्वाड के छठवें शिखर-सम्मेलन (प्रत्यक्ष रूप से चौथे) तथा न्यूयॉर्क में 23 सितंबर भविष्य पर शिखर-सम्मेलन में भाग लेंगे। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने प्रधानमंत्री श्री मोदी की अमेरिका यात्रा के बारे में जानकारी देने के लिए आज यहां बुलाये गये संवाददाता सम्मेलन में रूस यूक्रेन मुद्दे के बारे में कई सवालों के जवाब में कहा कि हाल ही में प्रधानमंत्री ने रूस और यूक्रेन का दौरा किया, जिसके बाद उन्होंने नेताओं से भी बात की, अमेरिकी राष्ट्रपति जोसेफ आर बिडेन और रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन से बात की और जब हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी रूस गए, तो उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन से भी बात की थी अमेरिका में प्रधानमंत्री की बैठकों या शिखर सम्मेलनों में भारत की ओर से किसी शांति प्रस्ताव को रखे जाने के बारे में पूछे जाने पर विदेश सचिव ने कहा, मैं बस इतना कहूंगा कि इन सभी प्रमुख नेताओं के बीच यह बातचीत चल रही है। जहां तक ??(शांति) प्रस्ताव बनाने का सवाल है, हमें यह देखना होगा कि कितनी सहमति बनती है और क्या हम किसी तक पहुंच पाते हैं।

हरियाणा की भाजपा सरकार ने किसानों, जवानों के मान सम्मान के साथ खिलवाड़ किया: आप

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने भाजपा की हरियाणा सरकार पर किसानों, जवानों और माताओं और बहनों के मान-सम्मान के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डॉ संदीप पाठक ने पत्रकारों से कहा कि उनकी पार्टी पहली बार हरियाणा में पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ रही है। अब पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल कल 20 सितंबर से हरियाणा में चुनाव प्रचार की शुरुआत करेंगे। अरविंद केजरीवाल कल यमुनानगर के जगाधरी विधानसभा में अपना पहला रोड शो करेंगे। जगाधरी के बाद अरविंद केजरीवाल डबवाली, रानिया, भिवानी, मेहम, पूंडरी, कलायत,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर संपन्न

नई दिल्ली। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस की सेवा पखवाड़े के सप्ताह में ब्लड डोनेट का कार्यक्रम शाहदरा जिला भाजपा के ऋ प्रकोष्ठ गीता कॉलोनी वार्ड निगम पार्षद कार्यालय पर रखा गया श्रीमती नीमा भगत जी इस कार्यक्रम में प्रदेश के अध्यक्ष श्री वीरेंद्र सचदेवा जी जिला प्रभारी श्री अनिल गुप्ता जी पूर्व दिल्ली के विस्तारक श्री नरेश वशिष्ठ जी जिले के अध्यक्ष श्री संजय गोयल जी श्री महिपाल जी श्री रोहित जी महामंत्री श्री दीपक गाबा जी वह श्रीमती गीता शर्मा जी राजीव शर्मा जी सहसंयोजक दिल्ली प्रदेश सहकारिता प्रकोष्ठउपाध्यक्ष रजत रस्तोगी जी दीपक मल्होत्रा जी विजय शर्मा जी जिला मंत्री डिंपल खन्ना जी वर्षा जैसवाल जी श्री मुकेश स्वामी जी केवल कृष्ण जी विजय गिरोता जी मोहित गोड जी विनीत जैन जी विरोग जैन जी खेश जी संदीप अहूजा जी अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में मौजूद रहे !

जरूरतों, ओवरले की मोटाई और गुणवत्ता नियंत्रण का पता लगाने में तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करना है। यह समझौता पांच वर्ष की अवधि के लिए है। सड़कों के रखरखाव और पुनर्वास के लिए फुटपाथ मूल्यांकन तकनीकों और उनके अनुप्रयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम भी समझौते का हिस्सा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने किया करोल बाग इलाके में दुर्घटनास्थल का दौरा

दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने करोल बाग इलाके में इमारत ढहने से हुई दर्दनाक मौतों पर दुख जताते हुए सरकार से इस दिशा में ठोस कदम उठाने की अपील की है। उन्होंने आज घटनास्थल का दौरा किया। इसके बाद एक एक्स पोस्ट में यादव ने कहा कि दिल्ली में कई इमारतें और भवन जर्जर अवस्था में हैं और कभी भी किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। वे दिल्ली सरकार से मांग करते हैं कि इस मामले की जाँच करायें और भविष्य में ऐसी दुखद घटनाएँ पुनः ना हों, इस दिशा में ठोस कदम उठाएं। उल्लेखनीय है कि करोल बाग हादसें मे चार लोगों की जान चली गई थी और 13 लोग घायल हुए थे। इनका अस्पताल में इलाज चल रहा है ।

मंदिर के प्रसाद में पशु चर्बी का प्रयोग अत्यंत घृणित एवं असहनीय : विश्व हिंदू परिषद

एजेंसी

नई दिल्ली । आंध्र प्रदेश के विश्व प्रसिद्ध तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर के प्रसाद में मिलावट मामले पर विश्व हिंदू परिषद(विहिप) के अंतरराष्ट्रीय महासचिव बजरंग बागड़ा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने कहा है कि हिंदुओं की भावनाओं के साथ इस प्रकार का खिलवाड़ जानबूझ कर और लंबे समय से किया जा रहा है। इससे पूरे हिंदू समाज में आक्रोश की लहर है। हिंदुओं की आस्था पर बार-बार हो रहे इस प्रकार के हमलों को हिंदू समाज अब और बर्दाश्त नहीं करेगा। भगवान तिरुपति मंदिर के प्रसाद में जिस प्रकार विभिन्न पशुओं का मांस मिलाया गया, यह अत्यंत घृणित एवं असहनीय कृत्य है। बागड़ा ने निष्पक्ष जांच की वकालत की। उन्होंने आगे कहा, विश्व हिंदू परिषद पुरजोर मांग करती है कि इस घटना की पूर्णतः निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। न केवल ऐसे घृणित कुकृत्यों पर रोक लगनी चाहिए, बल्कि जो व्यक्ति या अधिकारी ऐसा निर्णय लेने या करवाने के लिए जिम्मेदार है, उसके विरुद्ध आपराधिक कार्रवाई की जानी चाहिए तथा उसे दंडित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्व हिंदू परिषद लंबे समय से मांग कर रही है कि हिंदू देवी-देवताओं और मंदिरों पर सरकार का नियंत्रण नहीं होना चाहिए। उन्हें समाज के नियंत्रण में होना चाहिए और समाज द्वारा उनका प्रबंधन किया जाना चाहिए। मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण से राजनीति का प्रवेश होता है। वहां गैर-हिंदू अधिकारियों की नियुक्ति से प्रसाद में मिलावट होती है इसलिए हम एक बार फिर मांग करते हैं कि हिंदू पूजा स्थल, मंदिर और तीर्थ स्थान सभी सरकारी नियंत्रण से मुक्त होने चाहिए। बजरंग बागड़ा ने मंदिरों की संपत्ति के दुरुपयोग का भी मुद्दा उठाया। कहा कि इसके अंतर्गत कई अन्य मुद्दे भी हैं जिनमें मंदिरों की संपत्ति का दुरुपयोग और अतिक्रमण किया जाता है। इनका उपयोग गैर-हिंदू उद्देश्यों के लिए भी किया जाता है। तिरुपति मंदिर की घटना के बाद हमारी मांग और मजबूत हो गई है कि हिंदू मंदिरों से सरकारी नियंत्रण खत्म होना चाहिए।

तिरुपति बालाजी के प्रसाद में चर्बी वाले विवाद पर संतो में नाराजगी

ये धार्मिक अपराध है सीबीआई जांच मांग की: चरणजीव मल्होत्रा

नई दिल्ली। प्रमुख समाजसेवी व गौ माता रक्षा एवं करोना योद्ध चरणजीव मल्होत्रा ने इस मामले पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि तिरुपति मंदिर में लड्डुओं का प्रसाद बनाने की सामग्री में गो-वंश की चर्बी और मांस मिलाने की सूचना आधिकारिक रूप से आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा दिए जाने पर हिंदू समाज के श्रद्धालुओं को

ठेस पहुंची है। भारतीय भक्तों की आस्था बहुत ब ?ा ठेस पहुंचा है चरणजीव मल्होत्रा ने कहा कि हम इसकी कटु निंदा करते हैं। केंद्र सरकार व आंध्र प्रदेश सरकार से मांग है कि इस तथ्य की गंभीरता से जांच होनी चाहिए। विद्वत परिषद शीघ्र ही बैठक कर इस बारे में उचित निर्णय लेगी। क्योंकि इस तथ्य से तिरुपति जाने वाले लगभग करो ? हिंदू भक्तों की आस्था जु ?ी हुई है। उन्होंने आगे कहा कि ये धार्मिक अपराध है। चरणजीव मल्होत्रा ने कहा कि उन्होंने कहा है कि हिंदुओं की भावनाओं के साथ इस प्रकार का खिलवा ? जानबूझ कर और लंबे समय से किया जा रहा है। इससे पूरे हिंदू समाज में आक्रोश की लहर है। हिंदुओं की आस्था पर बार-बार हो रहे इस प्रकार के हमलों को हिंदू समाज अब और बर्दाश्त नहीं करेगा। भगवान तिरुपति मंदिर के प्रसाद में जिस प्रकार विभिन्न पशुओं का मांस मिलाया गया, यह अत्यंत घृणित एवं असहनीय कृत्य है। कथित उपयोग पर हैरानी जताई है। उन्होंने आगे बताया कि तिरुमाला में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर हमारा सबसे पवित्र मंदिर है। मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि तिरुपति प्रसाद में घी की जगह पशु चर्बी का इस्तेमाल किया। केन्द्र सरकार से सीबीआई जांच की मांग की।

एमसीसी समुदाय और शहर के स्वच्छता मानकों को सशक्त बनाने और उनमें सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध है

(संजय अरोड़ा)

चंडीगढ़। चंडीगढ़ नगरपालिका ठोस अपशिष्ट के बेहतर और कुशल प्रसंस्करण की दिशा में एक और कदम उठाते हुए, नगर निगम चंडीगढ़ ने चल रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान के हिस्से के रूप में एक जागरूकता पुस्तिका लॉन्च की है। शहर के मेयर कुलदीप कुमार ने संयुक्त आयुक्त सुश्री ईशा कंबोज, एचसीएस और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के सदस्यों की उपस्थिति में आज एमसी कार्यालय में एसबीएम और एनयूएलएम अभिसरण के साथ एसएचजी के बीच वितरित करके पर्चे लॉन्च किए। जागरूकता बढ़ाने के लिए ये पर्चे बाद में शहर के निवासियों को वितरित किए जाएंगे। इस अवसर पर बोलते हुए, मेयर ने कहा कि पैम्फलेट का उद्देश्य नागरिकों को स्रोत पृथक्करण को बढ़ावा देकर और चंडीगढ़ में स्वच्छता अपशिष्ट पृथक्करण पर जोर देकर चल रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है। अधिकतम पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, नागरिक जागरूकता पर्चे तीन भाषाओं- अंग्रेजी, हिंदी और पंजाबी में मुद्रित किए गए हैं, और सभी शहर वार्डों में वितरित किए जाएंगे। महापौर ने सभी

कचरा संग्रहकर्ताओं, स्वच्छता कार्यकर्ताओं, एसएचजी और एमसीसी कर्मचारियों को उनकी कड़ी मेहनत के लिए आभार व्यक्त किया, जिससे शहर में कचरा पृथक्करण में सुधार हुआ और अलग किए गए कचरे का 100त्न संग्रह हासिल हुआ। उन्होंने स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 में शहर के 66वें रैंक से 2023 में 11वें रैंक तक पहुंचने पर प्रकाश डाला, और नागरिकों से चंडीगढ़ को एक स्वच्छ और स्वस्थ शहर बनाए रखने के लिए अपने प्रयास जारी रखने का आग्रह किया। एमसी कमिश्नर श्री. विनय प्रताप सिंह, आईएएस, ने कहा कि क्षेत्र को क्षेत्र निरीक्षण के आधार पर विशेषज्ञों द्वारा मैप किया गया है, और एसएचजी को घर-घर जाकर नागरिकों को अपशिष्ट पृथक्करण और घरेलू खाद बनाने के लक्ष्य के साथ शिक्षित करने के लिए जोनों में विभाजित किया गया है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में चंडीगढ़ को शीर्ष शहर बनाना। उन्होंने यह भी कहा कि सभी एसएचजी को क्षमता निर्माण प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। उन्होंने सभी स्वयं सहायता समूहों से नागरिकों को स्रोत पृथक्करण के महत्व के बारे में शिक्षित करने और चंडीगढ़ को एक स्वच्छ और स्वस्थ शहर बनाने में योगदान देने का आग्रह किया। इसके अतिरिक्त, स्वभाव स्वच्छता और संस्कार स्वच्छता की भावना को दर्शाते हुए, स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत शहर की गौशालाओं और एनएचपीसी क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ के कर्मचारियों और नागरिकों के साथ-साथ एमसीसी सफ़ाईमित्रों में गहन सफाई अभियान सहित गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। रैली ग्राउंड, सेक्टर 25, चंडीगढ़ (स्वच्छता लक्ष्य इकाई) और सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट, सेक्टर 25, चंडीगढ़ के कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत एक पेड़ मां के नाम %वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया।

राहुल के साथ भूमिका बदलना चाहती हैं बांसुरी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद बांसुरी स्वराज ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा के दौरान की गई टिप्पणियों को लेकर उन पर कटाक्ष किया है और कहा है कि वह उनके (श्री गांधी) साथ भूमिकाएं बदल लेंगी, ताकि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत को शर्मिंदा न होना पड़े। सुश्री स्वराज ने एक खबरिया चैनल के कार्यक्रम में अमेरिका में श्री गांधी की ओर से की गयीं टिप्पणियों, कोलकाता में एक प्रशिक्षु डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या, दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में सुश्री आतिशी मार्लेना के नाम की घोषणा सहित तमाम मुद्दे पर खुलकर बातें कीं।

उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार अब तक की सबसे अधिक नारीवादी सरकारों में से एक बताया। इस दौरान जब उनसे सवाल किया गया कि वह किस मौजूदा राजनीतिक नेता के साथ भूमिकाएं बदलना चाहेंगी, तो भाजपा सांसद ने तुरंत लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का नाम लिया। उन्होंने कहा, राहुल गांधी... ताकि जब मैं विदेश जाऊं, तो अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने देश को शर्मिंदा न करूं। सुश्री स्वराज की टिप्पणियों को अमेरिकी यात्रा के दौरान श्री गांधी की कुछ टिप्पणियों पर कटाक्ष के रूप में देखा जा रहा है, जिनकी आलोचना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह सहित भाजपा के अन्य नेताओं ने की है। गौरतलब है कि आरक्षण पर एक सवाल का जवाब देते हुए कांग्रेस नेता ने कहा था, जब भारत एक निष्पक्ष जगह होने पर और भारत एक निष्पक्ष जगह नहीं है, तब हम आरक्षण को खत्म करने के बारे में सोचेंगे।÷ बाद में उन्होंने इस टिप्पणी पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा था कि इसे गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आरक्षण को 50 प्रतिशत की सीमा से आगे ले जाना चाहती है। श्री गांधी ने भारत में धार्मिक स्वतंत्रता के बारे में भी बात की थी। इस दौरान दर्शकों में से एक सिख सदस्य से उसका नाम पूछते हुए, कांग्रेस नेता ने कहा था, लड़ाई इस बारे में है कि क्या उन्हें एक सिख के रूप में भारत में पगड़ी पहनने की अनुमति दी जाएगी या क्या उन्हें एक सिख के रूप में भारत में कड़ा पहनने की अनुमति दी जाएगी या क्या उन्हें एक सिख के रूप में गुरुद्वारे में जाने की अनुमति दी जाएगी। यही लड़ाई है और केवल उनके लिए नहीं, बल्कि सभी धर्मों के लिए है।

पाकिस्तान, कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस का एजेंडा एक : शिवराज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पाकिस्तान, कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस एजेंडा एक हैं और इसलिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी बार-बार राष्ट्र विरोधी बयान देते हैं। श्री चौहान ने यहां केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की 100 दिन की उपलब्धियों का उल्लेख करने के लिए आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा

कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री के अनुच्छेद 370 और 35 ए पर बयान और कांग्रेस एवं नेशनल कॉन्फ्रेंस की आलोचना करते हुए कहा कि विपक्ष के नेता सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक के सबूत मांगते हैं और सेना के बारे में आपत्तिजनक बातें करते हैं। उन्होंने कहा, श्री गांधी ही नहीं, बल्कि कांग्रेस के कई नेता इस तरह की बातें करते हैं, ये बेहद ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

ग्रामीण सेवा वाहनों को इलेक्ट्रिक में कन्वर्जन को मिली मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मौजूदा ग्रामीण सेवा वाहनों को इलेक्ट्रिक विकल्पों में बदलने की मंजूरी दे दी है। मौजूदा

ग्रामीण सेवा वाहनों के 15 साल पूरे होने को हैं और ज़्यादातर ग्रामीण सेवा वाहनों की हालत जर्जर हो चुकी है।

परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा है कि दिल्ली की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बेहतर और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए पुराने ग्रामीण सेवा वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों से बदलकर, हम न केवल प्रदूषण कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं, बल्कि दिल्लीवासियों के लिए यात्रा अनुभव को बेहतर और सुगम बना रहें हैं। ग्रामीण सेवा वाहनों को इलेक्ट्रिक में बदलने के लिए दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। जिनके मुताबिक ग्रामीण सेवा वाहन के मालिक जो नया इलेक्ट्रिक वाहन खरीदना चाहते हैं, वे दिल्ली परिवहन की फ़ेसलेस सेवा के ज़रिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन के लिए आधार जरूरी है। यदि आधार उपलब्ध नहीं है, तो एनरॉलमेंट आईडी का उपयोग किया जा सकता है। इसके साथ ही एक बार आवेदन जमा हो जाने के बाद, पंजीकरण प्राधिकारी सात दिनों के भीतर नो ड्यूज सर्टिफिकेट (एनडीसी) जारी करेंगे। अथॉरिटी यह सुनिश्चित करेगा कि वाहन के साथ कोई कर, जुर्माना या कानूनी समस्या न हो और यह राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) डेटाबेस पर स्पष्ट हो। यदि कोई समस्या पाई जाती है, तो मालिक को सूचित किया जाएगा और उन्हें सात दिनों के भीतर हल करना होगा। एनडीसी प्राप्त करने के बाद, वाहन को 15 दिनों के भीतर अधिकृत स्क्रैपिंग सुविधा में ले जाना होगा। वाहन स्क्रैप होने पर मालिक को जमा प्रमाणपत्र (सीओडी) मिलेगा। एनडीसी और सीओडी के साथ, वाहन मालिक किसी भी अधिकृत डीलर से एक नया इलेक्ट्रिक ग्रामीण सेवा वाहन खरीद सकते हैं। इसके अलावा नया वाहन खरीदने के बाद मालिक को उसके पंजीकरण के लिए आवेदन करना होगा। यह प्रक्रिया भी फेसलेस है और इसमें वाहन निर्माता से एनडीसी, सीओडी, आधार, टैक्स चालान और अन्य दस्तावेजों की आवश्यकता होगी। पंजीकरण प्राधिकारी सभी विवरणों को सत्यापित करेंगे और ग्रामीण सेवा योजना के तहत वाहन के पंजीकरण को अपडेट करेंगे। नए वाहन को पुराने वाहन के समान मार्ग का ही परमिट मिलेगा। गौरतलब है कि ग्रामीण सेवा को वर्ष 2011 में शुरू किया गया था। इनमें ड्राइवर को छोड़कर छह यात्रियों के बैठने की क्षमता होती है। ये वाहन मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों, अनधिकृत और पुनर्वास कॉलोनियों और जेजे समूहों में चलते हैं। वर्तमान में, पूरी दिल्ली में 2,000 से अधिक ग्रामीण सेवा वाहन सर्विस में हैं।

NAME CHANGE
I, HAMZA SALAH S/O SALAHUDDIN KAMAL, R/O 29 - T, JASOLA VIHAR, JASOLA VIHAR, SHAHEEN BAGH METRO STATION, SECTOR - 8, OKHLA, NEW FRIENDS COLONY, SOUTH DELHI, DELHI 110025, have changed my name from HAMZA TO HAMZA SALAH for all future purpose.

Name correction
I, Amandeep Kumar Singh S/o Mahinder Ram, Present Address 274 Transit Camp Saket, Gate No. 4, South Delhi, Delhi-110062, and Permanent House No. 45, Village Mainwan, Wadala Kalan, Po: Wadala Kalan, Dist: kapurthala, Punjab-144601, Declare that Amandeep Kumar Singh and Amandeep Kumar both are one and same person.

NAME CHANGE
I, PINKY KUMARI wife of SHAILESH KUMAR R/O VPO-FARDA, DIST-MUNGER, BIHAR-811201 have changed my name from PINKY KUMARI to PINKI KUMARI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Ashok Kumar kanojia S/o-Govind Ram Kanojia R/o H No J 3/18 DDA Flats Kalkaji Delhi -110019 have changed my name from Ashok Kumar kanojia to Ashok Kanojia for all future purposes.

नाम परिवर्तन
मैं, राहुल पुत्र विजय कुमार निवासी 781, सुई वालान, दरिया गंज, नई दिल्ली-110002 ने अपना नाम राहुल से बदलकर राहुल कुमार कर लिया है, इसलिए मेरा नाम भविष्य में सभी प्रयोजनों के लिए राहुल कुमार के रूप में जाना जाना चाहिए।

NAME CHANGE
I, Nisha Gahlot / Nisha W/o Maninder Singh R/o C2/101,10th Floor, Sobha City,Sector-108,Gurgaon-122017, Haryana,Have Changed My Name To Nisha Dhankar For All Future Purpose

NAME CHANGE
I HITHERTO KNOWN AS KAMLESH W/O SURENDER SINGH R/O Hno -135 BULLA COLONY, KANJHAWALA, DELHI-110081 HAVE CHANGED MY NAME AND SHALL HEREAFTER BE KNOWN AS KAMLA DEVI .

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Bal Kishan S/O Kaveri, R/O E-365, J.J. COLONY,SHAKUR PUR, North West Delhi, delhi 110034 declare that the name of my has been wrongly written as Bala Krishan in my minor son B. MANISH aged 15 years in his school record, The actual name of mine is BAL KISHAN.

NAME CHANGE
I, POOJADEVI VINOD KAMBLE wife of KAMBLE VINOD BHIMRAO R/o VILL-MOUJE TASGAON, TEH-HATKANANGALE, DIST-KOLHAPUR, MAHARASHTRA-416112 have changed my name from POOJADEVI VINOD KAMBALE to POOJADEVI VINOD KAMBLE for all future purposes vide Affidavit No. 3523/2024 before Executive Magistrate, Hatkanangale, Kolhapur.

NAME CHANGE
I, MOHD KADIR S/o MOHAMMAD HAMID R/o JHUGGI NO-2/8, GROUND FLOOR, SADAR BAZAR, DELHI CANTT, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110010 declare that name of mine and my wife has been wrongly written as KADIR MOHAMMAD and SAINA in my minor daughter ARSHEEN NAAZ aged 17 years in her 10th class education documents . The actual name of mine and my wife are MOHD KADIR and SAINA PRAVEEN, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
MY CLIENT NEELAM W/O LATE VIR SINGH R/O 69 HARI NAGAR ASHRAM, SOUTH DELHI, NEW DELHI-110014, HAVE SEVERED ALL RELATIONS AND DISOWNED HER SON MANISH AND HIS WIFE NEHA FROM HER ALL MOVABLE-IMMOVABLE PROPERTIES DUE TO THEIR MISCONDUCT MY CLIENT SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR THEIR ACTS IN FUTURE.
NADEEM AHMED & MOHD. ADIL
Advocate
CH. NO.370, Lawyers Block
Saket Court, New Delhi-17
MOB.9690430233

NAME CHANGE
I, VAISHALI D/O SANJAY SHARMA residing at RZ-660/314 GALI NO-6 GITANJLI PARK WEST SAGARPUR SOUTH WEST DELHI-110046 have changed my name to VAISHALI SHARMA for all future purpose.

NAME CHANGE
I hitherto known as SUNITA Singh alias Sunita kumari Singh D/O Bansh Gopal Singh, W/O: Nagendra Singh, SE-583-A, Shastri nagar, Near Petrol Pump, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201002 have changed my name and shall hereafter be known as SUNITA SINGH.

सार्वजनिक सूचना
मेरे मुवक्किल श्री प्रकाश, उम्र लगभग 65 वर्ष, पुत्र स्वर्गीय श्री राम लाल और श्रीमती सुशीला पत्नी श्री प्रकाश, दोनों निवासी मकान नंबर 8, गली नंबर 10, बाल्मीकि मोहल्ला, तुगलकाबाद, नई दिल्ली-110044 ने अपने बेटे यानी विकास उर्फ विक्की पुत्र श्री प्रकाश और उनकी पत्नी ज्योति के साथ सभी रिश्ते को उनके दुर्व्यवहार व गलत आचरण के करण अपनी समस्त चल-अचल संपतियों से बेदखल कर संबंध विच्छेद कर लिए हैं। इनके किसी कार्य, लेन-देन व व्यवहार के लिए मेरे मुवक्किल या उसके परिजन जिम्मेदार नहीं होंगे।
NISCHAL SHARMA
101, CENTRAL MARKET DAKSHIN PURI NEW DELHI-110062

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, LAKSHMAN YADAV S/O TEJ BAHADUR R/O H.No- 140/1, GALI No -08, CHANDER VIHAR, MANDAWALI, FAZALPIR, EAST DELHI, DELHI- 110092 Declare that name of mine has been wrongly written as LAXMAN in my minor son DEV YADAV aged 13 year in his School Records. The actual name of mine is LAKSHMAN YADAV. Respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I MANOHAR LAL S/O KALU RAM R/O C-6/293, SULTANPURI, DELHI-110086, DECLARE THAT THE NAME OF MINE HAS BEEN WRONGLY WRITTEN AS ???OHAR IN MY MINOR DAUGHTER GUNJAN AGED 15 YEARS IN HER SCHOOL RECORDS, THE ACTUAL NAME OF MINE IS MANOHAR LAL ,WHICH MAY BE AMENDED ACCORDINGLY

PUBLIC NOTICE
Mr. Gaurav Gupta and Mrs. Alka Gupta Owner of the Residential plot no 325,"B" , Block no C-1, measuring 175.75 Sq. Mtrs., situated in the residential colony Known as Palam Vihar in and around village Chauma and carterpuri teh and Distt. Gurugram (Haryana), Mr. Gaurav Gupta and Mrs. Alka Gupta have lost Original Agreement cum allotment issued by M/s Ansal Properties and Industries Limited in favour of Mr. Manoj Pant, for which complaint lodged to the police. That any person(s)/ Appropriate authority etc. if finds the misplaced Agreement cum allotment aforesaid said person may come forward and inform the undersigned within 15 days from the date of Publication.
RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Office Address: 43B, Third Floor, Paparganj Village, Mayur Vihar Phase-I, Delhi, M-NO- 7252922875

NAME CHANGE
I, Maninder Singh Gahlot S/o Rajbir Singh R/o C2/101,10th Floor,Sobha City, Sector-108,Gurgaon-122017, Haryana, Have Changed My Name To Maninder Singh For All Future Purpose

PUBLIC NOTICE
BE IT KNOWN TO PUBLIC IN GENERAL THAT GRAND MOTHER OF MY CLIENTS YOGESH CHOWDHARY ANDSANDEEP CHOWDHARY BOTH S/O RAKESH KUMAR CHOWDHARY R/O 487, CHIRAG DELHI, NEW DELHI-110017 HAS EXPIRED ON 12.11.2022 DURING HIS LIFETIME SAID SMT. DEVI HAS EXECUTED A WILL DULY REGISTERED WITH OFFICE OF THE SUB REGISTRAR CONCERNED BEARING REGISTRATION NO. 1537, BOOK NO. III, VOL. NO. 20, PAGE NO. 78-79 DATED 04.10.2006 IN RESPECT OF HER SHARE OF AGRICULTURE LAND UNDER KHATA / KHATONI NO. 26/24 MIN KHASRA NO. 11/9 (4-16), 11/10/1 (2-10) 11/12/1 (0-18), KHATA NO. 16/15 MIN KHASRA NO. 11/10/2 (1-15) KHATA NO. 33/30 MIN KHASRA NO. 11/8(4-16), 11/13/1(3-04) OF VILLAGE TATESAR DELHI TOTAL ADMEASURING 17 BIGHAS 19 BISWAS SITUATED IN THE REVENUE ESTATE OF VILLAGE TATESAR, DELHI- 110081 IN FAVOUR OF HIS SONS MY CLIENTS.
ANY PERSON HAVING ANY RIGHT OR INTEREST BY WAY OF INHERITANCE, MORTGAGE, POSSESSION, SALE, GIFT, LEASE, LIEN, CHARGE, TRUST, MAINTENANCE, EASEMENT, TRANSFER, PRIOR AGREEMENT OR OTHERWISE UPON THE SAID PROPERTY OR ANY PART THEREOF, CONTACT ON ABOVE MENTIONED ADDRESS WITHIN 14 DAYS FROM THE DATE OF PUBLICATION HEREOF TOGETHER WITH COPIES OF ALL DOCUMENTS ON THE BASIS OF WHICH CLAIMS ARE MADE, FAILING WHICH ANY SUCH RIGHT, TITLE, INTEREST, OR CLAIM, IF ANY WILL BE DEEMED TO HAVE BEEN WAIVED AND NOT BINDING ON OUR CLIENTS, AND MAY PROCEED TO CONCLUDE THE MUTATION PROCEEDING WITHOUT REFERENCE TO THE SAME, IF ANY.
MOHIT Adv.

प्रधानमंत्री मोदी 25 सितंबर को गोहाना में करेंगे चुनावी रैली

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेन्द्र मोदी का कार्यक्रम बदल गया है। पहले प्रधानमंत्री मोदी को 26 सितंबर को सोनीपत के राई स्थित राजीव गांधी एजुकेशन सिटी में रैली को संबोधित करना था। इसके लिए भाजपा की हरियाणा इकाई तैयारियां कर चुकी थी। अब यह रैली 26 के बजाए 25 सितंबर को होगी। अब भाजपा 25 सितंबर को हरियाणा की धरती पर प्रधानमंत्री को बुलाकर दो बड़े नेताओं के माध्यम से हरियाणा में एक साथ कई जातियों को साधने का काम करेगी। दरअसल, 25 सितंबर को पूर्व उपप्रधानमंत्री ताऊ देवीलाल का जन्म दिन सम्मान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय का भी जन्म दिवस होता है। हरियाणा में पूर्व सरकारों के समय में ताऊ देवीलाल के नाम पर ढेरों योजनाएं चलाई गई। पिछले दस वर्षों में भाजपा के कार्यकाल के दौरान हरियाणा समेत पूरे देश में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर कई योजनाएं चलाई गई। अब यह रैली गोहाना में रोहतक-पानीपत हाईवे के बाईपास के पास हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की खाली जगह में होगी। लोकसभा चुनाव में भी प्रधानमंत्री मोदी ने इसी जगह रैली को संबोधित किया था।

जातिगत टिप्पणी के बाद हरियाणा में चुनाव प्रचार से दूर हुई कुमारी सैलजा

चंडीगढ़। हरियाणा में विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार ने जोर पकड़ लिया है लेकिन प्रचार से सांसद कुमारी सैलजा की दूरी बनाए रखने से कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए मुसीबत बढ़ गई है। कांग्रेस के एक समर्थक की जातिगत टिप्पणी करने का मामला तूल पकड़ गया। इसे लेकर कुमारी सैलजा नाराज बताई जा रही हैं। पूर्व केन्द्रीय मंत्री व कांग्रेस नेता कुमारी सैलजा पिछले करीब पांच दिन से कांग्रेस के मुख्य दृश्य से गायब हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पार्टी का घोषणा पत्र जारी किए जाने के दौरान भी कुमारी सैलजा मौजूद नहीं थी। हरियाणा में टिकट वितरण के दौरान से ही कांग्रेस की गुटबाजी बढ़ी हुई है। टिकट वितरण के दौरान कुमारी सैलजा के केवल दस समर्थकों को टिकट दिए गए जबकि हुड्डा समर्थक 74 प्रत्याशियों को मैदान में उतारा गया है। सैलजा की चुप्पी से हुड्डा खेमे में खलबली मची हुई है, क्योंकि उनकी चुप्पी का कांग्रेस को नुकसान उठाना पड़ सकता है और हुड्डा खेमे को सत्ता पाने की चाहत से दूर कर सकता है। हरियाणा में कुमारी सैलजा अनुसूचित जाति से आती हैं और वह हरियाणा में कांग्रेस का बड़ा दलित चेहरा हैं। हरियाणा में 17 आरक्षित सीटें हैं। इसके अलावा सिरसा और फतेहाबाद की विधानसभा सीटों पर भी सैलजा का प्रभाव है। ऐसे में करीब 21 विधानसभा सीटें हैं, जहां कुमारी सैलजा प्रभाव रखती हैं। हरियाणा में 12 सितंबर को नामांकन के अंतिम दिन कांग्रेस ने उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी की थी।

भाजपा झूठे वादे नहीं करती, पार्टी की कथनी व करनी में कोई अंतर नहीं : रणबीर गंगवा

हिसार। बरवाला विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी रणबीर गंगवा ने कहा है कि प्रदेश में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने जा रही है। सरकार बनते ही सभी महिलाओं को लाडो लक्ष्मी योजना के तहत हर महीने 2100 रुपए दिए जाएंगे। इसके अलावा भाजपा हर घर गृहणी योजना तहत 500 रुपए में गैस सिलेंडर तथा अव्वल बालिका योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र में कॉलेज जाने वाली प्रत्येक छात्रा को स्कूटर देगी।

रणबीर गंगवा ढाणी खान बहादुर, ढाणी गारण, पंघाल, ढाणी मिरदाद व बरवाला के शहरी इलाकों में जनसंपर्क अभियान के दौरान लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह पक्की लकीर की तरह है कि जो वायदा भाजपा करती है उसे पूरा अवश्य किया जाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर चिरायु-आयुष्मान योजना के तहत प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज एवं परिवार के 70 वर्ष से अधिक प्रत्येक बुजुर्ग को अलग से 5 लाख तक के मुफ्त इलाज की सुविधा देंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसान हितेषी सरकार रही है।

फरीदाबाद पुलिस ने अर्द्धसैनिक बलों के साथ निकाला फ्लैग मार्च

फरीदाबाद। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आज फरीदाबाद पुलिस ने एसीपी विष्णु प्रसाद के नेतृत्व में अर्धसैनिक बलों के साथ मिलकर फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य आमजन द्वारा अपने मताधिकार का स्वतंत्र, निष्पक्ष एव शांतिपूर्ण तरीके से प्रयोग करने के लिए आस्वस्त करना और वहीं अपराधियों मे भय पैदा करना है ताकि चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था बनी रहे और आमजन निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि फरीदाबाद पुलिस द्वारा अलग-अलग स्थान पर फ्लैग मार्च निकालकर आमजन को शांतिपूर्ण मतदान के लिए लगातार प्रेरित किया जा रहा है। एसीपी विष्णु के नेतृत्व में पुलिस ने सेक्टर 16 क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकालकर आमजन को चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा भाईचारे की भावना को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया ताकि चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करवाए जा सके और कानून व्यवस्था पूरी तरह कायम रहे।

भाजपा संकल्प पत्र हर हरियाणवीं की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला : पीयूष गोयल

एजेंसी

गुरुग्राम। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भाजपा प्रत्याशी मुकेश शर्मा के समर्थन में देर सायं सर्वव्यापारी सभा को संबोधित किया। उन्होंने गुरुग्राम के विकास और तरक्की के लिए मुकेश पहलवान को जिताने की अपील की। गोयल ने कहा कि हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी और मुकेश शर्मा सीएम नायब सैनी के नेतृत्व में समाज की सेवा करेंगे और गुरुग्राम के उज्जवल भविष्य के लिए काम करेंगे। इस मौके पर उन्होंने कांग्रेस पर भी हमला बोला। गोयल ने कहा कि कांग्रेस बड़े-बड़े वादे कर गुमराह करने में एक्सपर्ट है। उन्होंने भाजपा के संकल्प पत्र को हर हरियाणवीं की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बताया। सभा में पीयूष गोयल ने मोदी और नायब सरकार की उपलब्धियां भी गिनवाई।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी झूठ और धोखाबाजी से लोगों

को भ्रमित करती है। हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना में लोगों ने कांग्रेस को जिताया और आज कांग्रेस को भुगत रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की गारंटी झूठ का पुलिंदा है जो कभी पूरा होने वाली नहीं है। गोयल ने कहा कि मोदी जी वादा करते हैं, उन्हें गारंटी के साथ पूरा करते हैं। देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त में राशन मिल रहा है। आयुष्मान और चिरायु कार्ड के जरिए गरीब लोगों का 5 लाख रुपये तक इलाज हो रहा है। पीएम मोदी ने 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के लिए भी 5 लाख रुपये तक के इलाज की गारंटी दी है। पीयूष गोयल ने कहा कि भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में हर वर्ग को लाभान्वित किया है। महिलाओं को प्रति माह 2100 रुपये देने की गारंटी दी है। 500 रुपये में गैस सिलेंडर, नए शहर बसाकर 50 हजार हरियाणा के युवाओं को नौकरी देने का वादा किया है। उन्होंने कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में खटाखट खटाखट 8500 रुपये का लालच देकर वोट बटोरा। संविधान और आरक्षण को भाजपा से खतरा बताकर मतदाताओं को गुमराह किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने 10 साल में बिना पर्ची और बिना खर्ची के युवाओं को नौकरी दी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसानों की सभी फसलों को एमएसपी पर खरीदने की गारंटी है। कांग्रेस को चैलेंज करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि कांग्रेस में दम है तो हिमाचल और तेलंगाना में किसानों की फसलों को एमएसपी पर खरीदकर दिखाए। उन्होंने कहा कि भाजपा हर वर्ग की चिंता करने वाली पार्टी है, समाज को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। पीयूष गोयल ने कहा कि गुरुग्राम में अच्छी सुविधाएं, अच्छे इंफ्रास्ट्रक्चर, बेहतर सड़कों के नेटवर्क के लिए मुकेश शर्मा को जिताकर विधानसभा में भेजने का काम करें।

जिला अध्यक्ष कमल यादव, गुरुग्राम से भाजपा प्रत्याशी मुकेश शर्मा, व्यापारियों और कार्यकर्ताओं ने सभा में पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का स्वागत किया। मुकेश शर्मा ने भी सभी लोगों से समर्थन मांगा और वादा किया कि वे गुरुग्राम की तरक्की के लिए दिनरात काम करेंगे।

शहर को विकसित व सुंदर बनाना ही संकल्प : डॉ. कमल गुप्ता

हिसार। भाजपा उम्मीदवार डॉ. कमल गुप्ता ने कहा है कि शहर का पूर्ण विकास उनका सपना है। यह उनका संकल्प है और जुनून भी है। शहर को देश का सबसे सुंदर व विकसित शहर बने यह सपना शहरवासियों के सहयोग से अवश्य ही पूरा होगा। डॉ. कमल गुप्ता शहर के विभिन्न क्षेत्रों में चुनाव प्रचार के दौरान आयोजित सभाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दलीप जांगड़ा, सुभाष बंसल, डॉ. जीएस मान, डॉ. कमल किशोर, मनोज खारियावाला, डॉ. रविंद्र गुप्ता, डॉ. अजय सिंह, चरणजीत सिंह व अशोक आदि के आवास व प्रतिष्ठानों पर आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया और वोट की अपील की। डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि हिसार का विकास उनकी प्राथमिकता है। हिसार के विकास के लिए पिछले 10 सालों में अनेकों कार्य किए गए हैं, जिसके चलते आज पूरे प्रदेश में हिसार की एक अलग पहचान बन चुकी है। नगर के चिकित्सकों ने भी भाजपा प्रत्याशी डॉ. कमल गुप्ता के समर्थन में उतरते हुए चुनाव प्रचार अभियान चलाया।

कांग्रेस के पास विजन नहीं झूठ का पिटारा है: नायब सैनी

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की सियासत में गर्मी बढ़ती जा रही है। कांग्रेस और बीजेपी के बीच तीखी जुबानी जंग छिड़ी हुई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोनीपत के गन्नौर विधान सभा क्षेत्र के गांव दातौली कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी अब बूढ़ी हो चुकी है। उसे राम नाम का जप करना चाहिए।

भाजपा देवेंद्र कौशिक के समर्थन में रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सैनी ने भूपेंद्र हुड्डा के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा, हुड्डा सरकार के कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार और दंगों को कोई नहीं भूला है। कांग्रेस ने झूठ का पिटारा खोल दिया है।मुख्यमंत्री सैनी ने भरोसा जताया कि बीजेपी तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि

पार्टी में कोई बगावत नहीं है, और पीएम मोदी व बीजेपी आलाकमान द्वारा भेजे अधिकृत उम्मीदवार देवेंद्र कौशिक हैं, धोखे में ना रहे कि दूसरा कोई चुनाव जीतेगा तो भाजपा में जाएगा या कांग्रेस की गोद में जाकर बैठेगा। धोखा छलावा है भाजपा के अपने उम्मीदवार देवेंद्र कौशिक है। इनको आपने जीत दिलानीहै। बीजेपी के घोषणापत्र को लेकर सीएम सैनी ने कहा कि विजय संकल्प पत्र ऐतिहासिक है और इसमें किए गए सभी वादों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 1 लाख 35 हजार लोगों के सुझावों के आधार पर यह घोषणापत्र तैयार किया गया है। कांग्रेस के घोषणापत्र को झूठ का पिटाराबताते हुए सैनी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस हमेशा जनता से झूठ बोलती आई है। उन्होंने गन्नौर से कांग्रेस के उम्मीदवार कुलदीप शर्मा पर भी निशाना साधा और कहा कि अब उन्हें राजनीति छोड़कर रामनाम जपना चाहिए।

इस मौके पर पूर्व सांसद रमेश कौशिक, विधायक निर्मल चौधरी, जिला अध्यक्ष जसबीर दोदुआ, आजाद नेहरा, निशांत छौक्कर, नपा अध्यक्ष अरुण त्यागी, नीरज ठरु, विकास त्यागी आिद शमाल रहे। दातौली के पूर्व सरपंच लोकेश ने समाज व पूरे खादर क्षेत्र की ओर मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

उपायुक्त व जिला पुलिस कप्तान ने कोसली विधानसभा क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

एजेंसी

रेवाड़ी। विधानसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अभिषेक मीणा ने जिला पुलिस कप्तान गौरव राजपुरोहित के साथ गुरूवार को कोसली विधानसभा क्षेत्र के वल्नरेबल तथा क्रिटिकल गांवों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था तथा जरूरी प्रबंधों का निरीक्षण किया। कोसली विधानसभा क्षेत्र में गुरावड़ा, पाल्हावास, भाखली, लाला, बाबडोली, लुखी तथा गांव छव्वा का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक मीणा ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों व कर्मचारियों को पूरी सतर्कता व चौकसी के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विधानसभा आम चुनाव के मद्देनजर संदिग्ध वाहनों व व्यक्तियों की गहनता से जांच की जाए। पुलिस अधीक्षक गौरव राजपुरोहित ने कहा कि जिला रेवाड़ी में 20 से अधिक नाके लगाए गए हैं। इनमें 9 इंटरस्टेट नाका पर भी अधिकारियों की मौजूदगी में पुलिस के जवानों द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है ताकि कोई भी चुनाव को

प्रभावित न कर सके। उन्होंने कहा कि प्रलोभन देकर वोट हासिल करने तथा पैसे, शराब या अन्य किसी भी वस्तु के चुनाव में गैर कानूनी इस्तेमाल करने वाले पर पैनी नजर बनाए रखें। निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन द्वारा जरूरी कदम उठाए गए हैं। इस मौके पर डीएसपी कोसली विद्यानन्द सहित प्रबंधक थाना कोसली, जाटूसाना व रोडहाई भी मौजूद रहे।

इनेलो को लड़ा बड़ा झटका, नरवाना से विधायक रहे पिरथी नंबरदार भाजपा की शामिल

एजेंसी

रोहतक। भारतीय जनता पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर दूसरी पार्टियों के नेता लगातार भाजपा में शामिल हो रहे हैं। भी नरवाना में चुनाव के समय इनेलो को तगडा झटका लगा है।

दो बार विधायक रह चुके पिरथी नंबरदार ने इनेलो छोड़ कर भाजपा का दामन थाम लिया।

रोहतक स्थित पार्टी कार्यालय मंगल कमल में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल व प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बडौली, राज्यसभा सांसद सुभाष बराला की उपस्थिति में पिरथी नंबरदार कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा में शामिल हुए। केन्द्रीय मंत्री व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी में शामिल होने वालो को पूरा मान सम्मान देने का आश्वासन दिया। बडौली ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और कार्यकर्ताओं के दम पर ही हम लगातार चुनाव जीतते आ रहे हैं। उन्होंने सभी नए साथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आप सभी लोग

भाजपा प्रत्याशियों को जिताने का काम करें। वहीं पिरथी नंबरदार ने भी प्रदेश अध्यक्ष बडौली और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल को भरोसा देते हुए कहा कि वह और उनके कार्यकर्ता नरवाना में भाजपा प्रत्याशी को प्रचंड बहुमत के साथ जीताकर विधानसभा में भेजेंगे। पिरथी नंबरदार के साथ एससी सेल के जिला अध्यक्ष जगमाल सिंह, संजय कालवन, एएमपी कालवन, सुनील कालवन, विरेंद्र, राजीव शर्मा, सतीश, काला, सुखविन्द्र, बलिन्द्र, अमित, मोनू, पवन, राममेहर भाजपा में शामिल हुए हैं।

जिला अधिकारियों ने उत्तर प्रदेश के अधिकारियों के साथ की वर्चुअल बैठक

एजेंसी

पलवल। जिले में विधानसभा चुनाव-2024 को शांतिपूर्वक व निष्पक्ष करवाने के दृष्टिगत जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने जिला पलवल की सीमा के साथ लगते उत्तर प्रदेश के जिलों अलीगढ, मथुरा और गौतम बुद्ध नगर के डीएम और पुलिस अधिकारियों के साथ वीसी के माध्यम से वर्चुअल बैठक की।

बैठक में डीसी ने जिले में पांच अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर यूपी की सीमा के साथ लगते जिले के नाकों पर विशेष ध्यान रखने को लेकर चर्चा की। वहीं सीमाओं के नाकों पर कड़ी निगरानी रखकर जिले में शराब तस्करी, हथियार व नकदी राशि आदि की रोकथाम करने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में एसपी चंद्रमोहन ने कहा कि जिला पलवल की सीमा लगते उत्तर प्रदेश के जिलों अलीगढ, मथुरा व

गौतमबुद्ध नगर के इनामी अपराधियों के साथ-साथ पीओ व जम्पर की लिस्ट भी सांझा की जाए। इस दौरान उत्तर प्रदेश के अधिकारियों ने जिला पलवल में विधानसभा आम चुनाव को शांति व निष्पक्षता से करवाने को लेकर उनकी तरफ से पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया।

भाजपा ने जो वादे किए उसे पूरा करने का काम किया : बड़ौली

एजेंसी

रोहतक। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 के लिए रोहतक में अपना संकल्प पत्र जारी किया। इस मौके पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा ने 2014 और 2019 के संकल्प पत्रों को पूरी तरह से लागू किया है और नए संकल्प पत्र को भी पूर्ण रूप से लागू करने का वादा किया है। उन्होंने गर्व से कहा कि पिछले 10 वर्षों से हरियाणा में भाजपा की मजबूत सरकार रही है। मोहन लाल बड़ौली ने आगामी चुनावों के बारे में बात करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा हरियाणा में तीसरी बार कमल का फूल खिलाने का काम करेगी। इस दौरान उन्होंने पार्टी की नीतियों और विकास कार्यों पर जोर देते हुए हरियाणा की जनता से समर्थन की अपील की।पंडित मोहन लाल बड़ौली ने विश्वास व्यक्त किया कि हरियाणा में भाजपा की सरकार बनेगी और नायब सिंह सैनी मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। इस कार्यक्रम में भाजपा ने

आगामी चुनावों में जीत का भरोसा जताया और प्रदेश में एक बार फिर से भाजपा सरकार बनाने का संकल्प लिया। उन्होंने प्रदेशवासियों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि भाजपा की सरकार ने पिछले दस वर्षों में हरियाणा में विकास और सुशासन के नए आयाम स्थापित किए हैं, और यह सिलसिला आने वाले वर्षों में भी जारी रहेगा। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, ओमप्रकाश धनखड़, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, राव इंद्रजीत सिंह, कृष्णपाल गुर्जर, राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, कुलदीप बिश्नोई, सुधा यादव, रामचन्द्र जांगड़ा, अशोक तंवर सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

विधानसभा चुनाव की तैयारियां पूरी : डा. मनोज कुमार

एजेंसी

सोनीपत। जिला निर्वाचन अधिकारी और उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और चुनाव शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से कराने के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध है। उन्होंने पत्रकारों से भी मतदाताओं को जागरूक करने का आग्रह किया, ताकि 5 अक्टूबर को होने वाले मतदान में जिले का मतदान प्रतिशत सर्वाधिक हो।

जिले में 12 लाख 13 हजार 119 मतदाता हैं, जिनमें 6 लाख 48 हजार 88 पुरुष और 5 लाख 64 हजार 998 महिलाएं शामिल हैं। सबसे ज्यादा मतदाता सोनीपत विधानसभा में हैं, जबकि सबसे कम मतदाता खरखौदा में हैं। लिंगानुपात 880 तक पहुंच गया है, जिसमें सबसे अधिक सोनीपत में 927 और सबसे कम बरोदा में 854 है। जिले में 31 नए मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिससे कुल संख्या 1291 हो गई है। सबसे ज्यादा मतदान केंद्र सोनीपत विधानसभा में और सबसे कम खरखौदा में हैं। अब तक सी-विजिल एप पर 129 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनका समाधान एक घंटे केभीतर किया गया है। चुनाव के दौरान प्रत्याशियों के खर्च पर नजर रखने के लिए 12 वीएसटी और 6 वीवीटी टीमें गठित की गई हैं। इसके साथ ही, एसएसटी टीमों द्वारा अबतक 31 हजार लीटर अवैध शराब और लगभग 50 लाख अवैध नकदी बरामद की जा चुकी है।

हाईकोर्ट की अवमानना में फंसे हरियाणा के मुख्य सचिव

एजेंसी

चंडीगढ़। कानूनगो से नायब तहसीलदार के पद पर पदोन्नति हेतु विभागीय परीक्षा दो माह में करवाने का दिसंबर में आश्वासन देना हरियाणा के मुख्य सचिव को भारी पड़ गया। हाईकोर्ट ने इसे प्रथम दृष्टया न्यायालय की अवमानना का मामला मानते हुए मुख्य सचिव को कोर्ट में तलब किया है। मुख्य सचिव अपने आश्वासन के अनुरूप यह परीक्षा निर्धारित समय अवधि में नहीं करा पाए हैं।

याचिका दाखिल करते हुए रेशम सिंह ने हाई कोर्ट को बताया कि वह कानूनगो है और 31 मार्च 2024 को रिटायर होने जा रहा है। वह नायब तहसीलदार के तौर पर पदोन्नति के लिए योग्य है, लेकिन हरियाणा सरकार विभागीय परीक्षा आयोजित नहीं करवा रही है। दिसंबर 2023 में हाई कोर्ट ने याचिका का निपटारा करते हुए दो माह में परीक्षा आयोजित करने का आदेश दिया था। इसके बाद याची रिटायर हो गया लेकिन परीक्षा आयोजित नहीं की गई। इसके चलते अवमानना याचिका दाखिल की गई। अवमानना याचिका पर सरकार ने जवाब दाखिल करते हुए बताया कि पहले 18 और 22 मार्च को परीक्षा

का निर्णय लिया गया था लेकिन विभागीय कारणों से परीक्षा आयोजित नहीं की जा सकी। इसके बाद अप्रैल में परीक्षा की तिथि तय की गई, चुनावी ड्यूटी के चलते परीक्षा को स्थगित कर दिया गया। इसके बाद जुलाई के प्रथम सप्ताह में दो चरणों में परीक्षा आयोजित की गई थी।

हाई कोर्ट ने कहा कि इस प्रकार की दलीलें देकर सरकार हाई कोर्ट में दिलाए गए विश्वास को नहीं तोड़ सकती। यह प्रथम दृष्टया न्यायालय की अवमानना का मामला बनता है। याची बिना पदोन्नति पाए रिटायर हो गया, वह भी बिना किसी दोष के। वह पदोन्नति के लिए सभी योग्यता रखता था। उसमें केवल विभागीय परीक्षा पास करने की कमी थी। ऐसे में अगली सुनवाई पर मुख्य सचिव अवमानना के आरोप तय करने के लिए कोर्ट में हाजिर रहेंगे। हाई कोर्ट ने छूट दी कि यदि वह चाहें तो वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये भी शामिल हो सकते हैं।

'8 तारीख को रिजल्ट आने के बाद मेनिफेस्टो को अपने पास रख लेना, जो वादे पूरे होते जाएंगे उन पर टिक लगाते जाना' : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 के लिए अपना 'संकल्प पत्र' जारी किया। 'संकल्प पत्र' का विमोचन भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने किया। इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि आज हरियाणा प्रदेश के लिए बड़ा गर्व का दिन है। हरियाणा के दो करोड़ 80 लाख लोगों की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को हमारी सरकार लगातार पूर्ण कर रही है। संकल्प पत्र में हरियाणा प्रदेश के लोगों की जो अपेक्षाएं हैं भारतीय जनता पार्टी उन पर खरा उतरने का काम करेगी। इस कार्यक्रम में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बड़ौली, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, राव इंद्रजीत सिंह, कृष्णपाल गुर्जर, राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, कुलदीप बिश्नोई, सुधा यादव, रामचन्द्र जांगड़ा, अशोक तंवर सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जो 'संकल्प पत्र' जारी हुआ यह हमारे लिए कोई चुनावी घोषणा पत्र नहीं है। सीएम ने कहा कि भाजपा ने जो कहा है, जो वादे किए उनको पूरा किया है। साल 2014

में भाजपा ने अपने मेनिफेस्टो में जो लगभग 187 संकल्प लिए थे, उनको पूरा करने का काम किया था। साल 2019 के मेनिफेस्टो में भाजपा ने लगभग 265 लोगों से जो सुझाव आए थे, उसके बाद संकल्प लिया था। सभी 265 संकल्पों और अपने वादों को धरातल पर उतारने का काम किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जो वादे करती है उनको पूरा करती है और यही वजह है कि प्रदेश की जनता भाजपा पर भरोसा करती है। लेकिन दूसरी पार्टियों के मेनिफेस्टो उठाकर देखा जाए तो वो महज भ्रामक दिखाई देता है। विपक्षी दलों के मेनिफेस्टो में लुभाने वाले वादे किए जाते हैं।

विपक्षी दल मेनिफेस्टो में जो वादे करते हैं, चुनाव के बाद उनको उठाकर भी नहीं देखते। भारतीय जनता पार्टी जो वादे करती है, उनको पूरा करने का काम करती है।

मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाने के बाद फिसला शेयर बाजार, मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में जमकर बिकवाली

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने के फैसले का असर आज घरेलू शेयर बाजार पर भी नजर आया। भारतीय शेयर बाजार ने आज ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाते हुए कारोबार की शुरुआत की। पहले घंटे के कारोबार में ही सेंसेक्स और निफ्टी खरीदारी के सपोर्ट से मजबूती के एक और नए शिखर पर पहुंचने में सफल रहे, लेकिन बाद में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी ऊपरी स्तर से लुढ़क गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.29 प्रतिशत और निफ्टी 0.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान टेलीकॉम सेक्टर में जबरदस्त बिकवाली हुई, जिसके कारण टेलीकॉम इंडेक्स 3 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया। इसके अलावा आईटी, कैपिटल गुड्स, टेक, फार्मास्यूटिकल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस और मेटल इंडेक्स में भी बिकवाली का दबाव नजर आया। दूसरी ओर, ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज छोटे और मझोले शेयरों में भी लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.06 प्रतिशत टूट कर आज के कारोबार का अंत किया।

पंजाब में बनेंगे लग्जरी कार कंपनी बीएमडब्ल्यू के पार्ट्स

चंडीगढ़। मॉडर्न ऑटोमोटिव्स लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने प्रदेश में निवेश के उद्देश्य से मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान से मुलाकात की और पंजाब में अपने प्रोजेक्ट का विस्तार करने और लग्जरी कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू के अहम पार्ट्स बनाने की इच्छा जताई है। मॉडर्न ऑटोमोटिव्स लिमिटेड के प्रतिनिधि आदित्य गोयल, सुहेल गोयल और मनीष बग्गा ने मुख्यमंत्री मान से मुलाकात की। बैठक के दौरान उन्होंने बताया कि मॉडर्न ऑटोमोटिव्स देश की पहली कंपनी है, जिसे जर्मनी की लग्जरी कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू ए.जी. म्यूनिख द्वारा पिनियन शाफ्ट की डिलीवरी के लिए मंजूरी प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि 150 करोड़ रुपये की लागत वाले 25 लाख यूनिट्स के लिए ऑर्डर की पुष्टि हो चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि विकास और परीक्षण के लिए सैकड़ों करोड़ रुपये के निवेश वाले मॉडल शामिल किए जाएंगे। यह पूरा काम एक ही स्थान पर होगा, जिससे अतिरिक्त उत्पादन इकाइयां जोड़ी जाएंगी और इससे न केवल और अधिक राजस्व आएगा बल्कि रोजगार के कई अवसर भी पैदा होंगे उन्होंने बताया कि निवेश कंपनी को भविष्य की योजनाओं के लिए पूर्ण समर्थन और सहयोग का आश्वासन देते हुए मुख्यमंत्री ने अगले महीने प्लांट की नींव रखने के लिए प्रतिनिधिमंडल के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा कि यह गर्व और संतोष की बात है कि प्रमुख ऑटोमोटिव दिग्गज बीएमडब्ल्यू के पार्ट्स अब प्रदेश में तैयार किए जाएंगे।

डीटीपीए ने की आयकर पोर्टल पर टैक्स ऑडिट फाइलिंग में कठिनाई दूर करने की मांग

कोलकाता। आयकर पोर्टल पर टैक्स ऑडिट फाइलिंग में आ रही दिक्कतों को लेकर डायरेक्ट टैक्स प्रोफेशनल्स एसोसिएशन (डीटीपीए) ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अध्यक्ष को ज्ञापन भेजा है। इसमें कहा गया है कि पिछले कई दिनों से कर पेशेवरों और करदाताओं कों टैक्स ऑडिट पोर्टल पर अपलोड करने में कठिनाइ आ रही है जिसे अति शीघ्र दूर किया जाना चाहिए। डीटीपीए प्रतिनिधित्व समिति के अध्यक्ष नारायण जैन और डीटीपीए की अध्यक्ष बरखा अग्रवाल ने कहा कि टैक्स ऑडिट रिपोर्ट अपलोड करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2024 है। निर्धारित समय सीमा के भीतर सुचारू ऑडिट फाइलिंग के लिए पोर्टल में आ रही समस्याओं को तत्काल दूर किया जाना चाहिए।

स्टार्टअप के साथ मिलकर फूड प्रोसेसिंग को बेहतर बनाने की हो रही कोशिश: चिराग पासवान

नई दिल्ली। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने राजधानी नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 'वर्ल्ड फूड इंडिया 2024' के तीसरे संस्करण के उद्घाटन किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में पासवान ने कहा, 'वर्ल्ड फूड इंडिया 2024' मेगा फूड इवेंट के माध्यम से हम कोशिश कर रहे हैं कि न सिर्फ राष्ट्रीय, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और स्टार्टअप के साथ मिलकर हम फूड प्रोसेसिंग को बेहतर बना सकें। केंद्रीय मंत्री चिराग ने कहा, 2017 में जब हमने पहला 'वर्ल्ड फूड इंडिया का आयोजन किया था, तब हमारा उद्देश्य प्रोसेसिंग इंडस्ट्री को ग्लोबली प्रमोट करना था। इस सोच के साथ हमने 2017 में इसकी शुरुआत की। लेकिन आज जब हम इसका तीसरा एडिशन लेकर आए हैं, हमारा लक्ष्य है कि प्रोसेसिंग इंडस्ट्री से जुड़े सभी साथियों को आसान व्यापार अवसर मिले और हम उनके साथ सहयोग कर सकें। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री ने कहा कि खाद्य एवं प्रसंस्करण क्षेत्र किसानों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और रोजगार सृजन में इस क्षेत्र का बहुत बड़ा योगदान है।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना व चांदी की कीमत में लगातार तीसरे दिन आई कमी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट का रुख नजर आ रहा है। इस कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 74,590 रुपये से लेकर 74,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 68,390 रुपये से लेकर 68,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। हालांकि चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, इस वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी चांदी की कीमत 90,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बनी हुई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 74,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 68,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 74,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 74,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 68,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 74,440 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22

कैरेट सोना 68,240 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 74,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 74,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 68,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 74,490 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 68,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 74,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। शिमला के नेरवा पहुंदेश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरू, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 74,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 68,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एक्सिस बैंक बन सकता है सबसे बड़ा यूपीआई पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर

एजेंसी

नई दिल्ली। यूपीआई पेमेंट सर्विस प्रोवाइड करने के मामले में एक्सिस बैंक देश के सबसे बड़े यूपीआई पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर यस बैंक को पछाड़ने की स्थिति में आ गया है। नेशनल पेमेंट्स कारपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के आंकड़ों के मुताबिक सितंबर के महीने में ही एक्सिस बैंक इस मामले में यस बैंक वह पीछे छोड़ते हुए आगे निकल जाएगा।

एनपीसीआई के आंकड़ों के अनुसार यस बैंक ने अगस्त 2024 में पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर बैंक के रूप में कुल 5.14 अरब ट्रांजैक्शन किया, जबकि इसी अवधि में एक्सिस बैंक ने 5.13 अरब ट्रांजैक्शन किया। हालांकि दोनों बैंकों के बीच का ट्रांजैक्शन गैप पिछले साल अगस्त के महीने में 1.50 अरब का था। यानी 1 साल की अवधि में ट्रांजैक्शन गैप में काफी कमी आ गई है।

यूपीआई पेमेंट सर्विस के लिए यस बैंक और देश के सबसे बड़े यूपीआई सर्विस प्रोवाइडर फोन-पे के बीच सर्विस पार्टनरशिप है। इसी सर्विस पार्टनरशिप की वजह से यस बैंक यूपीआई पेमेंट सर्विस के मामले में अभी तक सबसे बड़ा सर्विस प्रोवाइडर बना हुआ था। लेकिन यस बैंक में पिछले दिनों संकट होने पर फोन पे के ट्रांजैक्शन में भी अड़चन आने लगी थी। ऐसी स्थिति में

एनपीसीआई में सभी यूपीआई एप्स को किसी खास बैंक पर अपने निर्भरता कम करने और कस्टमर के लिए मल्टीपल वर्चुअल पेमेंट ऐड्रेस (एमवीपीए) बनाने का निर्देश दिया था। ऐसा होने पर फोन-पे ने किसी भी संकट की स्थिति को टालने के लिए नई रणनीति बनाते हुए एक्सिस बैंक के साथ भी सर्विस पार्टनरशिप कर ली। बताया जा रहा है कि एक्सिस बैंक ने फोन-पे को यस बैंक की तुलना में ज्यादा पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर फीस देने की बात भी मंजूर कर ली है। ऐसी स्थिति में फोन-पे नए कस्टमर्स को एक्सिस बैंक के गेटवे के साथ जोड़ रहा है?। इसके साथ ही धीरे-धीरे वो यस बैंक के मौजूदा कस्टमर को भी एक्सिस बैंक के प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट कर रहा है। एक्सिस बैंक के तेजी से आगे बढ़ने के पीछे एक बड़ी वजह ये भी है कि एक्सिस बैंक एक साथ कई यूपीआई एप्स के साथ काम कर रहा है। फिलहाल एक्सिस बैंक अमेजॉन पे, गूगल पे, फ्लिपकार्ट यूपीआई जैसे कई यूपीआई एप्स का भी सर्विस पार्टनर है। बताया जा रहा है कि एक से ज्यादा यूपीआई एप्स के साथ मिलकर काम करने के कारण भी एक्सिस बैंक के कारोबार में काफी तेज बढ़ोतरी हुई है। इसी वजह से इसी महीने यूपीआई पेमेंट सर्विस प्रोवाइड करने के मामले में एक्सिस बैंक के अव्वल स्थान पर पहुंच जाने की उम्मीद जताई जा रही है।

आईफोन-16 की बिक्री शुरू, दिल्ली और मुंबई के स्टोर पर लोगों की लंबी लाइन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में आईफोन-16 सीरीज के मोबाइल फोन की बिक्री आज से शुरू हो गई। एप्पल के नई दिल्ली और मुंबई दोनों के आधिकारिक स्टोर सुबह 8 बजे खुल गए। आईफोन-16 खरीदने के लिए लोग नई दिल्ली के साकेत स्थित सेलेक्ट सिटी वॉक में लंबी कतार में खड़े दिखे। एप्पल के स्टोर 11 बजे सुबह खुलते हैं। लेकिन, एप्पल के नए फोन खरीदने के लिए दोनों स्टोर के बाहर लोगों की लंबी लाइन लगी हुई है।

कंपनी ने 9 सितंबर को अपने इस साल के सबसे बड़े इवेंट 'इट्स ग्लोटाइम' में एआई फीचर्स के साथ आईफोन-16 सीरीज लॉन्च किया था। इसमें आईफोन-16, आईफोन-

16 प्लस, आईफोन-16 प्रो और आईफोन-16 प्रो मैक्स शामिल हैं। एप्पल ने 13 सितंबर को इनकी बुकिंग की शुरुआत कर चुकी की है। इसके कस्टमर्स फोन को ऑफिशियल वेबसाइट और ई-कॉमर्स वेबसाइट फ्लिपकार्ट और अमेजन से बुक कर सकते हैं।

भारत में आईफोन-16 की शुरुआती कीमत 79,900 रुपये है, जबकि प्रो मैक्स की कीमत 1,44,900 रुपये है। अमेरिका में यही आईफोन-16 मॉडल 799 डॉलर (67,100 रुपये) और प्रो मैक्स 1199 डॉलर (1,00,692 रुपये) में मिल रहा है। हालांकि, आईफोन-16 सीरीज के मॉडल्स भारत में भी असेंबल हो रहे हैं। लेकिन, प्रो मैक्स मॉडल भारत में अमेरिका के मुकाबले करीब 44 हजार रुपये और आईफोन-16 मॉडल करीब 13 हजार महंगा है।

भारत को विकसित बनाने में बैंकों को निभानी होगी अहम भूमिका: वित्त मंत्री

एजेंसी

पुणे/नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के एजेंडे को आगे बढ़ाने में बैंकिंग क्षेत्र को अहम भूमिका निभानी होगी।

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने महाराष्ट्र के पुणे में बैंक ऑफ महाराष्ट्र के 90वें स्थापना दिवस के अवसर पर अयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने आगे कहा, प्रधानमंत्री की तरफ से निर्धारित एजेंडे को आगे बढ़ाने में बैंकों को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। सीतारमण ने कहा कि आपकी भूमिका से हम इस सपने को हासिल करने में और तेजी लाएंगे। वित्त मंत्री के साथ वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू और बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) निधु सक्सेना भी मौजूद थे। सीतारमण ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के विजन में आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन के प्रमुख स्तंभ हैं। उन्होंने आगे कहा कि बैंकों को प्रधानमंत्री के विजन को आगे बढ़ाने में जिसकी परिकल्पना की गई है, उनमें बुनियादी ढांचे में मजबूत गति प्रदान करना। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को जरूरत के आधार पर फंडिंग की उपलब्धता को सुनिश्चित करना। बैंकिंग सेवाओं से वंचित आबादी को औपचारिक बैंकिंग चैनलों के दायरे में लाना और सभी नागरिकों को बीमा नेट प्रदान करना शामिल है। उन्होंने आगे कहा कि डिजिटल बैंकिंग की विकासशील भारत को आकार देने में अहम भूमिका है। सीतारमण ने कहा कि प्रौद्योगिकी भारत के बैंकिंग परिदृश्य को नया आकार दे रही है।

भारत आतंक वित्तपोषण के खिलाफ लड़ाई में चार जी-20 देशों के विशेष समूह में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक धन शोधन एवं आतंकवाद के वित्तपोषण रोधी निकाय (एफएटीएफ) ने भारत पर अपनी बहुप्रतीक्षित पारस्परिक मूल्यांकन रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में भारत को नियमित अनुवर्ती श्रेणी में रखा गया है, यह एक ऐसा सम्मान है जो इसे केवल चार अन्य जी-20 देशों के साथ प्राप्त है। रिपोर्ट के मुताबिक देश की प्रणालियां 'प्रभावी' हैं लेकिन इन मामलों में अभियोजन को मजबूत करने के लिए 'बड़े सुधार' की जरूरत है। वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के अतिरिक्त सचिव विवेक अग्रवाल ने एफएटीएफ पर जारी इस रिपोर्ट की

जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि इस रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि भारत ने अवैध वित्त से निपटने के उपायों को लागू करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। अग्रवाल ने कहा कि भारत के लिए अपनी पारस्परिक मूल्यांकन रिपोर्ट 'एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद वित्तपोषण विरोधी उपायों' में एफएटीएफ ने इस बात पर जोर दिया है कि भारत ने उसके अनुशंसाओं में तकनीकी अनुपालन का उच्च स्तर हासिल किया है। उल्लेखनीय है कि पेरिस मुख्यालय वाली संस्था एफएटीएफ की 368 पृष्ठों की यह रिपोर्ट जून महीने की पूर्ण बैठक में मूल्यांकन को अपनाए जाने के बाद जारी की गई है। इससे पहले भारत की धन शोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने की व्यवस्था की पिछली समीक्षा 2010 में प्रकाशित हुई थी।

भारतीय निर्यातकों की चुनौतियों के समाधान को सरकार प्रतिबद्ध: पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि केंद्र सरकार विभिन्न मंत्रालयों के सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से भारतीय आयातकों और निर्यातकों के सामने आने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। गोयल ने भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के सचिवों सहित शिपिंग और कार्गो उद्योग के हितधारकों के साथ यहां आयोजित बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कई घोषणाएं कीं। गोयल ने कहा कि निर्यातकों और आयातकों की पोत परिवहन (समद्री परिवहन) क्षेत्र से संबंधित समस्याओं को हल करने के लिए बंदरगाहों पर कुछ शुल्कों को कम करने और 5 अतिरिक्त पुराने कंटेनर जहाजों को खरीदने सहित कई कदम उठाने पर सहमति बनी है। वाणिज?य मंत्री ने कहा कि भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के सचिवों सहित शिपिंग और कार्गो उद्योग के हितधारकों के साथ बैठक का मुख्य उद्देश्य शिपिंग और कार्गो उद्योग में निर्यातकों और आयातकों के मुद्दों को समझना और उनका समाधान करना था।

बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल का 'बीकाजी खाओ लंदन जाओ' गिफ्ट ऑफर लॉन्च

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश के बड़े फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) ब्रांड बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड ने गुरुवार को सभी उपभोक्ताओं के लिए रोमांचक उपहार 'बीकाजी खाओ लंदन जाओ' को लॉन्च किया है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने और नियम और शर्तों को देखने और इसके बारे में अधिक जानकारी हासिल करने के लिए https://www.bikaji.com/bklj-terms-and-conditions पर जाएं।

बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड ने जारी एक बयान में बताया कि कंपनी अपने पहले मेगा कंज्यूमर ऑफर बीकाजी खाओ लंदन जाओ लॉन्च की है। कंपनी का यह राष्ट्रव्यापी अभियान उसके उपभोक्ताओं को हर खरीद पर एक सुनिश्चित उपहार के साथ अविश्वसनीय पुरस्कार जीतने का एक रोमांचक अवसर प्रदान करता है। कंपनी ने कहा कि यह अभियान लाखों लोगों के चेहरे पर मुस्कान और उत्साह लाने के लिए तैयार है।

कंपनी ने अपने इस अभियान की लॉन्चि की घोषणा करते हुए कहा कि आप भी जा सकते हैं अमितजी की पसंदीदा जगह पर, बीकाजी खाओ लंदन जाओ। बिकाजी दे रहा

है हर पैक पे गारंटीड गिफ्ट और लंदन ट्रिप जीतने का मौका! अभी भाग लें! कंपनी के इस ऑफर में कैशबैक और डिस्काउंट वाउचर से लेकर सैमसंग टीवी, टीवीएस जुपिटर स्कूटर जैसे उच्च-स्तरीय पुरस्कारों और लंदन की पूरी तरह से भुगतान की गई यात्रा के कई भव्य पुरस्कारों तक की घोषणा की गई है। इसके प्रमुख उत्पादों में भुजिया, नमकीन, पैकेज्ड मिठाइयां, पापड़ और फ्रोजन फूड्स सहित एक व्यापक पोर्टफोलियो शामिल है। बीकाजी दुनियाभर के स्नैक प्रेमियों को भारत का प्रामाणिक स्वाद लाने के लिए समर्पित है।

बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) मनोज वर्मा ने कहा, बीकाजी में हम हमेशा अपने उपभोक्ताओं को सर्वश्रेष्ठ देने में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल बिक्री बढ़ाने के बारे में नहीं है, बल्कि पूरे भारत में गहरी ब्रांड निष्ठा को बढ़ावा देने और उपभोक्ता जुड़ाव को बढ़ाने के बारे में भी है। उन्होंने कहा कि हमने इसे 360 डिग्री मार्केटिंग पहल के रूप में डिज़ाइन किया है, जो कई प्लेटफ़ॉर्म टेलीविज़न, प्रिंट, डिजिटल और इन-स्टोर एक्टिवेशन पर समग्र जुड़ाव सुनिश्चित करता है।

उल्लेखनीय है कि बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड भारत की तीसरी सबसे बड़ी एथनिक स्नैक्स कंपनी है, जो पारंपरिक भारतीय स्नैक्स और मिठाइयों की रेंज के लिए जानी जाती है। इस कंपनी को 1993 में शिव रतन अग्रवाल ने स्थापित किया था, कंपनी 25 भारतीय राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों में उपस्थिति के साथ एक घरेलू नाम बन गई है। इसके साथ ही ये 25 देशों को निर्यात भी करती है। इसमें उत्तरी अमेरिका, यूरोप, मध्य पूर्व, अफ्रीका और एशिया प्रशांत सहित कई देश शामिल हैं।

सेबी का एक्सिस कैपिटल के खिलाफ बड़ा एक्शन, डेट मार्केट में इनवेस्टमेंट बैंकर के रूप में काम करने पर रोक

एजेंसी

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने एक्सिस कैपिटल के खिलाफ बड़ा एक्शन लेते हुए उसे डेट मार्केट में इन्वेस्टमेंट बैंकर के रूप में काम करने से रोक दिया है। मार्केट रेगुलेटर की ओर से जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि एक्सिस कैपिटल के खिलाफ ये रोक अगले आदेश तक जारी रहेगी।

अपने आदेश में सेबी ने एक्सिस कैपिटल को डेट सेगमेंट में सिक्योरिटीज के किसी भी इश्यू के लिए अंडरराइटर, अरेंजर या मर्चेंट बैंकर के रूप में कोई भी नया काम करने से रोक दिया है। इस संबंध में सेबी ने एक्सिस कैपिटल से 21 दिन के अंदर जवाब देने के लिए भी कहा है।

उल्लेखनीय है कि सेबी के पास शिकायत आई थी कि एक्सिस कैपिटल ने सोजो इन्फोटेल के लिस्टेड नॉन कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) जारी करने में मर्चेंट बैंकर्स द्वारा की जाने वाली एक्टिविटीज से अलग काम किया। आरोप की जांच के बाद सेबी ने आदेश जारी करके कहा है कि एक्सिस कैपिटल ने अंडरराइटिंग की

आड़ में एनसीडी के रिडेम्पशन के लिए गारंटी प्रदान की, जिसे मौजूद रेगुलेटरी फ्रेमवर्क के तहत करने की अनुमति नहीं थी। इस तरह की गतिविधि फाइनेंशियल सिस्टम के लिए जोखिम की स्थिति पैदा करती है, क्योंकि इससे बाजार के व्यवस्थित कामकाज को बाधा पहुंच सकता है। सेबी के आदेश में कहा गया है कि इस रेगुलेशन का उद्देश्य एक मर्चेंट बैंकर को निवेशकों को ऑफर की गई सिक्योरिटीज के अनसब्सक्राइब्ड पोर्शन का सब्सक्रिप्शन लेकर मार्केट रिस्क लेने और शुल्क लगाकर इस प्रकार प्राप्त की गई सिक्योरिटीज का निपटान करने की अनुमति देना है। आदेश में ये भी स्पष्ट किया गया है की सोजो इन्फोटेल के साथ अपने अरेंजमेंट के तहत एक्सिस कैपिटल एनसीडी सब्सक्राइबर्स को क्रेडिट रिस्क कवर उपलब्ध कराके क्रेडिट रिस्क उठा रहा था, जो नियमों का उल्लंघन है।

भारत 2030-31 तक दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर: एसएंडपी रिपोर्ट

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। भारत वित्त वर्ष 2030-31 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल ने जारी अपनी रिपार्ट में यह अनुमान जताया है। एजेंसी ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 6.7 फीसदी की दर से भारतीय अर्थव्यवस्था के बढ़ने का अनुमान है।

रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने जारी 'इंडिया फॉरवर्डः इमर्जिंग पर्सपेक्टिव्स' शीर्षक वाली रिपोर्ट के प्रथम संस्करण में भारत को एक अग्रणी अर्थव्यवस्था के तौर पर दिखाया है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2023-24 में 8.2 फीसदी की शानदार विकास दर के आगे की स्थिति है, जो इस सरकार के 7.2 फीसदी के पूर्वानुमान से अधिक है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत वृद्धि संभावनाओं तथा बेहतर विनियमन के कारण शेयर बाजारों के गतिशील तथा प्रतिस्पर्धी बने रहने का अनुमान है। भारत के प्रमुख उभरते बाजार सूचकांकों में शामिल होने के बाद से भारत सरकार के बॉन्ड में विदेशी निवेश में वृद्धि हुई है।

केंद्र ने फेरो स्क्रैप निगम को 320 करोड़ रुपये में बेचने के प्रस्ताव को दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने फेरो स्क्रैप निगम (एफएसएनएल) को जापान की मेसर्स कोनोइक ट्रांसपोर्ट कंपनी लिमिटेड को 320 करोड़ रुपये में बेचने के प्रस्ताव को अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। सरकार ने मेसर्स कोनोइक ट्रांसपोर्ट कंपनी लिमिटेड को एमएसटीसी की 100 फीसदी सहायक कंपनी एफएसएनएल के विनिवेश के लिए रणनीतिक खरीदार के रूप में मंजूरी दी है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने एफएसएनएल को मेसर्स कोनोइक ट्रांसपोर्ट कंपनी लिमिटेड को बेचने के प्रस?ताव को मंजूरी दे दी है। इस समिति में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और केंद्रीय इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने प्रबंधन नियंत्रण के हस्तांतरण के साथ-साथ फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड में एमएसटीसी लिमिटेड की 100 फीसदी इक्विटी शेयरहोल्डिंग की बिक्री के लिए मेसर्स कोनोइक ट्रांसपोर्ट कंपनी लिमिटेड की 320 करोड़ रुपये की उच्चतम बोली को मंजूरी दी गई है। सरकार को कंपनी के लिए तकनीकी रूप से दो पात्र वित्तीय बोलियां मिली थीं। मंत्रालय ने कहा कि कोनोइक ट्रांसपोर्ट कंपनी लिमिटेड की बोली, लेन-देन सलाहकार और परिसंपत्ति मूल्यांकक द्वारा किए गए मूल्यांकन के आधार पर सरकार द्वारा निर्धारित 262 करोड़ रुपये के आरक्षित मूल्य से ज्यादा थी। कोनोइक ट्रांसपोर्ट कंपनी लिमिटेड द्वारा 320 करोड़ रुपये की बोली लगाई गई, जो दोनों बोलियों में सबसे अधिक और आरक्षित मूल्य से भी ज्यादा थी। दूसरी बोली इंडिक जियो रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड (चंदन स्टील लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी) की थी। सीसीईए ने अक्टूबर, 2016 में फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड में एमएसटीसी लिमिटेड की संपूर्ण इक्विटी शेयरहोल्डिंग के रणनीतिक विनिवेश के लिए 'सैद्धांतिक' मंजूरी दी थी, जिसे दो-चरणीय नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से पहचाने जाने वाले रणनीतिक खरीदार को दिया जाना था।

स्किन के हिसाब से कैसे चुनना चाहिए मॉइस्चराइजर यहां जानें

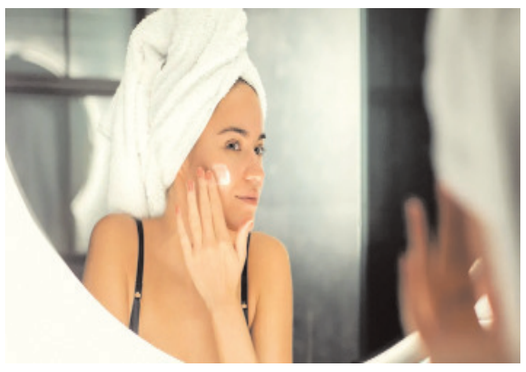

मॉइस्चराइजर हमारी स्किन केयर का एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है.मॉइस्चराइजर का उपयोग स्किन में निखार लेने और नमी प्रदान करने में मदद करता है.लेकिन अपनी स्किन टाइप के मुताबिक ही मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करना चाहिए.तो आइए जानते हैं ड्राई और ऑयली स्किन में किस तरह के मॉइस्चराइजर का उपयोग करना चाहिए.

स्किन पर ग्लो और नमी बरकरार रखने के लिए मॉइस्चराइजर बहुत जरूरी है. ये स्किन में नमी बरकरार रखने और उसे हेल्दी बनाए रखने में मददगार साबित होती है. इसी के साथ ये मॉइस्चराइजर स्किन को हाइड्रेट रखने में मदद मिलती है. ये रूखी और बेजान स्किन को टोन करता है, जिससे चेहरा स्वस्थ और चमकदार दिखता है. बिना मॉइश्चराइजर के स्किन की नमी धीरे-धीरे कम होने लग जाती है, जिससे स्किन रूखी होने लगती है. जिसकी वजह से रेडनेस और खुजली जैसी समस्या हो सकती है.

मॉइश्चराइजर स्किन के लिए सुरक्षा कवच की तरह काम करता है. ये स्किन की बाहरी परत को मजबूत बनाता है. जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, स्किन में कोलेजन और इलास्टिन की मात्रा कम होने लगने लगती है. जिससे झुर्रियां जैसे एजिंग साइन दिखने लगते हैं. स्किन रूखी होने के कारण भी झुर्रियों और फाइन लाइंस जैसी समस्या हो सकती है. मॉइस्चराइजर का रोजाना इस्तेमाल करने से स्किन हाइड्रेट रहती है, जिससे झुर्रियों का प्रभाव कम करने में मदद मिल सकती है. जब त्वचा हाइड्रेट होती है,तो यह स्वस्थ और ताजगी से भरी नजर आती है.

मॉइस्चराइजर का उपयोग करते समय लोग सबसे बड़ी गलती ये करते हैं कि वो ट्रेंडिंग या फिर दूसरों के देखा देखी किसी भी मॉइस्चराइजर का उपयोग करने लग जाते हैं. लेकिन आपको इसका उपयोग हमेशा अपनी स्किन टाइप के मुताबिक ही करना चाहिए. आज हम आपको इस आर्टिकल में बताएंगे कि आपकी स्किन टाइप के मुताबिक किस तरह का मॉइश्चराइजर आपके लिए सही साबित हो सकता है.

नॉर्मल स्किन

डॉ.सौम्या सचदेवा जिन लोगों की स्किन नॉर्मल या कॉम्बिनेशन हैं तो लोग जेल या क्रीम बेस्ड मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल कर सकते हैं. जिससे उनकी स्किन हाइड्रेट तो रहे ही लेकिन स्किन पर चिपचिपापन नहीं महसूस हो और पिंपल्स की भी समस्या कम हो. वो लोग दिन में जेल बेस्ट और रात में क्रीम बेस्ट मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल कर सकते हैं.

ऑयली स्किन

बहुत से लोग ये सोचते हैं कि ऑयली स्किन पर मॉइश्चराइजर का उपयोग नहीं करना चाहिए लेकिन ये गलत है. हल्के,तेल-मुक्त मॉइस्चराइजर का उपयोग करने से तैलीय त्वचा में नमी बनाए रखी जा सकती है. जिन लोगों के स्किन ऑयली होती है. वो लोग लाइट वेट, वॉटरी या जेल बेस्ड मॉइस्चराइजर का उपयोग कर सकते हैं. लेकिन ध्यान रखें ऑयली स्किन को बहुत ज्यादा मॉइस्चराइजर का उपयोग नहीं करना चाहिए.

ड्राई स्किन

जिन लोगों की स्किन ज्यादा ड्राई हैं वो लोग क्रीमी मॉइस्चराइजर का उपयोग कर सकते हैं. साथ ही दिन में 2 से 3 बार इसे लगा सकते हैं.

पहले पहचाने स्किन टाइप

सबसे पहले जरूरी है कि आपको अपना स्किन टाइप पता होना चाहिए. क्योंकि बहुत से लोग ऐसे हैं जिन्हें उनके स्किन टाइप के बारे में ही नहीं पता होता है. ऐसे में वो किसी भी तरह के मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करते हैं. जिससे उनकी स्किन पर कोई खास असर दिखाई नहीं देता है या फिर गलत प्रभाव पड़ सकता है.

दिल्ली के आरएमएल हॉस्पिटल के डर्मेटोलॉजिस्ट डॉक्टर भावुक धीर का कहना है कि स्किन टाइप जानने के लिए अपने चेहरे को साफ पानी से धोएं और इसके बाद कोई क्रीम लगाकर थोड़ी देर के लिए छोड़ दें. अगर क्रीम स्किन में अच्छी तरह से एब्जॉर्ब हो जाए तो ये स्किन ड्राई होने का लक्षण हैं,

आतंक का एक खतरनाक चेहरा

इस विज्ञान के कारण आज दुनिया किस तरह मुठ्ठी में समाई हुई है, यह सभी जानते हैं। अमूमन सभी के हाथों में मोबाइल है। मोबाइल से पहले पेजर का इस्तेमाल बहुतायत में होता था। इसके जरिए लिखित या मौखिक संदेश भेजे जाते थे। बेरुत के हमले में इसी पेजर को माध्यम बनाया गया है। दरअसल हिज़्बुल्लाह अपने लड़ाकों को सुरक्षा कारणों से पेजर इस्तेमाल करने के लिए कहता रहा है।

विश्व की भयावह आतंकी घटनाओं की साक्षी बनी तारीखों में अब एक तारीख 17 सितंबर 2024 भी दर्ज हो गई है। लेबनान की राजधानी बेरुत में मंगलवार, 17 सितंबर को सिलसिलेवार पेजर धमाके हुए, जिसमें नौ लोगों की मौत क़रीब 2800 लोगों के घायल होने की खबर है। मृतकों में दो व्यक्ति हिज़्बुल्लाह के दो सांसदों के बेटे हैं। वहीं घायलों में लेबनान में ईरानी राजदूत मुजतबा अमानी भी शामिल हैं। इस हमले में मौतों का आंकड़ा अतीत की आतंकी घटनाओं से भले कम दिखे, लेकिन इसे भयावहतम घटनाओं में इसलिए रखा जा सकता है क्योंकि जिस तरीके से इसमें आधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल हुआ है, उस बारे में आम इंसान सोच भी नहीं सकता। 11 सितंबर 2001 को जब न्यूयार्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में सीधे दो-दो हवाई जहाज टकरा दिए गए थे, या 2006 में मुंबई की लोकल ट्रेनों में धमाके हुए थे, या 2016 में फ्रांस में बैस्टिल डे का जश्न मना रहे लोगों को 19 टन का मालवाहक ट्रक रौंदते हुए चला गया, या 26 नवंबर, 2008 को मुंबई को चार दिनों तक बंधक बना कर आतंकी हमला हुआ, तब भी लोगों को एकबारगी यकीन नहीं आया था कि आतंकवाद का सामना इस तरह से करना पड़ेगा। आतंकवादी इसी रणनीति पर चलते हैं कि कुछ ऐसा करें, जिनसे आम लोग न केवल दहशत में आ जाएं, बल्कि उनका इंसानियत पर से भरोसा ही उठ जाए।

ऊपर उल्लिखित तमाम हमलों में बंदूक, बम, बारुद का इस्तेमाल हुआ है, लेकिन बेरूत में हुआ हमला इन सबसे भयानक इसलिए कहा जा सकता है कि क्योंकि रोजमर्रा में सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए बनाए गए पेजर को हैक करके लोगों को मारा गया, घायल किया गया। कुछ बरस पहले स्कूलों में निबंध का एक अहम विषय हुआ करता था, विज्ञान अभिशाप है या वरदान। जिसमें विद्यार्थी अक्सर हिरोशिमा और नागासाकी पर गिराए गए अणु बम का उल्लेख करके इस निष्कर्ष पर पहुंचते थे कि अगर हिंसा के लिए विज्ञान का इस्तेमाल किया जाए तो वह अभिशाप बन जाता है। मेरा ख्याल है विज्ञान को अभिशाप बताने की जगह इंसान की नीयत पर विचार करने पर जोर दिया जाना चाहिए। ज्ञान और इंसानियत के विकास का गहरा संबंध है। जब मनुष्य गुफाओं और जंगलों में रहता था, तब दो पत्थरों को रगड़कर उसने आग जलाना सीखा और उन्हीं पत्थरों को नुकीला बनाकर शिकार करने के लिए भी इस्तेमाल किया। लेकिन तब यह सवाल करना बेमानी था कि पत्थर वरदान या है अभिशाप। क्योंकि पत्थर ने आग जलाकर या शिकार करके, दोनों तरीकों से इंसान की मदद ही की। अब अगर इंसान उसी पत्थर का इस्तेमाल दूसरे इंसान को मारने के लिए करे, तो इसमें पत्थर पर नहीं, नीयत पर सवाल उठने चाहिए। आदिम काल में जो उपयोगिता पत्थर की थी, अब विज्ञान की है।इस विज्ञान के कारण आज दुनिया किस तरह मुठ्ठी में समाई हुई है, यह सभी जानते हैं। अमूमन सभी के हाथों में मोबाइल है। मोबाइल से पहले पेजर का इस्तेमाल बहुतायत में होता था। इसके जरिए लिखित या मौखिक संदेश भेजे जाते थे। बेरुत के हमले में इसी पेजर को माध्यम बनाया गया है। दरअसल हिज़्बुल्लाह अपने लड़ाकों को सुरक्षा कारणों से पेजर इस्तेमाल करने के लिए कहता रहा है, क्योंकि मोबाइल के जरिए किसी की लोकेशन का पता करने या मोबाइल हैक करके सारा डेटा चुराने में वक्त नहीं लगता। मोबाइल में विस्फोटक डालकर हत्या भी हो चुकी है। 1996 में हमास नेता याहया अयाश के फोन में 15 ग्राम आरडीएक्स विस्फोटक भरा गया था और जब याहया ने अपने पिता को फोन किया, उसी समय उसमें विस्फोट हो गया था। इस हत्या के पीछे इजरायल का हाथ था। अब एक बार फिर पेजर के जरिए हुए धमाकों के लिए भी इजरायल को ही जिम्मेदार माना जा रहा है, क्योंकि हिज्बुल्लाह लगातार इजरायल की उत्तरी सीमा पर रॉकेट और मिसाइल के हमले कर रहा है। हिज्बुल्लाह ईरान का सहयोगी है और ईरान की इजरायल के साथ दुश्मनी जाहिर है। हालांकि इज़रायल ने अब तक इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है। लेकिन पेजर के जरिए विस्फोट करने का काम मोसाद जैसी अत्याधुनिक तकनीकी से लैस एजेंसी ही कर सकती है, ऐसा माना जा रहा है।पेजर से विस्फोट को अंजाम कैसे दिया गया, इस बारे में अब कई किस्म के अनुमान लगाए जा रहे हैं। कुछ जानकारों का कहना है कि पेजर को हैक करके उसकी बैटरी को बेहद गर्म कर दिया गया हो, जिस वजह से धमाका हुआ हो, वहीं कुछ का मानना है कि जब पेजर खरीदे गए हों, तभी उनमें किसी तरह की गड़बड़ी कर दी गई हो ताकि बाद में एक साथ धमाका हो। खबर है कि कुछ महीने पहले हिज्बुल्लाह ने ताइवान में बने 5000 पेजर के ऑर्डर दिए थे, जानकार मानते हैं कि मोसाद ने उसी समय इन पेजरों में विस्फोटक डाला होगा।

अनुमान है कि इसमें लिथियम ऑयन बैटरी के साथ एक छोटा विस्फोटक छिपाया गया, जिसे बस एक संदेश के जरिये विस्फोट कराया गया।बड़ी खतरनाक और चिंताजनक बात है कि हमला किस तरह हुआ, इसी का पता नहीं लग पा रहा है और जब तरीका पता न चले तो भविष्य में उसकी रोकथाम के इंतजाम किस तरह होंगे। इससे पहले रेडियो, घड़ी, टीवी, मोबाइल जैसी किसे भी उपकरण से हमला किया गया तो उसमें बनाने के दौरान ही गड़बड़ी कर दी गई। इसके अलावा कंप्यूटर या मोबाइल के सॉफ्टवेयर को हैक करके आक्रमण हुए। लेकिन हार्डवेयर यानी पेजर जैसे उपकरणों की सप्लाई चेन पर अगर हमला हुआ है तो इसका मतलब है कि अब आतंकवाद कुछ और गंभीर स्तर पर पहुंच गया है। इजरायल इस हमले की जिम्मेदारी भले न ले, लेकिन दुनिया की तमाम खुफिया एजेंसियां और सरकारें जानती हैं कि मोसाद किस तरह आधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल करता है। हाल ही में हमास के चीफ इस्माइल हानिया की ईरान की राजधानी तेहरान में हत्या हुई थी। तेहरान से 15 सौ किमी दूर इजरायल के एक अनजान ठिकाने से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और सेटेलाइट इमेज के जरिए मोसाद ने इस हत्या को अंजाम दिया था।इजरायल किसी भी तरह हमास के खात्मे में लगा है और इसके लिए अपनी हर हरकत को जायज ठहराता है। गज़ा में जो नरसंहार उसने किया है, वो अकल्पनीय है। अफसोस की बात यह है कि विश्व समुदाय इस अमानवीयता को चुपचाप देख रहा है। वैश्विक पटल पर कोई ऐसा नेता नहीं दिख रहा जो क्षुद्र स्वार्थ से ऊपर उठकर केवल इंसानियत और शांति की बात करे। नोबेल शांति पुरस्कार के आकांक्षी घर से लेकर बाहर तक बहुतेरे हैं, लेकिन उसके लिए कोई प्रयास करता नहीं दिख रहा। इजरायल के ही पेगासस स्पाईवेयर का इस्तेमाल किस तरह राजनैतिक विरोधियों या सरकार के खिलाफ आवाज़ उठाने वालों पर किया गया, यह सब जानते हैं। पेगासस तो मोबाइल को हैक करता है, अब इजरायल ही शायद खुलासा करेगा कि पेजर को हैक कैसे किया गया। गंभीर सवाल यह है कि अगर यह तकनीक दूसरे आतंकी समूहों के हाथ भी लग गई, तब क्या विनाश के सिलसिले को रोकना संभव हो सकेगा।

संपादकीय

महत्वपूर्ण जम्मू-कश्मीर चुनाव का आगाज़

90 सदस्यीय जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव का महत्व इतना ही नहीं है कि यहां पूरे 10 वर्षों के बाद चुनाव हो रहे हैं। इसे विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा खत्म करने के बाद का यह पहला चुनाव भी है। यहां की कश्मीर घाटी में 47 तथा जम्मू सम्भाग में 43 सीटें हैं। इनमें से 24 सीटों पर पहले चरण में बुधवार को मतदान हुआ। बाकी सीटों पर 25 सितम्बर तथा 1 अक्टूबर को होगा। नतीजे 8 अक्टूबर को आएंगे। 9 सीटें अनुसूचित जातियों तथा 7 सीटें अनु. जनजातियों के लिये आरक्षित हैं। केन्द्र सरकार तथा सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी दावा करती रही है कि 370 के हटने से इस राज्य में शांति कायम हुई है और देश की अखंडता मजबूत हुई है। दूसरी ओर विपक्षी दलों के अनुसार लोगों में विशेष राज्य का दर्जा हटाने से बेहद आक्रोश है। यह चुनाव एक तरह से भाजपा की इस राज्य के प्रति तथा अल्पसंख्यकों को लेकर जो नीति है, उस पर भी सहमति या असहमति की मुहर लगायेगा। इस मायने में यह चुनाव बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है।

यहां कांग्रेस फारुख़ व उमर अब्दुल्ला की नेशनल कांफ्रेंस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है। महबूबा मुफ्ती की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने हाथ नहीं मिलाया है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर वह इंडिया गठबन्धन का हिस्सा है। स्थानीय राजनीति की ज़रूरतों के मुताबिक एनसी एवं पीडीपी ने समझौता तो नहीं किया है लेकिन समझा जाता है कि यदि सरकार बनाने के लिये आवश्यकता पड़ी तो उसका बाहरी समर्थन कांग्रेस-एनसी को मिल सकता है। कयास इसलिये लगाये जा रहे हैं क्योंकि वहां भाजपा की हालत पतली बताई जाती है। चुनाव भी वह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण करा रही है। भाजपा से जनता की नाराज़गी की अनेक वजहें हैं। प्रमुख है अनुच्छेद 370 का हटाया जाना। यह आक्रोश केवल मुस्लिम बहुल कश्मीर घाटी में नहीं, बल्कि हिन्दू बहुल जम्मू में भी है। अनेक आंतरिक समस्याओं के बाद भी कश्मीर व जम्मू परस्पर आश्रित रहे हैं। विशेषकर, पर्यटन, धार्मिक यात्राओं तथा व्यवसाय के मामलों में। 370 की समाप्ति से दोनों के बीच जो अलगाव पैदा हुआ वह दोनों हिस्सों के लिये नुकसानदेह रहा है।

कश्मीरी पंडितों की वापसी यहां एक प्रमुख मसला रहा है। 90 के दशक में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी गुटों द्वारा हिन्दुओं के खिलाफ हुए अत्याचारों के कारण यहां से बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडित घाटी छोड़ गये थे। उन्हें शरणार्थी शिविरों में दिल्ली समेत कुछ शहरों में बसाया गया था। जब तक भाजपा विपक्ष में थी, उसने इस मुद्दे पर बहुत शोर मचाया था तथा इसके जरिये ध्रुवीकरण किया था। भाजपा का दावा था कि केन्द्र के प्रशासक की नियुक्ति होने से इन पंडितों की घाटी में वापसी का मार्ग खुलेगा। यह सच है कि कुछ हिन्दू लौटे भी परन्तु फिर से हुई आतंकी घटनाओं ने उन्हें डरा दिया और वे वापस मैदानों में उतर आये। अब भी लौटने वाले पंडितों की संख्या बहुत कम है। केन्द्र ने भी अपने वे सारे अभियान खूंटी में टांग दिये हैं। कश्मीरी पंडितों की वापसी का दावा खोखला साबित हुआ।यह भी प्रचारित किया गया था कि 370 के कारण ही यहां आतंकवाद हुआ है। इसके हट जाने से आतंकवाद समाप्त हो जायेगा। ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। अब भी कश्मीर के अलावा पीर पंजाल के दक्षिणी हिस्से में स्थित राजौरी, पूंछ आदि के इलाकों में अनेक आतंकी घटनाएं हुई हैं। बड़ी संख्या में न केवल सेना व सशस्त्र बलों के जवान एवं अधिकारी मारे गये हैं बल्कि बड़ी आतंकी कार्रवाइयां हुई हैं। सेना उनका मुंहतोड़ जवाब दे रही है लेकिन भाजपा सरकार का यह दावा खोखला साबित हुआ कि 370 के हटते ही आतंकवाद की कमर टूट जायेगी। हाल ही में यहां अपनी चुनावी रैली के भाषण में श्री मोदी द्वारा यह कहना भी लोगों को नागवार गुजरा है कि तीन खानदानों ने कश्मीर को बर्बाद कर दिया। उनका आशय नेहरू, शेख अब्दुल्ला तथा मुफ्ती मुहम्मद सईद के खानदानों से था। इसका जवाब देते हुए उमर अब्दुल्ला ने याद दिलाया कि उनकी अपनी एनसी और पीडीपी के साथ भाजपा अलग-अलग मौकों पर सरकारें बना चुकी हैं। उन्होंने तंज कसा कि भाजपा को जब ज़रूरत पड़ती है तब इन खानदानों में उसे अच्छाइयां नज़र आने लगती हैं वरना इन खानदानों में उसे बुराइयां दिखती हैं।इसके अलावा और भी कई मुद्दे हैं जिन पर कश्मीर को रायशुमारी करनी है। यह कहा गया था कि अनुच्छेद 370 के हटने से यहां उद्योगों तथा व्यवसायों की बहार आ जायेगी।

केरल और चार अन्य गैर-भाजपा राज्यों ने करों में उचित हिस्सेदारी की मांग की

सम्मेलन में पांच गैर-भाजपा शासित राज्यों के वित्त मंत्रियों ने विभाज्य पूल में राज्यों की हिस्सेदारी 41 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने और केंद्र प्रायोजित योजनाओं में %एक ही आकार सभी के लिए उपयुक्त% की केन्द्रीय नीति में संशोधन की मांग की क्योंकि सभी राज्यों की स्थितियां भिन्न हैं

सम्मेलन में पांच गैर-भाजपा शासित राज्यों के वित्त मंत्रियों ने विभाज्य पूल में राज्यों की हिस्सेदारी 41 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने और केंद्र प्रायोजित योजनाओं में %एक ही आकार सभी के लिए उपयुक्त% की केन्द्रीय नीति में संशोधन की मांग की क्योंकि सभी राज्यों की स्थितियां भिन्न हैं । वित्त मंत्रियों ने उपकर और अधिभार पर सीमा लगाने की जोरदार मांग की।एक निर्णायक कदम उठाते हुए, पांच राज्यों के वित्त मंत्रियों के एक सम्मेलन ने केंद्र सरकार द्वारा वसूले जाने वाले उपकर और अधिभार पर सीमा लगाने के अलावा राज्यों को संसाधनों का उचित और न्यायसंगत बंटवारा करने की मांग की है।पिछले सप्ताह तिरुवनंतपुरम में केरल की वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक और पंजाब के वित्त मंत्रियों ने भी भाग लिया। इस सम्मेलन में केंद्र-राज्य राजकोषीय संबंधों में बढ़ते असंतुलन पर गंभीर चिंता व्यक्त की गयी।

सम्मेलन में पांच गैर-भाजपा शासित राज्यों के वित्त मंत्रियों ने विभाज्य पूल में राज्यों की हिस्सेदारी 41 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने और केंद्र प्रायोजित योजनाओं में %एक ही आकार सभी के लिए उपयुक्त% की केन्द्रीय नीति में संशोधन की मांग की क्योंकि सभी राज्यों की स्थितियां भिन्न हैं। वित्त मंत्रियों ने उपकर और अधिभार पर सीमा लगाने की जोरदार मांग की ताकि मा से ऊपर की कोई भी राशि विभाज्य पूल में जाये।सम्मेलन का उद्घाटन करने वाले केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने 16वें वित्त आयोग का ध्यान आकर्षित किया और कहा कि वह अपनी सिफारिशों का मसौदा तैयार करते समय उपकर और अधिभार में बढ़ती प्रवृत्ति को ध्यान में रखे। पिनाराई ने कहा, %पिछले दशक में अधिभार और उपकर में वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गयी है और अब यह संघ के सकल कर राजस्व का पांचवां हिस्सा है। इसका सीधा परिणाम करों के विभाज्य पूल का सिकुड़ना है।%केंद्र सरकार द्वारा एकत्र किये जाने वाले करों में राज्यों के लिए अधिक हिस्सेदारी की मांग %निरंतर प्रासंगिकता% रखती है। संतुलन बनाने की प्रक्रिया में, 16वें वित्त आयोग को कर वितरण के फार्मूले पर निर्णय लेने में अत्यधिक सावधानी बरतनी होगी तथा जरूरतमंद राज्यों को अनुदान वितरित करने के लिए अनुच्छेद 275 के संवैधानिक प्रावधानों का प्रभावी ढंग से उपयोग करना होगा।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए, तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री तथा वित्तमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने वास्तविक संघीय व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए केंद्र-राज्यों के बीच शक्ति संतुलन को पुनः संतुलित करने की मांग की।

तमिलनाडु के वित्त मंत्री थंगमथेन्नारासु ने विभाज्य पूल में राज्यों की हिस्सेदारी 41 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु को लगातार वित्त आयोगों द्वारा बार-बार दंडित किया गया है, तथा नौवें वित्त आयोग के तहत इसकी हिस्सेदारी 7.93 से घटकर 15वें वित्त आयोग के तहत 4.07 प्रतिशत रह गयी है।

कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने 16वें वित्त आयोग से केंद्र सरकार द्वारा लगाये जाने वाले उपकर तथा अधिभार को सकल कर राजस्व के पांच प्रतिशत पर सीमित करने को कहा। इससे ऊपर की कोई भी चीज विभाज्य पूल का हिस्सा बननी चाहिए। यही तमिलनाडु की मांग है।पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने स्वीकार किया कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की शुरूआत एक ऐतिहासिक सुधार था, लेकिन उन्होंने महसूस किया कि इसने राज्यों की वित्तीय स्वायत्तता को गंभीर रूप से कम कर दिया है।सम्मेलन की अध्यक्षता करने वाले केरल के वित्त मंत्री के एन बालगोपाल ने महसूस किया कि सहकारी संघवाद एक बड़े संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह तेजी से %अधीनस्थ संघवाद% या %जबरदस्ती संघवाद% बनता जा रहा है।सम्मेलन में यह आशंका भी व्यक्त की गयी कि लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन से दक्षिणी राज्यों के हितों को नुकसान पहुंचेगा।तेलंगाना ने इसे एक %बढ़ते राजनीतिक खतरे% के रूप में देखा, जिससे लोकसभा में दक्षिणी राज्यों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व कम हो जायेगा। उन्हें यह भी डर था कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण और सामाजिक विकास को प्राथमिकता दी है, उन्हें अनुचित रूप से दंडित किया जा सकता है, जबकि उच्च जनसंख्या वृद्धि वाले राज्यों को लोकसभा में असंगत प्रतिनिधित्व मिल सकता है।कर्नाटक ने तेलंगाना द्वारा व्यक्त की गयी आशंकाओं से खुद को जोड़ा। यदि यह प्रक्रिया आगामी जनगणना पर आधारित है तो संसद में दक्षिणी राज्यों का प्रतिनिधित्व कम हो जायेगा। राज्य के वित्त मंत्री ने कहा कि यह एक अजीब विरोधाभास है कि एक तरफ दक्षिणी राज्यों का आर्थिक योगदान बढ़ रहा है, जबकि दूसरी तरफ इस बात की पूरी संभावना है कि उनका राजनीतिक प्रतिनिधित्व कम हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह अस्वीकार्य है और दक्षिणी राज्यों को पूरी ताकत से इसका विरोध करना चाहिए। दोपहर के सत्र में भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यन ने मुख्य भाषण दिया।

मेडिकल रिप्रजेन्टेटिव सदाबहार कॅरिअर

जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती।

गला काट प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बाजार में टिके रहने के लिए कंपनियां विपणन नीति का सहारा ले रही हैं। इससे दवा कंपनियां भी अछूती नहीं हैं। भूमंडलीकरण ने इस प्रतिस्पर्धा को और बढ़ा दिया है। जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती। लिहाजा इस क्षेत्र में भी रोजगार के बेहतर अवसर खुल रहे हैं।

मेडिकल रिप्रिजेंटिव के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक अभ्यार्थी को विज्ञान स्नातक होना आवश्यक है। लेकिन फार्मेसी में डिग्री और डिप्लोमाधारी अभ्यर्थी को सभी दवा कंपनी प्राथमिकता देती हैं। हालांकि इस क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए डिग्री से ज्यादा धैर्य, लगन तथा वाकपटुता की जरूरत होती है। इसके साथ ही आकर्षक व्यक्तित्व, बातचीत से दूसरे को प्रभावित करने की क्षमता और सकारात्मक सोच का होना भी जरूरी है।

एक मेडिकल रिप्रिजेंटिव यानी एमआर का काम मेडिकल व्यवसाय से जुड़े, व्यवसायियों, चिकित्सकों से संपर्क कर अपनी कंपनी द्वारा उत्पादित दवाओं की गुणवत्ता बताना होता है। उन्हें इस तरह समझाना होता है कि चिकित्सक रोगियों को उन्हीं की कंपनी की दवा लिखे। एक एमआर को अपनी कंपनी की उत्पादित तमाम दवाओं की जानकारी रखना होता है और चिकित्सकों और व्यवसायियों को बताना होता है। यानी वह कंपनी और व्यवसायियों के बीच एक पुल का काम करता है। एक तरह से उसके कंधे पर कंपनी की सफलता की पूरा दारोमदार टिका हुआ है।

एक एमआर को वैतन उसकी योग्यता और कंपनी के स्तर के आधार पर मिलता है। शुरुआत में एक एमआर को 5 से लेकर 15 हजार रुपए तक मिलते हैं। इसके अलावा वाहन, यात्रा भत्ता, हाउसिंग और सुविधाएं अलग से मिलती हैं। देश के कई संस्थानों में मेडिकल प्रशिक्षण और फार्मा मार्केटिंग मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ फार्मेसी और डिप्लोमा इन फॉर्मेसी के कोर्स कराए जाते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं-

- हमदर्द कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मदनगीर, दिल्ली।
- कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, पुष्प विहार, महरौली, दिल्ली।
- महिला पॉलीटेक्निक, महारानीबाग, नई दिल्ली।
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- बॉम्बे कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुंबई, महाराष्ट्र।
- बिहार कॉलेज ऑफ फार्मेसी, अनिसाबाद, पटना, बिहार।

सफलता का आईना हो आपका रिज्यूमे

नौकरी प्राप्त करने का पहला कदम रिज्यूमे प्रेषित करना होता है। आपका रिज्यूमे आपकी सफलता का आईना हो, जिसमें सब कुछ स्पष्ट दिखे। वह केवल आपकी सफलता ही नहीं, बल्कि आपके कार्य-इतिहास के बारे में भी सब कुछ कहे, ताकि नियोक्ता को कहीं कोई शंका न रह जाए।

आज के प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में आपको दूसरों से अलग बनाती हैं आपकी सफलताएं। यहां हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं, ताकि आपके रिज्यूमे में आपकी सफलताएं भली-भांति प्रदर्शित हों। जहां प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा बढ़ चुकी है, वहां केवल योग्यता और कार्यानुभव के दम पर अच्छी नौकरी पाना आसान नहीं है। ऐसे में आपकी छोटी-बड़ी सफलताएं ही हैं, जो आपको अन्य लोगों से आगे रखती हैं। आप किसी कंपनी के लिए कितने तरीके से लाभदायी सिद्ध हो सकते हैं, इस बात को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और इसे बताने के लिए जरूरी है कि आपका रिज्यूमे बेहतरीन तरीके से तैयार किया जाए, जो आपको साधारण आवेदक की श्रेणी से विशेष की श्रेणी में पहुंचाएगा।

उत्तरदायित्वों को पेश करें

अपना रिज्यूमे तैयार करने का एक बढ़िया तरीका है कि आप शब्दों का चयन चतुराई से करें। यहां तक कि जब आप अपने कार्य उत्तरदायित्वों की बात करें तो उन्हें ऐसे पेश करें कि वे आपकी सफलताएं नजर आएं। मिसाल के तौर पर..

पहले- उत्तरी क्षेत्र में सेल्स की जिम्मेदारी।

अब- समूचे उत्तरी क्षेत्र के सेल्स प्रमुख।

देखिए कैसे 'जिम्मेदारी' की जगह 'प्रमुख' क्रिया का इस्तेमाल करते ही रिज्यूमे आपकी जो छवि बनाता है, उसमें कितना अंतर दिखाई देने लगा है। अगर एक रिज्यूमे में सिर्फ आपके उत्तरदायित्वों का ही जिक्र होता है तो किसी भी कंपनी को यह बिल्कुल समझ में नहीं आता कि आप असल में करते क्या थे! साथ में उन्हें बमुश्किल ही पता चल पाता है कि आप उनके लिए क्या कर सकते हैं। इस बात का खास ख्याल रखें कि अपनी रोजमर्रा की जिम्मेदारियों को बताने के लिए दमदार क्रिया-शब्दों जैसे लेड, इनीशिएटेड, स्पीयरहेडेड, कंट्रोल्ड, एक्सेलरेटेड, अटेंड, कॉन्सेप्चुलाइज्ड, कंडक्टेड, डिवाइस्ड, डायरेक्टेड, ड्राफ्टेड, एवजीक्यूटेड, एन्हैन्स्ड, एस्टेब्लिश्ड आदि का इस्तेमाल करें। इन शब्दों के माध्यम से आपकी छवि एक सक्रिय कर्मचारी की बनेगी और कंपनी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जब आप यह कहेंगे कि आपको क्या हासिल हुआ, बजाए इसके कि आप क्या संभालते थे तो आपकी छवि एक उत्तरदायी और पहल करने वाले कर्मचारी के रूप में बनेगी, न कि सिर्फ ऐसे व्यक्ति के रूप में, जो केवल दिया हुआ काम ही पूरा करता है।

जिम्मेदारियों के बारे में बताएं

किसी कंपनी को यह बताना भी बेहद महत्वपूर्ण है कि आप अपने काम को कितने अच्छे तरीके से संभालते हैं। इसके लिए भी आपको 'रिस्पॉन्सिबल फॉर' से कुछ अधिक कहना होगा, जैसे..

पहले- कंपनी में एमआईएस इंटरफेस की जिम्मेदारी।

अब- नए मार्केट्स की तलाश और क्लाइंट्स को बेहतर सेवा देने के लिए एमआईएस के साथ तकनीकी तरक्की के लिए कार्य (इंटरफेस)।

पहले जो रिज्यूमे में लिखा गया है, उससे कंपनी के दिमाग में यह बात स्पष्ट नहीं होती कि आप कितने प्रभावी तरीके से अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे थे, वहीं दूसरे मामले में 'इंटरफेस' शब्द ने आपको एक सक्रिय आवेदक के रूप में प्रस्तुत किया है। इस तरह किसी भी कार्य के साथ जुड़ने ने यह दिखा दिया है कि आपका इसमें क्या योगदान रहा और यही आपकी सफलता भी है। साथ ही इससे कंपनी को यह भी समझ में आ गया कि भविष्य में आप किस प्रकार से उन्हें योगदान दे सकते हैं। दरअसल हम एक बेसिक रिज्यूमे में अपने संपर्क की जानकारी, अपना उद्देश्य, अपने बारे में जानकारी, कार्यानुभव, अतिरिक्त गतिविधियां और दूसरी जानकारी देने में काफी जल्दबाजी करते हैं। हम अक्सर ऐसी जगह आकर रुक जाते हैं, जहां हमें वास्तव में अपनी वर्तमान कंपनी में अपने योगदान का जिक्र करना चाहिए।

एक दमदार रिज्यूमे का मुख्य तत्व 'प्रमाण' होता है। प्रमाण इस बात का कि आपने रिज्यूमे में जो कुछ भी कहा है, आप उसकी इज्जत रखेंगे - और यह प्रमाण आपके वाइटल स्टेटस में होता है, जिसमें तथ्य व आंकड़े या परिणाम दर्शाने वाले कथन होते हैं। ये सब आपके वर्तमान कार्य को दर्शाते हैं व आपको एक सफल व कार्य करने के इच्छुक कर्मी के रूप में साबित करते हैं।

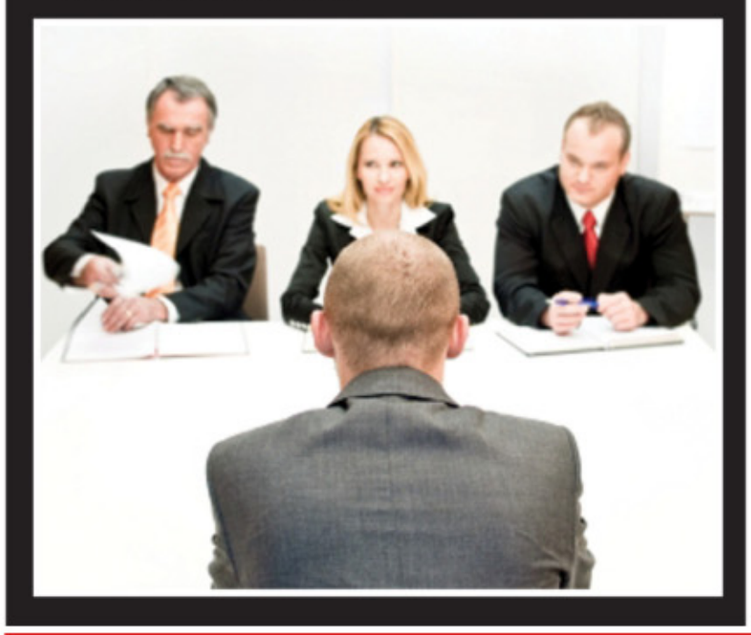

जब भटक जाए करियर प्लान

कॉलेज डिग्री के बाद आप कॉर्पोरेट जगत में अपना प्रोफेशनल जीवन शुरू करते हैं। इसके लिए आप इंटरव्यू की तैयारियां भी पूरे मनोयोग से करते हैं, जहां 'आप पांच वर्ष में खुद को कहा देखते हैं?' जैसे प्रश्नों की आप खास तैयारी करते हैं। लेकिन पांच या दस वर्ष बाद आपकी महत्वाकांक्षाएं कितनी पूरी हो पाती हैं? क्या आप अपनी प्रगति से संतुष्ट होते हैं या आपको लगता कि यदि एक और मौका मिले तो आप अपने प्रयास कुछ अलग तरीके से करना चाहेंगे ? जब करियर लक्ष्य पूरे न हों तो निराशा होनी स्वाभाविक होती है; फिर जरूरी हो जाता है कि आप अपनी मौजूदा स्थिति का आकलन करें और करियर ग्राफ को ऊपर ले जाने के लिए भावी योजना की रूपरेखा एक बार फिर तैयार करें।

निराशा से जूझना - क्या शुरुआत में वह नौकरी आपके हाथ से निकल गई थी जिसे आप सचमुच प्राप्त करना चाहते थे, और क्या आपका मौजूदा कार्य आपको तरक्की करने के पूरे मौके नहीं दे रहा और क्या कोई नया ऑफर भी आपकी ओर नहीं आ रहा, या फिर कई नौकरियां बदलने के बावजूद आप वहां नहीं पहुंच पा रहे जहां पहुंचने की आपने उम्मीद की थी, और इन सबके अलावा अर्थव्यवस्था का कठिन दौर भी आपके खिलाफ जा रहा है?

कई बार आपके सच्चे प्रयासों के बाद भी परिस्थितियां शुरू से ही आपके विपरीत रहती हैं। फिर भी, यहां यह ध्यान रखना होगा कि आप जो रास्ता पार कर चुके हैं, उस पर आप वापस तो नहीं

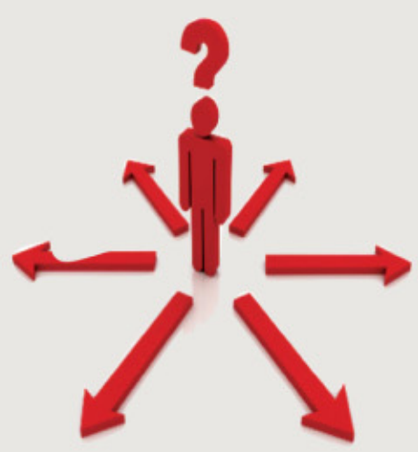

जा सकते, लेकिन भविष्य की तैयारी अपने अनुसार जरूर कर सकते हैं।

पुनःप्रयास - तो यदि आपको लगता है कि आपके करियर चार्ट में कुछ कमी है तो उसका सही **आकलन करें** - क्या यह वह बुनियादी हुनर है जिसकी कमी से आप बड़ी परियोजनाओं का हिस्सा नहीं बन पा रहे हैं या कोई सॉफ्ट स्किल है जो महत्वपूर्ण कार्य संबंधों को आपसे दूर रख रहा है? इसके बाद, उपरोक्त कमियों को दूर करने के लिए जरूरी प्रशिक्षण के बाद की परिस्थितियों का भी आकलन करें। यह भी जरूरी है कि आप अपने करियर के मौजूदा दौर में प्रशिक्षण की महत्ता को समझों।

फोकस बदलें - आपने अपनी सारी ऊर्जा एक ही दिशा में लगा दी थी, परंतु वह आपके काम नहीं आई। तो अब समय आ गया है कि आप आगे बढ़ें और अन्य दिशाओं में अपने प्रयास शुरू कर दें। इसका मतलब करियर की दिशा में परिवर्तन नहीं होता, बल्कि मौजूदा कार्य के साथ नई जिम्मेदारियां उठाना, जिनमें आपको कुछ नए हुनर सीखने की जरूरत हो। याद रखें कई बार विपरीत परिस्थितियों में नए अवसर छुपे होते हैं; एक अदद निराशा को अपने समूचे करियर को नुकसान न पहुंचाने दें।

खुद पर भरोसा - दुविधा के समय अपने निर्णयों पर सवाल करना अक्सर एक प्राकृतिक क्रिया होती है; परंतु जरूरी है कि अपनी सोच और क्षमताओं पर विश्वास डगमगाना नहीं चाहिए। गलत नौकरी या विपरीत परिस्थितियों का शिकार होना ही आपके बारे में नहीं बताता। इसलिए, अपनी जमीन पर जमें रहें।

कैसे पाएं प्रोमोशन

फर्ज करें आपके बॉस, आपके बॉस के बॉस और अन्य कंपनी एग्जीक्यूटिव्स एक साथ बैठकर आपके बारे में विचार कर रहे हों। इस दौरान वह आपके कार्य चरित्र, आपकी लीडरशिप क्वालिटीज, आपके प्रोजेक्ट्स, आपके अधीनस्थों, आपके द्वारा प्राप्त नतीजों और गत वर्ष के दौरान आपकी परफॉरमेंस के बारे में चर्चा करते हैं। यह समिति एक बहुत महत्वपूर्ण नतीजा लेती है- आपको तरक्की मिलनी चाहिए या नहीं ? बेशक आपके संस्थान में इस कार्य से जुड़ा कोई अनौपचारिक तरीका न हो, लेकिन इस तरह की प्रक्रिया कमोबेश प्रत्येक छोटी या बड़ी कंपनी में होती है। दरअसल, इस प्रक्रिया के दौरान कुछ ऐसा होता है- प्रत्येक मैनेजर अपनी पसंद के प्रत्याशी को तरक्की प्राप्त करने के सबसे बड़े उम्मीदवार के तौर पर पेश करता है। उस समय समिति के अन्य सदस्य यह जानना चाहते हैं कि ऐसा क्यों है।

इसलिए ऐसे समय आपको एक ऐसे मैनेजर का सहयोग होना चाहिए जो आपके बारे में सही छवि पेश कर सके। आपके मैनेजर के साथ अन्य ऐसे मैनेजर्स और एग्जीक्यूटिव्ज भी होंगे जिन्होंने आपके साथ काम किया है, वह भी अपने विचार रखेंगे। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि वह आपका सकारात्मक और असरकारी रूप सामने रखें। जाहिर है जब प्रत्येक मैनेजर अपने प्रत्याशी के पक्ष में बात सामने रखेगा, उस समय प्रतिस्पर्धा बहुत सख्त हो जाएगी। प्रत्याशियों की संभावी तरक्की के बारे में अधिकारियों के बीच यह मंत्रणा ईमानदार और कड़वी भी हो सकती है। यदि आपको कोई पसंद नहीं करता, तो वह भी ऐसे समय स्पष्ट हो जाता है। कई बाद हालात उस समय सचमुच बिगड़ जाते हैं जब अपने प्रत्याशी को किसी भी कीमत पर तरक्की दिलाने पर उतारू कोई मैनेजर अन्य प्रत्याशियों की बढ़-चढ़ कर बुराइयां करने लगता है। तो तरक्की पाने का आपका मौका तब अधिक होता है जब आपको -

- हाई परफॉरमेंस रिव्यूज मिले हों।
- आपने दिए गए सभी लक्ष्य प्राप्त कर लिए हों।
- आपने भावी सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने की शुरुआत कर दी हो।
- आपने टीम के कार्य पूरे कर दिए हों।
- कंपनी को बचत करने की विधि बताई हो।
- अतिरिक्त कार्यों की जिम्मेदारी ली हो।
- नए संबंध स्थापित किए हों।
- कार्य के दौरान ज्यादा देर तक काम किया हो।

परंतु कुछ बिंदु आपके खिलाफ भी जा सकते हैं यदि -

- समिति में सब आपको, आपके कार्य और उपलब्धियों से परिचित न हों।
- मंत्रणा के दौरान यदि ज्यादा लोगों ने आपके पक्ष में न बोला हो।
- आप दफ्तर की राजनीति से दूर रहते हों यानी आप समूचे 'खेल का हिस्सा' न हों।
- आपने दिए गए कार्य से अतिरिक्त कुछ और न किया हो।
- यदि नीति निर्धारक आपसे प्रभावित न हों और कम ही लोग आपके पक्ष में बात रख रहे हों।

यदि प्रोमोशन नहीं मिलती तब?

यदि ऐसा होता है तो तुरत-फुरत अपने रिज्यूमे अन्य स्थानों को भेजने न शुरू कर दें। इससे अनुभव लें और अगली बार के लिए तैयार रहें। कुछ उपाय-

बॉस से सही फीडबैक लें

प्रोमोशन से जुड़ी मीटिंग की अधिकाधिक जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करें। आपके बॉस बेशक ऐसे समय कुछ बातें आपको नहीं बताएं, परंतु फिर भी वह बिना नाम लिए जरूरी जानकारी आपको दे सकते हैं।

अपनी कमियों को भी जाहिर करें

रक्षात्मक न बनें। अपनी कमियों को दूर करने के लिए अपने बॉस के साथ काम करें। उदाहरण के लिए, यदि वरिष्ठ समूह कहता है कि आप वित्तीय मामलों में अधिक मजबूत नहीं हैं, तो कहें कि आप इस विषय में प्रशिक्षण लेने को तैयार हैं।

अगली मीटिंग का इंतजार न करें

यह कभी न सोचें कि आपका कार्य अपनी पहचान खुद बनेगा। आपका लक्ष्य होना चाहिए कि मीटिंग रूम में सब को आपकी उपलब्धियों का पहले से पता हो। इसके लिए कंपनी के हित में आपके कार्य के बारे में नीति निर्माताओं को समझाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करें।

तरक्की प्राप्त करने से जुड़े तीन उपाय

चूंकि अब आप जानते हैं कि इस दौरान 'खेल' खेला जाता है, तो प्रोमोशन प्राप्त करने से जुड़े कुछ उपाय जानिए।

बॉस को करें तैयार

इस बात पर ध्यान दें कि आपके बॉस के पास आपकी उपलब्धियों से जुड़ी सभी जानकारी दस्तावेजों के रूप में मौजूद हो।

बॉस को सहयोग दें

ऐसे कुछ बिंदुओं को तैयार करें जो बताएं कि आप क्यों आदर्श प्रत्याशी हैं। इन बिंदुओं के साथ अत्य तथ्यात्मक जानकारी भी दें जो कंपनी के हित से जुड़ी हो। कुछ बड़े ग्राहकों या उपभोक्ताओं से प्राप्त प्रशंसा पत्र आदि भी साथ रखें।

अन्य लोगों की प्रतिक्रियाओं का पूर्वानुमान

अपने सहयोगियों का लाभ लें और विरोधियों द्वारा संभावी नुकसान का आकलन करें। अपने बॉस को यह भी सूचना दें कि आपने मंत्रणा कक्ष में मौजूद लोगों की किस तरह मदद की थी। यदि कुछ विरोधी तत्व आपकी नजर में हैं तो उनकी जानकारी भी बॉस को दें। उनसे आपके बॉस कैसे निपटें, इस पर विचार किया जाना जरूरी होता है।

अप्रेजल का समय आने को है। इसके बहाने आप अपने कार्य की समीक्षा स्वयं भी कर सकते हैं। तो शुरुआत कीजिए इस कार्य की जो आपको इस वर्ष तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ाने जा रहा है। बता रहे हैं जोल गार्फिकल

होने वाले बच्चे के विकास पर असर डालता है सीलिएक रोग

सिलिएक रोग एक अनुवांशिक ऑटोइनयुमिन रोग है, जो बच्चे के विकास को प्रभावित करता है। ऐसे में गर्भावस्था के दौरान यदि महिलाएं हाई फाइबर का सेवन करें और ग्लूटेन खाने से परहेज करें, तो वह अपने होने वाले बच्चे को इस रोग का खतरा कम हो सकता है।

सीलिएक छोटी आंत की बीमारी है या कहा जा सकता है कि यह कुछ खानपान से होने वाली एलर्जी है। जब खाना ग्लूटेन से निकलता है, तो यह आपके पाचन तंत्र को प्रभावित करता है, जिससे पाचन संबंधी समस्याएं होती हैं। सीलिएक रोग एक ऑटोइम्यून रोग है। सीलिएक रोग एक गंभीर रोग है। सीलिएक रोग गर्भवती महिलाओं से उनके होने वाले बच्चे के विकास पर भी असर डालता है। सिलिएक रोग के कारण बच्चे की ग्रोथ रूक जाती है, जैसे बच्चे की लंबाई पर इसका असर देखने को मिलता है। आइए जानते हैं कि क्या है सिलिएक रोग और इसके प्रमुख लक्षण।

क्या है सिलिएक रोग

सिलिएक रोग एक ऑटोइनयुमिन रोग है, जो कि छोटी आंत से जुड़ा रोग है। सीलिएक रोग प्रतिरक्षा प्रणाली की वजह से होने वाली बीमारी है, जो कि ग्लूटेन खाने की वजह से होती है, जिसमें कि शरीर की रोग प्रतिरोधक्षमता अपने ही शरीर के खिलाफ लड़ने लगती है और यह पाचन तंत्र को प्रभावित करती है। यह बीमारी गेहूं, जौ, ओट्स और अन्य साबुत अनाजों से होने वाली बीमारी है, क्योंकि गेहूं, जौ एवं ओट्स में ग्लूटेन नामक प्रोटीन पाया जाता है। सिलिएक रोग व्यक्ति की छोटी आंत को ही नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि कई शारीरिक विकार भी पैदा करता है।

गर्भवती महिलाएं बरतें सावधानियां

सिलिएक रोग के लक्षण

सिलिएक रोग मुख्यत: पेट की समस्याओं से जुड़ा है, लेकिन बच्चों में यह रोग उनके शारीरिक विकास पर भी बाधा डालता है। इस रोग के कुछ मुख्य लक्षण हैं जैसे- कब्ज, दस्त, पेट में दर्द या पेट का फूलना, थकान, सिर दर्द, उल्टी आना, बाल झड़ना या शरीर में निशान व दानें आना। इसके अलावा शरीर का वजन कम होना, हड्डियों की बीमारी, खून की कमी और बार-बार गर्भपात भी हो सकता है।

अपने आहार में अनाज के साथ ही फल और सब्जियों को करें शामिल

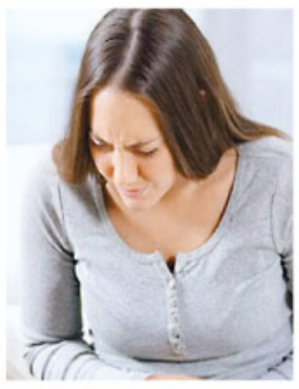

- गर्भावस्था के दौरान यदि महिलाएं यह सावधानी बरतें, तो वह अपने होने वाले बच्चे को सीलिएक रोग से दूर रख, इसके खतरे को कम कर सकती हैं। अध्ययन बताते हैं कि गर्भावस्था के दौरान यदि महिला फाइबर युक्त आहार का सेवन करती है तो वह उसके एवं आने वाले बच्चे के लिए फायदेमंद होता है।
- गर्भवती महिलाओं को गेहूं के आटे के बजाय बेसन का इस्तेमाल करना चाहिए।
- ऐसे में आपको अपने आहार में चावल, मक्का, ज्वार, बाजरा, दूध व दूध से बने उत्पाद और फल-सब्जियों को शामिल करना चाहिए। इससे आप स्वयं व अपने आने वाले बच्चे को सीलिएक रोग से बचाव कर सकते हैं।
- इसके अलावा साबुदाना की खिचड़ी, सिंगाड़े के आटे से बनने वाली रोटी, चिड़वा, मूंग दाल का हलवा और चीला खा सकते हैं, क्योंकि कई बार गर्भावस्था के दौरान कई कुछ खाने का मन होता है, तो आप चटपटी आलू की टिक्की या घर में बनी मावे की मिठाई व हलवा ले सकते हैं।
- अधिकतर प्रोस्टेट फूड्स में गेहूं, जौ या राई शामिल होता है। इसलिए इस पर लगे लेबल को जरूर देखें कि इसमें ग्लूटेन मात्रा शामिल है या नहीं।

इसके अलावा बियर से भी परहेज बरतें, क्योंकि इसमें भी गेहूं, जौ एवं राई शामिल होता है।

रेसिपी

वेजिटेबल फिंगर्स

सामग्री

- आलू: 3 (उबले और मैश किए हुए)
- गाजर: 1/2 कप (बारीक कटी हुई)
- मेथी: 1/4 कप
- बीन्स: 3-4 कप (बारीक कटी)
- नमक: स्वाद के अनुसार
- काली मिर्च: स्वाद के अनुसार
- ब्रेड क्रम्स: 1 कप
- तेल: तलने के लिए

विधि

सभी सामग्री को एक साथ बाउल में मिक्स कर लें और उन्हें फिंगर्स का शेप दें। अब कढ़ाही में तेल डालें और सुनहरा होने तक तल लें। तैयार है वेजिटेबल फिंगर्स।

हांडी पनीर

सामग्री

- पनीर: 200 ग्राम
- अदरक घिसा हुआ
- हल्दी: 1/2 चम्मच
- टमाटर:1
- लाल मिर्च पाउडर: 1/2 चम्मच
- गरम मसाला: 1/2 छोटा चम्मच
- काली मिर्च: चुटकीभर
- पानी: 1/2 कप
- प्याज: 3 बारीक कटे
- दही: 1/2 कप
- धनिया: बारीक कटी
- तेल: आवश्यकता के अनुसार
- नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

हांडी में तेल गर्म होने के लिए रख दें, अब इसमें बारीक कटा प्याज डालकर भुनें। इसके बाद इसमें अदरक, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च, गरम मसाला डाल दें। थोड़ी देर भुनने के बाद इसमें टमाटर, हरी मिर्च डालकर पकाएं। इसके बाद इसमें दही डालें और उसे तब तक सूखने तक चलाते रहें, इसके बाद इसमें नमक और पानी डालकर उबाल आने तक और पकाएं। अब बारी है इसमें पनीर मिक्स करने की। इसके बाद हरी धनिया डाल दें। सबसे बाद में काली मिर्च डालें और तैयार है आपका हांडी पनीर।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-8

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-4-6-8

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुखदायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-7

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-2-4-6

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। स्थान परिवर्तन की संभावना हैं। शुभांक-3-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का योग है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

जीवनसाथी का पगमर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजन का सहयोग काम को बनाना आसान करेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-2-4-6

मकर जे जा जी खी खू खे खो गा गी

परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आय-व्यय को स्थिति समान रहेगी। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेंगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-1-3-5

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। पारिवारिक विवाद टालें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2593

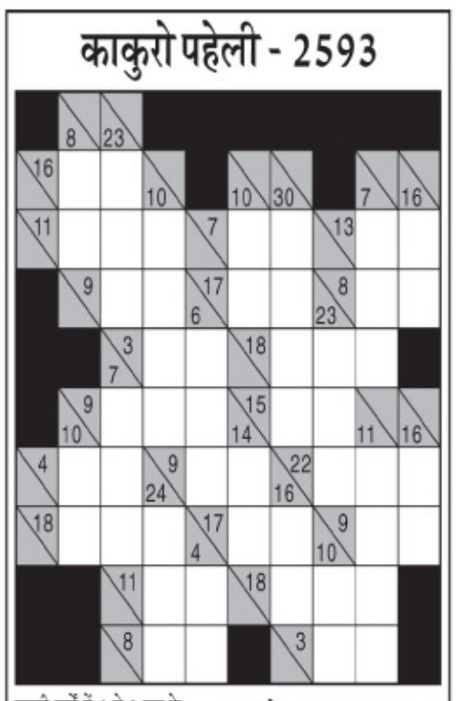

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर, नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 2592 का हल

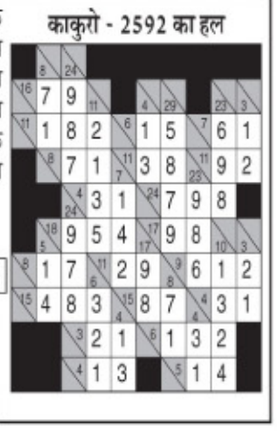

लॉफिंग ज़ोन

कर्नल के नौकर से किसी ने पूछा, 'तुम्हारे कर्नल साहब का मकान एकदम नाले के सामने है. ऊपर से वह छत पर बिना मच्छरदानी लगाए सोते हैं. क्या मच्छर उन्हें काटते नहीं?'

नौकर बोला, 'वो क्या है कि कर्नल साहब शाम को इतनी ज्यादा शराब पी लेते हैं कि आधी रात तक तो मच्छरों के काटने का उन्हें होश ही नहीं रहता.

आधी रात के बाद जब उन्हें होश आता है तब तक मच्छर इतने धुत्त हो चुके होते हैं कि उन्हें काटने का ही होश नहीं रहता.'

☺ ☺ ☺

जज (चोर से)-हां रामदीन, अदालत को बताओ कि तीन दिन से तुम बार-बार सुपर क्लॉथ हाउस का ही ताला क्यों तोड़ रहे थे?

चोर (जज से)-क्या बताऊं हुजूर पहले दिन तो मैं वहां अपनी बीवी के लिए साड़ी चुराने गया था, लेकिन मेरी चुराई साड़ियां उसे पसंद नही आई इसलिए दो दिन मुझे उन साड़ियों को बदलने जाना पड़ा.

☺ ☺ ☺

किरायेदार (मकान मालिक से)-जनाब, यह कैसा कमरा है? छत टपक रही है. कमरा तालाब बनता जा रहा है?

मकान मालिक - भैया, मैंने तो पहले ही बोल दिया था कि हर कमरे में पानी का माकूल इंतजाम है.

फिल्म वर्ग पहेली- 2593

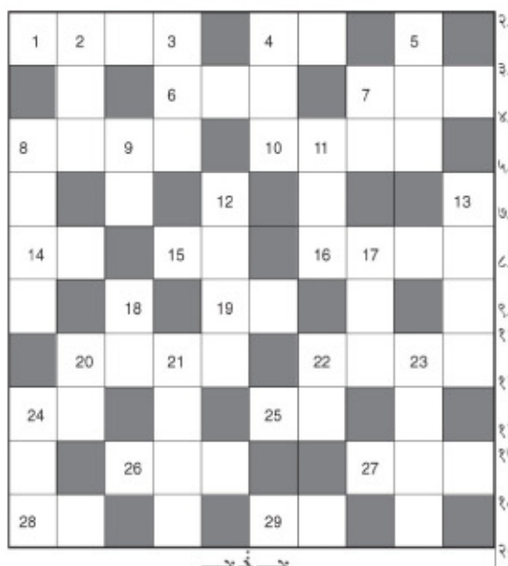

बायें से दायें:-

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारे लाख' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रमा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मौत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2592

सूडोकु -2593

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2592 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

शब्द पहेली - 2593

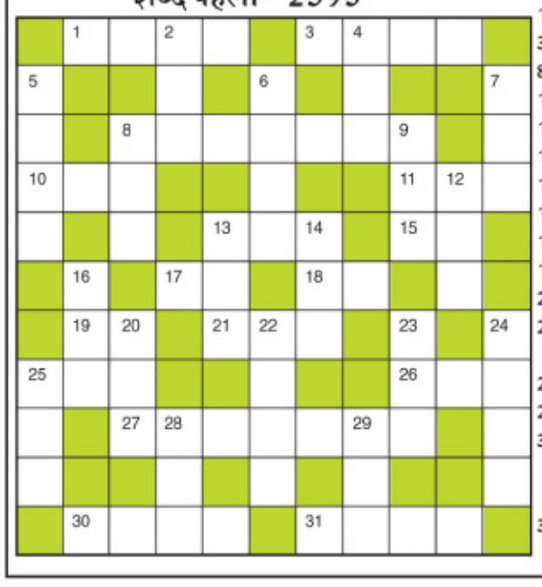

बाएँ से दाएँ

1. मरघट,कब्रिस्तान-4
3. पागल,बुद्धिहीन-4
8. भगवान,ईश्वर,खुदा-7
10. डांटना,दुत्कार-3
11. तरुण,किशोर-3
13. ओट,घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया,अजनबी-2
18. आनंद,मौज-2
19. सूर्य,भास्कर-2
21. चिंतन,सोच विचार-3
25. वेणी,फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष,आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2. कवि,गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर,भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्ज,पापी,भूत-3
8. शरण,आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट,प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना,अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्ण-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी,दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली -2592 का हल

तमिलनाडु : विरुधुनगर की पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, एक की मौत

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में स्थित एक पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हुआ है। बताया जा रहा है कि पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट के कारण एक शख्स की मौत हो गई है और एक घायल है।मामला विरुधुनगर के सेवलपट्टी इलाके का है। श्री लक्ष्मी फायरवर्क्स यूनिट में विस्फोट के बाद अचानक आग लग गई। इस दौरान वहां मौजूद एक ऑटो रिक्शा चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया है।मृतक की पहचान जी. गोविंदराज (29) और घायल कर्मचारी की पहचान पी. गुरुमूर्ति (19) के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि विस्फोट के समय मृतक गोविंदराज अपने ऑटो से सामान उतार रहा था, तभी केमिकल भरने वाले कमरे में विस्फोट हो गया। धमाका इतना जोरदार था कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। इस दौरान दमकल की टीम ने पटाखा फैक्ट्री में लगी आग को बुझाया। इसके बाद मृतक के शव को बाहर निकाला गया।

कांग्रेस लोगों के साथ छल करती है और हमेशा से ही छल करती आई है: अनिल विज

अंबाला। पूर्व गृहमंत्री अनिल विज ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जो कहती है उसको करके दिखाती है और आज भारतीय जनता पार्टी का मेनिफेस्टो जारी किया गया जिसमें झूठे वादे नहीं किए गए। विज आज मीडिया कर्मियों द्वारा भाजपा द्वारा जारी किए गए घोषणा पत्र के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। हरियाणा के मुख्यमंत्री बनाए जाने को लेकर विज द्वारा किए गए दावे के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मैंने अपनी बात कह दी है और आगे हाईकमान को तय करना है कि क्या करना है क्या नहीं करना है। उन्होंने कहा कि हरियाणा भर से लोग इस संबंध में प्रश्न कर रहे थे और मैंने अब उनके सवालों का जवाब भी दे दिया है। अंबाला छावनी विधानसभा सीट से विपक्ष के उम्मीदवारों के खड़े होने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मैं 6 बार विधानसभा का चुनाव जीत चुका हूं और सातवां चुनाव लड़ रहा हूं जितना समर्थन और जितना रिस्पांस इस बार मिल रहा है और जितना उमंग और जोश लोगों में इस बार देखने को मिल रही है आज से पहले कभी देखने को नहीं मिली। उन्होंने कहा कि मैंने बहुत सारे चुनाव लड़वाय भी हैं लेकिन जितना जोश जनता में इस बार देखने को मिल रहा है आज से पहले कभी देखने को नहीं मिला।

झारखंड के सभी पूर्व सीएम मिलकर मुझे पद से हटाने में जुटे हैं : हेमंत सोरेन

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भाजपा और केंद्र सरकार पर निशाना साधा। 'आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत गढ़वा जिले के मेराल में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे मुख्यमंत्री पद से हटाने के लिए राज्य के सारे पूर्व सीएम भाजपा में चले गए हैं। प्रधानमंत्री भी उनके साथ हैं। सारे लोग एक तरफ हैं और दूसरी तरफ मैं। लेकिन, मेरे साथ जनता का आशीर्वाद है। हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य में चुनाव नजदीक हैं। ऐसे में हिंदू-मुस्लिम करने वाले षड्यंत्रकारी लोग राज्य में घूम रहे हैं। गुजरात, यूपी, महाराष्ट्र, हैदराबाद, चंडीगढ़, मध्य प्रदेश के लोग गांव-गांव दिखेंगे।

ये लोग धन बल के दम पर भीड़ इकट्ठा करके जाति, धर्म, संप्रदाय का जहर घोलने का काम करेंगे। इन्हें चुनावी बोरे में भरकर जहां-जहां से ये आए हैं, वहां वापस भेजना होगा। वोट चोरी करने वालों को राज्य से खदेड़ना होगा।केंद्र सरकार पर झारखंड के साथ सौतेले व्यवहार का आरोप लगाते हुए सोरेन ने कहा कि चार साल तक हम केंद्र के आगे नाक रगड़ते-रगड़ते थक गए, उन्होंने राज्य का बकाया नहीं दिया। जब हम झारखंड का अधिकार मांगते हैं तो ये हमें जेल में डाल देते हैं। तीन वर्ष तक हम केंद्र सरकार से गरीबों के लिए आवास की मांग करते रहे, लेकिन उन्होंने उसकी स्वीकृति नहीं दी। अब चुनाव नजदीक है तो इन्होंने कुछ आवास का झुनझुना दिखाया है। हम राज्य सरकार के अबुआ आवास के अंतर्गत 20 लाख आवास देने का काम कर रहे हैं।

तरन तारन पुलिस ने फिरौती मांगने वाले विदेशी बदमाशों को किया गिरफ्तार

तरनतारन। तरन तारन पुलिस ने एक विशेष अभियान के तहत दो विदेशी बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जो फिरौती मांगने और अवैध हथियार रखने के आरोप में थे। इस अभियान की अगुवाई गौरव तुरा, आईपीएस/एसएसपी तरन तारन ने की, जिसमें डीएसपी कंवलप्रीत सिंह सब डिवीजन पट्टी और इंस्पेक्टर प्रभजीत सिंह सीआईए स्टाफ तरन के नेतृत्व में शामिल हुए।पकड़े गए आरोपी में पवनदीप सिंह, पुत्र जगमोहन सिंह, निवासी भिक्खीविंड, एक किशोर, जो पवनदीप सिंह का सहयोगी था। पुलिस को जानकारी मिली थी कि पवनदीप सिंह और उसके सहयोगी लोगों को धमकाकर फिरौती मांग रहे थे और उनके पास अवैध हथियार भी थे। जब पुलिस ने उन्हें पकड़ने का प्रयास किया, पवनदीप सिंह ने जान से मारने की कोशिश करते हुए पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें पवनदीप सिंह के दाहिने पैर में गोली लगी। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर थाना सदर पट्टी में मामला दर्ज किया गया है।

हरियाणा में भाजपा ही नहीं, कांग्रेस भी सीएम फेस को लेकर कशमकश में

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव की तारीख करीब है। पांच अक्टूबर को प्रदेश की सभी सीटों पर वोट डाले जाएंगे। लेकिन चुनाव से पहले भाजपा और कांग्रेस सीएम फेस को लेकर कशमकश में हैं।

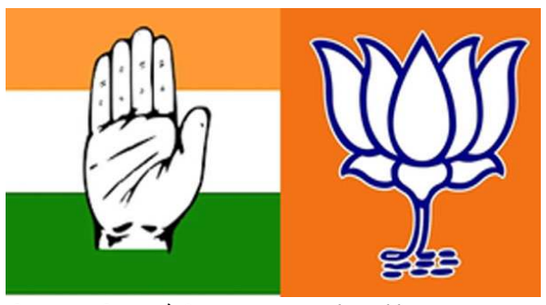

कांग्रेस ही नहीं, बल्कि भाजपा भी इस बार के चुनाव में सीएम चेहरे को लेकर कशमकश में है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे पार्टी की आंतरिक राजनीति, विभिन्न समूहों के बीच मतभेद और पिछले कार्यकाल के दौरान जनता की प्रतिक्रिया। दूसरी तरफ, कांग्रेस जो पिछले कई वर्षों से लगातार अपनी स्थिति को मजबूत करने की कोशिश कर रही है, वह भी सीएम फेस को लेकर स्थित साफ नहीं कर रही है।

आईए समझते हैं कि सीएम फेस को लेकर भाजपा और कांग्रेस आखिरकार क्यों कशमकश की स्थिति में है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा ने कुछ महीने पहले ही नायब सिंह सैनी के हाथ में मुख्यमंत्री पद की कमान दी थी। शायद यही वजह है कि भाजपा न तो नायब सिंह सैनी को सीएम फेस बना रही है न ही उनके कार्यकाल में हुआ कामों का जिक्र करके वोट मांग रही है। भाजपा हरियाणा में जगह-जगह जाकर अपने दस साल के कार्यकाल के आधार पर वोट मांग रही है।

दूसरी तरफ, कांग्रेस भी सीएम फेस को लेकर किसी के नाम का ऐलान नहीं किया है। बीते दिनों कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि चुनाव के बाद विधायक दल की बैठक होगी और पार्टी के विधायक अपना नेता चुनेंगे।

भूपेंद्र हुड्डा को सीएम फेस नहीं बनाए जाने के पीछे की वजह अधिकांश लोग इस बात को मानते हैं कि हुड्डा पर भ्रष्टाचार के कई आरोप लग चुके हैं, जिसकी जांच चल रही है। शायद यही वजह कि कांग्रेस उनके दागी होने के चलते उन्हें सीएम फेस नहीं बना रही है। इसके अलावा कांग्रेस के विरोधी दल अक्सर यह कहते हैं कि हरियाणा में कांग्रेस बाप-बेटे की पार्टी बनकर रह गई है, यह भी एक बड़ी वजह हो सकती है कि कांग्रेस ने हुड्डा को सीएम फेस नहीं बनाया।

निवेश और सरकार के निर्णयों से समृद्ध राजस्थान बनाएंगे: भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उदयपुर में आज शहर, देहात, सलूंबर और चौरासी विधानसभा के प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित किया।भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कार्यकर्ताओं के समर्पण, त्याग और बलिदान के बल पर भाजपा को आज यह मुकाम मिला है, ये यात्रा कोई आसान नहीं थी। सीमित संसाधनों और कांग्रेस जैसे दल के उत्पीड़न के बावजूद भाजपा कार्यकर्त्ताओं के जुनून से यह मुकाम मिल सका है।

उन्होंने कहा कि भाजपा अपने कार्यकर्त्ताओं के त्याग, समर्पण को नहीं भूली है। यहीं कारण है कि भाजपा का कार्यकर्त्ता अपने संगठन के लिए और संगठन कार्यकर्त्ता के लिए ढाल बनकर खड़ा होता है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि केंद्र में मोदी जी के नेतृत्व में और राजस्थान में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की अगुवाई में डबल इंजन सरकार चल

रही है जिसका एकमेव लक्ष्य है समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति को सरकार की योजनाओं का लाभ मिले और उसे सक्षम और समर्थ बनाया जा सके। उन्होंने मुख्यमंत्री के हाल ही की कोरिया, जापान यात्रा की सफलता और मोदी सरकार के 100 दिन के कार्यकाल की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि हमारी प्रतिबद्धता के अच्छे परिणाम आ रहे है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शहर देहात जिला के कार्यकर्ताओं पदाधिकारी चौरासी एवं सलूंबर विधानसभा के कार्यकर्ताओं का स्वागत अभिनंदन करते हुए कहा कि अल्प समय के बावजूद सूचना पर इतनी बड़ी तादात में कार्यकर्ताओं का आना वास्तव में संगठन के लिए उनके जिम्मेदारी के भाव को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की परेशानियां और उनके मन के भाव को वह जानते हैं, कार्यकर्ता दिन-रात मेहनत करता है उसी का परिणाम है कि आजादी के बाद जो सपने हमारे पूर्वजों ने देखे थे उन्हें पूरा करने की दिशा में आज काम हो रहे है। उन्होंने डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के द्वारा नेहरू कैबिनेट से इस्तीफा देने और राष्ट्रवाद की विचारधारा को लेकर जनसंघ की स्थापना से लेकर भारतीय जनता पार्टी की इस विशाल यात्रा की कहानी कहते हुए बताया कि किस प्रकार एक व्यक्ति के नेतृत्व में 10 व्यक्तियों ने एक संगठन को लेकर विचारधारा को आगे बढ़ाया और आज इतने कम समय में विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में हमारी भारतीय जनता पार्टी प्रतिष्ठित है।

ऐसे लोगों के साथ संबंध नहीं रख सकते, जिनका अस्तित्व ही भारत के विरोध से स्थापित हो - उपराष्ट्रपति धनखड़

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड एक कार्यक्रम में देशविरोधी ताकतों द्वारा राष्ट्र के खिलाफ उत्पन्न किए जाने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि कैसे देश के अंदर और बाहर कुछ लोग भारत की संस्थाओं और राष्ट्रीय प्रगति को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

जगदीप धनखड़ ने उन लोगों से सावधानी बरतने के लिए कहा, जो भारत के खिलाफ खतरनाक मंसूबे पालते हैं। उन्होंने कहा, हम उन लोगों के साथ संबंध नहीं रख सकते, जिनका अस्तित्व ही भारत के विरोध से स्थापित है। वे भारत के अस्तित्व को चुनौती देने के लिए घातक रूप से आकांक्षी हैं। धनखड़ ने कहा, क्या हम ऐसे व्यक्ति की प्रशंसा कर सकते हैं, जो देश के भीतर और बाहर देश को बदनाम कर रहा है? हमारी पवित्र संस्थाओं को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, जिससे हमारी उन्नति प्रभावित हो रही है। क्या हम इसे नजरअंदाज

कर सकते हैं? मेरा वादा है कि मैं, युवा लड़के और लड़कियों के साथ कभी अन्याय नहीं होने दूंगा। धनखड़ ने पत्रकारिता में व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण से दूर जाने और संस्थानों के साथ-साथ राष्ट्रीय विकास पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा, हमें उन मुद्दों को एड्रेस करना होगा, जो सिर्फ चुनिंदा व्यक्तियों पर आधारित नहीं हैं। हम व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण कैसे अपना सकते हैं? हमारी पवित्र संस्थाओं को बदनाम नहीं किया जाना चाहिए। वैश्विक मंच पर राष्ट्र की छवि को सुरक्षित रखने के महत्व पर जोर देते हुए, धनखड़ ने कहा, हम देश के बाहर भारत की गलत तस्वीर को चित्रित नहीं कर सकते। हर भारतीय, जो इस देश से बाहर जाता है, वह इस राष्ट्र का राजदूत है। उसके दिल में राष्ट्र और राष्ट्रवाद के लिए 100 प्रतिशत प्रतिबद्धता के अलावा कुछ भी नहीं होना चाहिए।

संविधान ने प्रत्येक संस्था की भूमिका को परिभाषित किया और प्रत्येक को अपने संबंधित क्षेत्र में सर्वोच्च प्रदर्शन करना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर कोई संस्था किसी विशेष मंच से किसी दूसरी संस्था के बारे में कोई टिप्पणी करती है, तो वह विधिशास्त्रीय दृष्टि से अनुचित है। इससे पूरी व्यवस्था के संतुलन को खतरा है। विधिशास्त्रीय दृष्टि से, संस्थागत अधिकार क्षेत्र सिर्फ संविधान द्वारा परिभाषित किया जाता है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस : 21 सितंबर से डॉक्टर्स लौटेंगे ड्यूटी पर, आंशिक हड़ताल जारी; चेतावनी- मांगें न मानीं तो फिर से आंदोलन

कोलकाता। कोलकाता में 41 दिन की लंबी हड़ताल के बाद जूनियर डॉक्टर्स ने देर रात अपनी ड्यूटी पर वापस लौटने का फैसला किया है। यह हड़ताल 9 अगस्त को एक ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप और मर्डर के विरोध में शुरू हुई थी। डॉक्टर्स ने 21 सितंबर से काम पर लौटने की घोषणा की है,

हालांकि आंशिक रूप से हड़ताल जारी रहेगी। डॉक्टर्स ने गुरुवार रात प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए बताया कि वे स्वास्थ्य भवन के सामने 10 सितंबर से चल रहे धरने को 20 सितंबर को खत्म करेंगे। प्रदर्शन खत्म करने से पहले वे आखिरी मार्च निकालेंगे, जो स्वास्थ्य भवन से CJO कॉम्प्लेक्स तक होगा। डॉक्टर्स ने स्पष्ट किया है कि वे अभी सिर्फ इमरजेंसी सेवाएं संभालेंगे और बाढ़ प्रभावित इलाकों में मेडिकल कैंप लगाएंगे। ओपीडी और कोल्ड ऑपरेशन थिएटरों में सेवाएं बंद रहेंगी।डॉक्टर्स ने बंगाल सरकार को एक हफ्ते का समय दिया है, अगर उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो वे फिर से हड़ताल शुरू करने की चेतावनी दी है।

रवनीत सिंह बिट्टू ने राहुल गांधी के बारे में सच बोला - गिरिराज सिंह

एजेंसी

बेंगलुरु। केंद्रीय राज्य मंत्री और भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर पर केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बातचीत में कहा, रवनीत सिंह बिट्टू ने राहुल गांधी को लेकर जो भी कहा है, वो बात 200 फीसदी सच है। कोई देशभक्त देश के बाहर जाकर गाली नहीं दे सकता है।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, इंदिरा गांधी के बारे में किसी सांसद ने कुछ कहा था तो तुरंत उसकी सदस्यता रद्द कर दी गई थी। उस समय के तत्कालीन मंत्री कमलापति त्रिपाठी ने कहा था कि देश के अंदर इंदिरा गांधी कांग्रेस की लीडर हैं और देश के बाहर वह भारत की लीडर हैं। आज वही स्थिति है, देश के बाहर नरेंद्र मोदी भी भारत के लीडर हैं। उन्होंने आगे कहा, भारत, देश और लोकतंत्र को गाली देने का काम कोई देशद्रोही ही कर सकता है। राहुल गांधी ने भी देश को गाली दी है, उनकी भी सदस्यता रद्द होनी चाहिए।

गिरिराज सिंह ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'कर्नाटक की कांग्रेस सरकार यहां विकास के कोई काम नहीं कर रही है और केवल मुस्लिम तुष्टिकरण कर रही है। मुस्लिम तुष्टिकरण करने वाले ये लोग जान लें कि जब तक देश में सनातनी हैं, तब तक देश में लोकतंत्र सुरक्षित है। कांग्रेस का बस चले तो वह बांग्लादेशी घुसपैठियों का भी समर्थन कर दे। झारखंड इसका सीधा सा उदाहरण है, वहां 1952 में 44 फीसदी आदिवासी थे, मगर बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण उनकी संख्या 28 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने कांग्रेस द्वारा 'वन नेशन, वन इलेक्शन' पर सवाल उठाए जाने पर भी पलटवार किया। उन्होंने कहा, 'मल्लिकार्जुन खड़गे ने तो अपने दिल की बात बोल दी और कहा कि अगर 20 सीट ज्यादा आ गई होती तो वह नरेंद्र मोदी को जेल में डाल देते। राहुल गांधी की मानसिकता दर्शाती है कि वह इंदिरा गांधी की तरह तानाशाह हैं। आज वो बोल रहे हैं कि 'वन नेशन, वन इलेक्शन' मोदी का एजेंडा है।' गिरिराज सिंह ने आगे कहा, 'देश में जब भी चुनाव होता है तो लॉ एंड ऑर्डर की समस्या पैदा हो जाती है।

कांग्रेस आरक्षण विरोधी पार्टी, हम हर साजिश के खिलाफ लड़ेंगे : नरेंद्र कश्यप

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कांग्रेस को 'आरक्षण विरोधी' पार्टी बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को पिछड़े वर्ग के लोगों के हितों से कोई लेना-देना नहीं है। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा को अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने पर जब नरेंद्र कश्यप से सवाल किया गया तो उन्होंने दो टूक कहा, ÷निसंदेह इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को अपेक्षित परिणाम नहीं मिले थे। इसके बाद हमारी पार्टी ने सभी सीटों की समीक्षा की। इस चुनाव में कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ झूठ फैलाया कि हम सत्ता में आने के बाद आरक्षण खत्म करेंगे, संविधान बदलेंगे।

हमने कांग्रेस की इस साजिश के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को आड़े हाथों लेते हुए कहा, अब लोग कांग्रेस और राहुल गांधी की साजिश समझ चुके हैं। लोग समझ चुके हैं कि आरक्षण की असली विरोधी बीजेपी नहीं, बल्कि कांग्रेस और इसके नेता राहुल गांधी हैं। इसका असर आने वाले दिनों में उपचुनाव में भी देखने को मिलेगा।

नरेंद्र कश्यप ने विदेश में राहुल गांधी द्वारा आरक्षण के संबंध में दिए बयान की निंदा की। उन्होंने कहा, राहुल के बयान से स्पष्ट जाहिर होता है कि वह आरक्षण विरोधी हैं। वह नहीं चाहते हैं कि पिछड़ा वर्ग सशक्त हो। हम राहुल गांधी के बयान की निंदा करते हैं। हम उनके बयान के विरोध में उनके आवास का घेराव करेंगे।उन्होंने कहा, मैं एक बार फिर स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि भाजपा आरक्षण विरोध नहीं है। हम तो चाहते हैं कि आरक्षण का सहारा लेकर समाज के पिछड़े लोग आर्थिक रूप से सशक्त होकर देश के विकास में अपना अमूल्य योगदान दें, ताकि राष्ट्र के विकास को नई गति मिले।

नई पर्यटन इकाई नीति जल्दी होगी लागू : दिया कुमारी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति तथा पुरातत्व रवि जैन की उपस्थिति में गुरुवार को पर्यटन भवन में वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु पर्यटन विभाग से संबंधित बजट घोषणाओं, अन्य घोषणाओं, राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 (09 से 11 दिसम्बर) के आयोजन से पूर्व 8 अक्टूबर को जयपुर में आयोजित होने वाली प्री-समिट में पर्यटन विभाग की भूमिका के निर्वहन की कार्ययोजना पर चर्चा तथा पर्यटन विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। दिया कुमारी ने बैठक पश्चात मीडिया से बात करते हुए कहा कि 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के आयोजन से पूर्व 8 अक्टूबर को जयपुर में आयोजित होने वाली प्री-समिट में आने वाले स्टेकहोल्डर्स को बतायेंगे कि राजस्थान में पर्यटन के क्षेत्र में अपार सम्भवनाएं हैं।

जेपीसी की बैठक में पसमांदा मुस्लिम महाज ने किया बिल का समर्थन

एजेंसी

नई दिल्ली। वक्फ (संशोधन) विधेयक-2024 पर विस्तार से विचार-विमर्श करने के लिए बनाई गई जेपीसी की पांचवी बैठक में भी सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर हंगामा हुआ। भाजपा और विपक्षी दलों के सांसदों के बीच कई बार तीखी नोक-झोंक हुई।

बैठक में एक समय ऐसा भी आया जब जेपीसी चेयरमैन जगदंबिका पाल और विपक्षी सांसदों के बीच भी तीखी बहस हुई। मुस्लिम समाज की तरफ से विधेयक पर अपना पक्ष रखने के लिए आए पसमांदा मुस्लिम महाज के प्रतिनिधियों ने बिल का पुरजोर शब्दों में समर्थन किया। उन्होंने इस बिल को 85 प्रतिशत मुसलमानों के लिए फायदेमंद करार देते हुए मुस्लिम समाज के दलितों और आदिवासियों को भी इसमें जगह देने की मांग की। बैठक में जब पसमांदा मुस्लिम

महाज के प्रतिनिधि बिल पर अपनी बात रख रहे थे, तो विपक्ष के कई सांसद उन्हें बार-बार रोक रहे थे। इसे लेकर भाजपा और विपक्षी दलों के सांसदों के बीच जोरदार बहस भी हुई। भाजपा सांसदों ने विपक्षी सांसदों के रवैये पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि जब कोई मुस्लिम व्यक्ति या संगठन बिल का विरोध करते हैं, तो विपक्षी सांसद चुपचाप सुनते हैं। लेकिन, जब भी कोई बिल का समर्थन करता है, तब विपक्षी सांसद व्यवधान पैदा करते हैं। पटना स्थित चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर एवं मुस्लिम बुद्धिजीवी प्रो. फैजान मुस्तफा ने भी बिल को लेकर जेपीसी के समक्ष अपनी बातें रखी। उन्होंने वक्फ बाई यूजर और वक्फ ट्रिब्यूनल सहित बिल के कई प्रावधानों का समर्थन तो किया, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने डीएम को सारी शक्तियां देने सहित कई अन्य प्रावधानों को गलत भी बताया। प्रो. फैजान मुस्तफा ने सरकार को सभी की सहमति के आधार पर ही आगे बढ़ने की सलाह भी दी। सूत्रों के मुताबिक, जेपीसी की बैठक में आम आदमी पार्टी और एआईएमआईएम ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान का भी मुद्दा उठाया। दोनों सांसदों ने कहा कि जब वक्फ (संशोधन) बिल पर जेपीसी विचार कर रही है और मामला जेपीसी के पास है, तो फिर गृह मंत्री बिल को लेकर बाहर बयान क्यों दे रहे हैं? विपक्षी सांसदों ने तो यहां तक आरोप लगाया कि जेपीसी पर दबाव बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

तिरुपति मंदिर के प्रसाद में जानवरों की चर्बी की मिलावट से साधु-संतों में रोष

एजेंसी

वाराणसी। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) ने आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर के लड्डुओं में फिश ऑयल और जानवरों की चर्बी मिलने की पुष्टि की है। इससे देश के साधु-संतों में रोष देखने को मिल रहा है।

अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा 'आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने तिरुपति मंदिर के प्रसाद में मिलावट को लेकर जो रहस्योद्घाटन किया है, वो बहुत ही गंभीर धार्मिक अपराध है। जगन मोहन रेड्डी की सरकार में प्रसाद में जानवरों की चर्बी से बनी घी का उपयोग किया जा रहा था। अखिल भारतीय संत समिति का मानना है कि मठ, मंदिर चलाना सरकार का काम नहीं है। लेकिन देश के चार लाख मंदिर इनके कब्जे में हैं। प्रसाद में जानवरों की चर्बी मि?लाना धार्मिक रूप से अक्षम्य और बहुत बड़ा अपराध है। यह षड्यंत्र है। इस बात के उजागर के लिए हम चंद्रबाबू नायडू के सरकार की प्रशंसा करते हैं। राम मंदिर के

मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने इस घटना पर कहा कि इस तरह के बर्ताव को अब साधु संत कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। आंध्र प्रदेश में जो घटना हुई है, वह बहुत ही घिनौनी घटना है, इस तरह के घटना को अंजाम देने वाला देशद्रोही हैं। करोड़ों लोगों की आस्था को ठेस पहुंचा है। इसकी जांच होनी चाहिए और अपराधी को कड़ी से कड़ी सजा देनी चाहिए। अयोध्या से बाल संत दिवाकराचार्य ने इस मुद्दे पर कहा, जिन लोगों ने ये अपराध किया है, उसकी जांच होनी चाहिए। लड्डू में मांस मिलाना, जिहाद को बढ़ावा देना गलत है। ऐसे किसी के धर्म को भ्रष्ट नहीं किया जाना चाहिए। इसके लिए सरकार को बड़ा कानून लाना चाहिए। बता दें कि आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर के लड्डुओं में मिलावट पर बड़ा खुलासा हुआ है। प्रसाद में फिश ऑयल और जानवरों की चर्बी मिलने की पुष्टि हुई है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के तहत सेंटर ऑफ एनालिसिस एंड लर्निंग इन लाइवस्टॉक एंड फूड (सीएएलएफ) लैब की एक रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। एनडीडीबी की रिपोर्ट के मुताबिक, तिरुपति मंदिर में लड्डुओं का प्रसाद तैयार किया जाता है, उसमें बीफ की चर्बी, दूसरे जानवरों की चर्बी और मछली का तेल मिला है। ये सब कुछ उस घी में मिला है, जिससे लड्डू तैयार किया जाता है। हैरान करने वाली बात यह है कि प्रसाद के तौर इन लड्डुओं को ना सिर्फ श्रद्धालुओं को बांटा गया, बल्कि भगवान को भी प्रसाद के तौर पर यही लड्डू चढ़ाया जाता रहा।

आधुनिक सोच के साथ विकास और रोजगार का संगम बन रहा गोरखपुर : सीएम योगी

एजेंसी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिस गोरखपुर के नाम से 15-20 साल पहले भय होता था, सात साल पहले जहां सुविधाओं की कल्पना ही बेमानी थी, वही गोरखपुर अब आधुनिक सोच के साथ विकास और रोजगार का संगम और नया पर्यटन हब बन रहा है।

रामगढ़ ताल में बने फ्लोटिंग रेस्टोरेंट 'फ्लोट' का उद्घाटन करने के बाद सीएम योगी ताल की जेटी पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की आवासीय परियोजना ग्रीनवुड अपार्टमेंट के सात लोगों को आवंटन प्रमाण पत्र का वितरण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग आज से डेढ़ दशक पहले गोरखपुर के नाम से डरते थे। सात वर्ष पूर्व तक भी गोरखपुर विकास से कोसों दूर था। आज जिस स्थान पर यह आयोजन हो रहा है, वहां तो आना ही सपना था। रामगढ़ ताल गोरखपुर की गंदगी और अपराध का गढ़ बन चुका था। सर्किट हाउस में रुकने वाले अतिथियों और मंत्रियों के लिए अलग से फोर्स लगानी पड़ती थी। गोरखपुर का खाद कारखाना बंद हो चुका था। यहां का बीआरडी मेडिकल कॉलेज स्वयं बीमार हो गया था। गोरखपुर के लोगों को दिनभर जाम में फंसना पड़ता था।

उन्होंने कहा कि आज गोरखपुर में फोर और सिक्स लेन की सड़कें हैं। यहां का एयरपोर्ट देश के व्यस्त एयरपोर्ट में से एक है। गोरखपुर में रेलवे की बेहतरीन कनेक्टिविटी है। खाद कारखाना फिर से चालू हो चुका है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज चिकित्सा का बेहतरीन केंद्र बन गया है, एम्स भी संचालित है। रामगढ़ ताल कभी मृतप्राय हो चला था। आज 1,800 एकड़ में फैली यह प्राकृतिक झील पर्यटकों को नई आभा के साथ आकर्षित कर रही है। यहां नए-नए होटल खुल रहे हैं। रामगढ़ताल में क्रूज की सुविधा पहले ही शुरू हो गई थी। आज फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का भी शुभारंभ हो गया है। सीएम योगी ने कहा कि अब अगर प्राकृतिक झील के किनारे जलपान और भोजन करने का मन हुआ तो यह सुविधा गोरखपुर में ही उपलब्ध हो गई है। आधुनिक सोच के साथ विकास भी हो रहा है और यह विकास रोजगार का भी माध्यम बन रहा है। अब गोरखपुर आने वाले अतिथियों और पर्यटकों को फाइव स्टार सुविधा मिलेगी। रामगढ़ ताल के चारों तरफ रिंग रोड बन रहा है। शानदार लाइटिंग से गोरखपुर में रात्रि का नजारा बेहद आकर्षक लगता है। सीएम योगी ने विश्वास जताते हुए कहा कि फ्लोटिंग रेस्टोरेंट स्थानीय लोगों और देश-दुनिया के पर्यटकों को बेहतरीन सुविधाएं देगा। शानदार कनेक्टिविटी से अब यहां होटलों की चेन खुलने जा रही है। जल्द ही कन्वेंशन सेंटर भी बनने जा रहा है। उन्होंने ग्रीनवुड अपार्टमेंट के आवंटियों को शुभकामनाएं देते हुए जीडीए के अफसरों को निर्देशित किया कि अपार्टमेंट का निर्माण क्वालिटी को ध्यान में रखते हुए समय से पूरा करें। जीडीए ने इसे जुलाई 2027 में पूरा करने का लक्ष्य तय किया है, लेकिन कोशिश होनी चाहिए कि 2027 में मकर संक्रांति के पूर्व ही निर्माण पूर्ण कर आवंटियों को सौंप दें ताकि लोग अपने आवास में मकर संक्रांति मना सकें और मकर संक्रांति का प्रसाद अपने इस आवास में ग्रहण कर सकें।

सांसद रवि किशन शुक्ल ने कहा कि गोरखपुर पहले क्या था, यह किसी से छिपा नहीं है और अब क्या हो गया है, यह भी सभी लोग देख रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में मात्र सात साल में गोरखपुर में ऐतिहासिक विकास हुआ है। गोरखपुर में फ्लोटिंग रेस्टोरेंट की सौगात सीएम योगी की प्रेरणा से ही मिली है। एक फिल्म स्टार होने के चलते मैं मुंबई से भी जुड़ा हूं, लेकिन अब मुझे गोरखपुर मुंबई से भी सुंदर लगता है।

खूबसूरत ऐतिहासिक शहर

कच्छ

गुजरात विकास के लिए ही नहीं पर्यटन के लिए भी मशहूर है और यहां के कच्छ के बारे में तो कहा जाता है कि कच्छ नहीं देखा तो कुछ नहीं देखा। कच्छ गुजारात का एक खूबसूरत ऐतिहासिक शहर है। कहा जाता है कि अगर कच्छ नहीं देखा तो गुजरात की यात्रा अधूरी है। पर्यटकों को लुभाने के लिए यहां बहुत कुछ है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हर साल कच्छ महोत्सव आयोजित किया जाता है। यहां का ज्यादातर भाग रेतीला और दलदली है।

कच्छ मांडवी बीच

कच्छ गुजरात का सबसे मशहूर पर्यटक स्थल है। कच्छ में आपको गुजरात की असली छप देखने को मिलेगी। कच्छ में आपको ऐतिहासिक इमारतें जखाऊ, कांडला और मुन्द्रा बंदरगाह है। जिले में अनेक ऐतिहासिक इमारतें, मंदिर, मस्जिद, हिल स्टेशन और कई खूबसूरत पर्यटन स्थल है। कच्छ में हर साल कच्छ महोत्सव आयोजित किया जाता है। कच्छ का ज्यादातर हिस्सा रेतीला और दलदली है। यहां की सफेद रेत पर चलने का एक अलग ही मजा है।

कच्छ बीच-भुज से करीब 60 किमी। दूर स्थित यह बीच गुजरात के सबसे आकर्षक बीचों में एक माना जाता है। दूर-दूर फैले नीले पानी को देखना और यहां की रेत पर टलहना पर्यटकों को खूब भाता है। साथ की अनेक प्रकार के जलपक्षियों को भी यहां देखा जा सकता है। सूर्योदय और सूर्यास्त का नजारा यहां से बड़ा आकर्षक प्रतीत होता हैं।

कंठकोट किला

एक अलग-थलग पहाड़ी के शिखर पर बने इस किले का निर्माण 8वीं शताब्दी में हुआ था। कहा जाता है कि 1816 में अंग्रेजों ने इस पर अधिकार कर लिया और इसका अधिकांश हिस्सा नष्ट कर दिया। किले के पास ही जैन मंदिर, कंथडनाथ मंदिर और सूर्य मंदिर है।

नारायण सरोवर मंदिर

ये मंदिर भगवान विष्णु के सरोवर के नाम से जाना जाता है। इस स्थान में पांच पवित्र झीलें हैं। इन तालाबों को भारत के सबसे पवित्र तालाबों में गिना जाता है। नारायण सरोवर को हिन्दुओं के अति प्राचीन और पवित्र तीर्थस्थलों में शुमार किया जाता है। श्री त्रिकमरायजी, लक्ष्मीनारायण, गोवर्धननाथजी, द्वारकानाथ, आदिनारायण, रणछोडरायजी और लक्ष्मीजी के मंदिर आकर्षक मंदिरों को यहां देखा जा सकता है।

भद्रेश्वर जैन मंदिर

ये प्राचीन जैन मंदिर जैन धर्म के अनुयायियों के लिए अति पवित्र माना जाता है। भद्रावती में 449 ईसा पूर्व राजा सिद्धसेन का शासन था। बाद में यहां सोलंकियों का अधिकार हो गया जो जैन मतावलंबी थे। उन्होंनें इस स्थान का नाम बदलकर भद्रेश्वर रख दिया।

कांडला बंदरगाह

यह राष्ट्रीय बंदरगाह देश के 11 सबसे महत्वपूर्ण बंदरगाहों में एक है। यह बंदरगाह कांडला नदी पर बना है। मांडवी बंदरगाह यह बंदरगाह कच्छ जिले के सबसे प्राचीन बंदरगाहों में एक है। वर्तमान में मात्र मछली पकडने के उद्देश्य से इसका प्रयोग किया जाता है। यह बंदरगाह देश के 11 सबसे महत्वपूर्ण बंदरगाहों में एक है। इस बंदरगाह को महाराव श्री खेनगरजी तृतीय और ब्रिटिश सरकार के सहयोग से 19वीं शताब्दी में विकसित किया गया था।

जखऊ बंदरगाह

ये बंदरगाह कच्छ जिले के सबसे प्राचीन बंदरगाहों में एक है। अब इस बंदरगाह का इस्तेमाल केवल मछली पकडने के लिए किया जाता है।

धौलावीरा

यहां का पुरातात्विक स्थल हड़प्पा संस्कृति का प्रमुख केन्द्र था। भुज से करीब 250 किमी दूर धौलावीरा में हड़प्पा संस्कृति फली-फूली थी। यह संस्कृति 2900 ईसा पूर्व से 2500 ईसा पूर्व की मानी जाती है। सिंधु घाटी सभ्यता के अनेक अवशेषों को यहां देखा जा सकता है।

पश्चिमोत्तर कच्छ

यहां कई धार्मिक स्थले हैं। हिन्दू धर्म के पवित्र सरोवरों में से एक नरायण सरोवर, उससे थोड़ी ही दूर पर प्रसिद्ध भगवान शिव और रावण का कोटेश्वर मंदिर

कैसे पहुंचें-

सड़क मार्ग से कच्छ आसानी से जाया जा सकता है। सड़क मार्ग से गुजरात और पड़ोसी राज्यों के कई शहर जुड़े हैं। यहां के लिए राज्य परिवहन और प्राईवेट डीलक्स बसें अनेक शहरों से चलती हैं।

वायु मार्ग- भुज और कांदला दो महत्वपूर्ण एयरपोर्ट हैं।

रेल मार्ग- यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन गांधीधाम और भुज जिले के पास है।

सड़क मार्ग- गुजरात पड़ोसी राज्यों के कई शहर जुड़े हैं। यहां पर जाने के लिए आसानी से बस मिल जाती है।

सुखद अहसास कराता है

गुरुदेव का शांति निकेतन

कोलकाता से 210 किलोमीटर दूर वीरभूम जिले में पड़ने वाला शांतिनिकेतन अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय विश्व भारती के लिए प्रसिद्ध है जिसकी स्थापना गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने की थी। 1863 में महर्षि देवेंद्र नाथ टैगोर द्वारा एक आश्रम के रूप में स्थापित किये गये इस विश्वविद्यालय में देश-विदेश के छात्र कला व संस्कृति की नई ऊंचाइयां छूते हैं।

शांतिनिकेतन में टैगोर की चित्रकला व मूर्तिकला के साथ ही बोस, रामकिंकर, विनोद बिहारी मुखोपाध्याय की कलाकृतियों के दर्शन करना सचमुच एक सुखद अहसास करता है। शांति निकेतन के दर्शनीय स्थलों की बात करें तो आईए आपको सबसे पहले लिए चलते हैं उत्तरायण परिसर में, जहां कि कविगुरु स्वयं रह्य करते थे। इसमें उदयन, श्यामली, कोणार्क, पुनश्च तथा उदीचि जैसे कई भवन मौजूद हैं साथ ही इनके अलावा आप ललित कला का कालेज, कला भवन, संगीत भवन, नृत्व व संगीत के कालेज, विद्या भवन, शिक्षा भवन, विनय भवन, हिंदी भवन, चीना भवन आदि भी देख सकते हैं।

शांतिनिकेतन से लगभग तीन किलोमीटर दूर डियर पार्क है। जिसमें आपको हिरण विचरते हुए नजर आएंगे। लोग यहां पिकनिक का आनंद उठाने आते रहते हैं। यहां से 78 किलोमीटर की दूरी पर मासनजोर स्थित है। मयूराक्षी नदी पर बना यहां का बांध आसपास के पहाड़ी सौंदर्य के कारण बहुत ही सुन्दर दिखता है, दूर से आए सैलानियों को तो यह स्थल बहुत ही भाता है। यहां के यूथ होस्टल में ठहरने की भी व्यवस्था है। यहां से लगभग 23 किलोमीटर की दूरी पर ननूर है, जोकि 14वीं सदी के वैष्णव कवि चंडीदास का जन्मस्थल है। यदि आप यहां जाना चाहें तो बोलपुर रेलवे स्टेशन से बस द्वारा यहां एक घंटे में पहुंचा जा सकता है। शांतिनिकेतन से 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित तारापीठ जाने के लिए बोलपुर से रामपुरहाट बस या ट्रेन से जाना पड़ेगा। वैस रामपुरहाट से तारापीठ केवल पांच किलोमीटर दूर है। यहां रामकनाई धर्मशाला भी है जहां आप रूक सकते हैं। तारापीठ के बारे में आपको एक बात बता दें कि यह तांत्रिक अनुष्ठनों के लिए प्रसिद्ध स्थल है।

यहां की प्रसिद्ध वस्तुओं की बात करें तो आप पाएंगे कि यहां हथकरघा के वस्त्र अपनी कलात्मक डिजाइनों के लिए काफी प्रसिद्ध हैं। बोलपुर, सर्वोदय आश्रम, विश्व भारती शिल्प सदन एवं शांतिनिकेतन कोआपरेटिव स्टोर्स से आप इन वस्त्रों की खरीददारी कर सकते हैं।

मौसम के हिसाब से देखें तो इस स्थल की सबसे खास बात यह है कि यहां वर्ष भर में कभी भी जाया जा सकता है। वैसे विश्व भारती विश्वविद्यालय मई-जून तथा सितंबर-अक्टूबर में पूजा की छुट्टियों में बंद रहता है। यदि आप यहां जाने का कार्यक्रम बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको बताए देते हैं कि पश्चिम बंगाल सरकार का पर्यटन विभाग एक रात व दो दिन का पैकेज टुअर पौष मेला के लिए विशेष तौर पर चलाती है। आप इन टुअर पैकेजों के लिए बोलपुर स्टेशन के पर्यटन कार्यालय से संपर्क साध सकते हैं।

शांतिनिकेतन में आपके ठहरने की व्यवस्था भी आराम से हो सकती है। आप यहां के होटलों में फोन करके एडवांस बुकिंग भी करा सकते हैं या फिर चाहें तो शांतिनिकेतन व बोलपुर में मौजूद सस्ते डाक बंगलों में भी ठहर सकते हैं। इन डाक बंगलों में ठहरने का खर्च प्रति व्यक्ति लगभग पचास से सौ रूपये आता है।

शांतिनिकेतन तक पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टेशन बोलपुर है जो कि यहां से दो किलोमीटर दूर है। आपको बोलपुर तक आने के लिए हावड़ा, सियालदाह व गुवाहाटी से रेल सेवाएं मिल सकती हैं यदि आप सड़क मार्ग से आना चाहें तो कोलकाता के अतिरिक्त दुर्गापुर व सारनाथ से भी सड़क मार्ग से जा सकते हैं। वैसे कोलकाता से शांतिनिकेतन के लिए सरकारी बस सुबह आठ बजे चलती है।

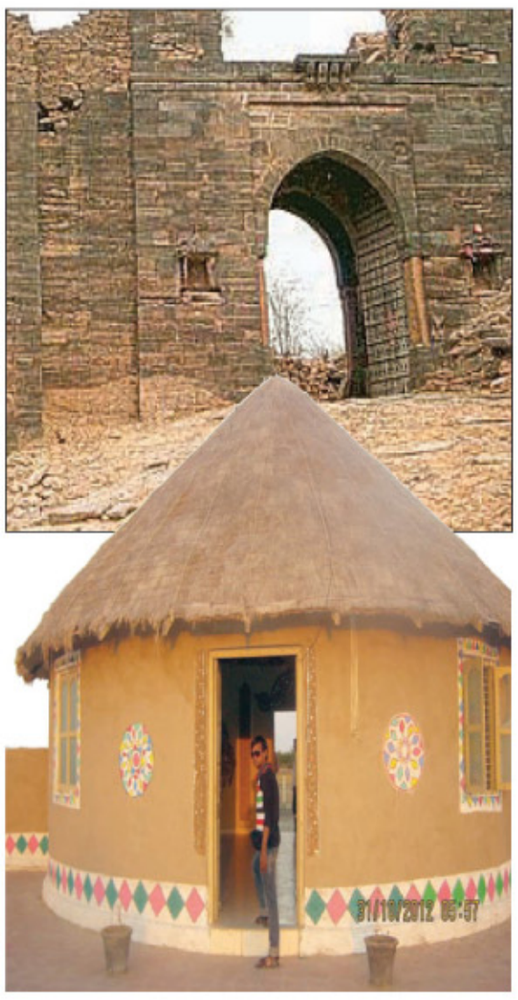

एक बार पुनः देश का तिरंगा फहराएंगे पर्वतारोही अभिनीत - डीएम

एजेंसी

हरदोई। जिलाधिकारी कार्यालय पर जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने पर्वतारोही अभिनीत मौर्य को तिरंगा देकर एक नए अभियान के लिए शुभकामनाएं दी। पर्वतारोही अभिनीत एक नए अभियान के लिए अपने गृह जनपद हरदोई से रवाना होंगे। अभिनीत इस बार माउंट यूनम पर चढ़ाई करके देश की आन बान शान तिरंगा को फहराने के लिए आज जिलाधिकारी से मुलाकात करके, एक नए मिशन के लिए निकले। माउंट यूनम हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति घाटी में बारालाचा दर्रे के पास लाहौल घाटी की सबसे ऊंची चोटी है। यह चंद्रभागा और मुल्किला रेंज के शानदार दृश्य प्रस्तुत करता है। चढ़ाई करना कठिन हो सकता है लेकिन यह बढ़ने से आसान है। जिसकी ऊंचाई 20300 फीट है। इस अभियान के लिए पर्वतारोही अभिनीत ने बताया कि इस अभियान में लगभग 8 से 10 दिन लगेंगे। इस अभियान की शुरुआत पर्वतारोही मनाली से करेंगे,पहले दो दिन मनाली में पर्वतारोहण अभियान के लिए अभ्यास करेंगे,उसके बाद केलांग पहुचेंगे, फिर भरतपुर बेस कैंप पहुंचकर मुख्य अभियान की शुरुआत होगी। जिलाधिकारी ने कहा पर्वतारोही अभिनीत ने देश, प्रदेश व जिले का नाम पहले भी रोशन किया है और अभिनीत आगे भी ऐसे ही देश का नाम रोशन करते रहेंगे। मेरी शुभकामनाएं आपके साथ है। आपकी उपलब्धियां युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

खिलाड़ियों की नीलामी का संचालन करेंगे अनुभवी रिचर्ड मैडली

जोहान्सबर्ग। वेल्स के प्रसिद्ध नीलामीकर्ता रिचर्ड मैडली को एसए 20 लीग में खिलाड़ियों की नीलामी आयोजित करने के लिए नियुक्त किया गया है, जो 1 अक्टूबर को यहां होने वाली है। मैडली ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में नीलामीकर्ता के रूप में अपनी भूमिका के लिए प्रसिद्धि प्राप्त की है। एसए20 मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया है, एसए20 एक अक्टूबर को केप टाउन में होने वाली सीज़न 3 खिलाड़ी नीलामी के लिए प्रसिद्ध नीलामीकर्ता रिचर्ड 'द हैमरमैन' मैडली की वापसी की घोषणा करते हुए रोमांचित है। 9 जनवरी, 2025 से शुरू होने वाली दक्षिण अफ्रीका की प्रीमियर टी20 क्रिकेट लीग से पहले टीमों के अपने दल को अंतिम रूप देने के लिए मैडली का अनुभव और विशिष्ट शैली एक बार फिर केंद्र में होगी। एक दशक तक प्रसिद्ध इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खिलाड़ी नीलामी में अग्रणी रहने के बाद, मैडली अपनी तेरहवीं खिलाड़ी नीलामी के लिए वापस आने के लिए उत्साहित हैं। एसए20 मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार, मैडली ने कहा, मैं एसए20 सीज़न 3 खिलाड़ी नीलामी की कमान संभालने के लिए रोमांचित हूं।उन्होंने कहा, पहले सत्र में हुई 10 घंटे की मैराथन नीलामी की मुझे अच्छी यादें हैं, इसलिए कार्यवाही की कमान संभालना शानदार है। कुछ शानदार स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने इस नीलामी में अपना नाम डाला है, मुझे उम्मीद है कि टीमों द्वारा अपनी टीमों को अंतिम रूप दिए जाने के दौरान कुछ प्रतिस्पर्धी बोलियाँ होंगी।

मालविका ने गिलमोर को हराकर पहली बार सुपर 1000 क्वार्टरफाइनल में किया प्रवेश

चांगझोउ। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी मालविका बंसोड़ ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए यहां चाइना ओपन में अपने से ऊंची रैंकिंग वाली क्रिस्टी गिलमोर के खिलाफ कड़े मुकाबले में जीत हासिल कर पहली बार सुपर 1000 क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। 43वीं रैंकिंग वाली मालविका ने एक घंटे पांच मिनट तक कड़ी मेहनत की और फिर महिला एकल के राउंड-ऑफ-16 मुकाबले में दो बार की कॉमनवेल्थ गेम्स पदक विजेता और दुनिया की 25वें नंबर की खिलाड़ी स्कॉटलैंड की गिलमोर को 21-17, 19-21, 21-16 से हराया। मैच के बाद मालविका ने कहा, यह पहली बार है जब मैं सुपर 1000 टूर्नामेंट का क्वार्टर फाइनल खेलूंगी, इसलिए यह मेरे सपने के सच होने जैसा है और मेरे जीवन की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा, मैंने टूर्नामेंट से पहले इस बारे में सपना देखा था कि अगर मैं क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई तो कैसा रहेगा और अब मैं शीर्ष 8 में हूं, इसलिए यह एक शानदार एहसास है।

मैच को लेकर भारतीय खिलाड़ी, जो अब गिलमोर के खिलाफ 3-2 से आगे चल रही है, ने कहा, इस भाग से बहुत अधिक बहाव है, इसलिए मुझे पिछले गेम के अंतिम हिस्सों और दूसरे गेम में भी नियंत्रण करना मुश्किल लगा। लेकिन मुझे खुशी है कि भगवान ने मेरी मदद की।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दलिप समरवीरा पर लगाया प्रतिबंध

मेलबर्न। पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेटर दलीप समरवीरा को आचार संहिता के गंभीर उल्लंघन का दोषी पाए जाने के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया या राज्य या क्षेत्रीय संघ (किसी भी डब्ल्यू/बीबीएल टीम सहित) में किसी भी पद पर रहने से 20 साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने यह जानकारी दी। आचरण आयोग ने पाया कि समरवीरा ने अनुचित व्यवहार किया, जो सीए की आचार संहिता की धारा 2.23 का उल्लंघन था। अनुचित आचरण के आरोप तब लगे जब समरवीरा क्रिकेट विक्टोरिया (सीवी) में मुख्य कोच के पद पर कार्यरत थे, इस पद से उन्होंने इस साल मई में केवल दो सप्ताह सेवा देने के बाद इस्तीफा दे दिया था। क्रिकेट विक्टोरिया के सीईओ निक कमिंस ने समरवीरा के इस्तीफे के समय कहा था, भर्ती प्रक्रिया के दौरान दलीप ने अपनी सहायता टीम में एक विशिष्ट कोचिंग नियुक्ति करने की इच्छा व्यक्त की थी।

भारत की पहली पारी 376 रन पर सिमटी, जडेजा शतक से चूके, अश्विन ने खेली बेहतरीन शतकीय पारी

एजेंसी

चेन्नई। हरफनमौला रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा के शानदार बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 376 रन बनाए। अश्विन बेहतरीन शतकीय पारी खेलते हुए 113 और जडेजा ने 86 रन बनाए। नाबाद हैं।

बांग्लादेश ने चुनी गेंदबाजी, भारत की खराब शुरुआत

इससे पहले बांग्लादेश ने हरी होने और तेज गेंदबाजों की मददगागर पिच पर टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बांग्लादेश को इसका फायदा भी मिला, जब हसन महमूद ने कप्तान रोहित शर्मा (06), शुभमन गिल (00) और विराट कोहली (06) को केवल 34 रन के स्कोर पर पवेलियन भेज कर मेजबान टीम को मुश्किल में डाल दिया। इसके बाद केएल से पहले 5वें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए पंत ने जयसवाल के साथ भारतीय पारी को संभाला, हालांकि लंच से ठीक पहले शादमान ने उनका कैच छोड़ा, नहीं तो भारत की मुश्किलें और बढ़ सकती थीं। दूसरी ओर जयसवाल सतर्क रहे और खराब गेंद को दूर रखा। पंत और जयसवाल ने संभलकर खेलते हुए चौथे विकेट के लिए 62 रन की साझेदारी कर भारत की स्थिति संभालने की कोशिश की। हालांकि 96 के कुल स्कोर पर पंत हसन महमूद का चौथा शिकार बने। एक तरफ से संभलकर खेल रहे यशस्वी जयसवाल ने अपना अर्धशतक पूरा किया। अपना अर्धशतक पूरा करने के बाद जयसवाल 144 के कुल स्कोर पर नाहिद राना का शिकार बने। जयसवाल ने 56 रन बनाए। इसी स्कोर पर केएल राहुल भी 16 रन बनाकर हसन मिराज की गेंद पर आउट हुए। यहां से अश्विन और जडेजा ने 195 रनों की साझेदारी कर भारत को अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया। भारत ने पहले दिन 6 विकेट पर 339 रन बनाए।

दूसरे दिन सस्ते में निपटी भारतीय पारी

भारत ने मैच के दूसरे दिन आज कल के स्कोर 339 पर 6 विकेट से आगे खेलना शुरू किया, स्कोर में अभी 4 रन ही जुड़े थे कि कल के अविजित बल्लेबाज रवींद्र जडेजा (86)अपने कल के स्कोर में बिना कोई वृद्धि किए तस्कीन अहमद का शिकार बने। इसी के जडेजा और अश्विन के बीच सातवें विकेट के लिए हुए 199 रनों की बेहतरीन साझेदारी भी टूट गई। जडेजा ने 124 गेंदों पर 10 चौके और 2 छक्के की बदौलत 86 रन बनाए।

इसके बाद आकाशदीप ने अश्विन के साथ मिलकर पारी को 360 के पार ले गए। 368 के कुल स्कोर पर आकाशदीप तस्कीन अहमद का दूसरा शिकार बने। 374 पर तस्कीन ने अश्विन को आउट कर मैच में अपना तीसरा विकेट लिया। अश्विन ने 133 गेंदों पर 11 चौके और 2 छक्के की बदौलत 113 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। 376 के कुल स्कोर पर हसन महमूद ने जसप्रीत बुमराह (07) को आउट कर भारतीय पारी का अंत किया। महमूद का मैच में यह पांचवां विकेट था। बांग्लादेश की ओर से हसन महमूद ने 5, तस्कीन अहमद ने 3, मेहदी हसन मिराज और नाहिद राना ने 1-1 विकेट लिए।

कोपा लिबर्टाडोरेस: पेनारोल ने फ्लामेंगो को हराकर सेमीफाइनल की ओर कदम बढ़ाया

एजेंसी

रियो डी जेनेरियो। उरुग्वे के पेनारोल ने ब्राजील के दिग्गज क्लब फ्लामेंगो पर 1-0 की जीत के साथ कोपा लिबर्टाडोरेस के सेमीफाइनल में जगह बनाने की ओर एक कदम बढ़ा दिया। विंगर जेवियर कैबरेरा ने 13वें मिनट में मैक्समिलियानो सिल्वेरा के वन-टच पास को 12-यार्ड वॉली से गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई, जो बाएं पोस्ट से नेट में रिबाउंड हुई। फ्लामेंगो ने गेंद पर कब्ज़ा जमाया और अपने विरोधियों की तुलना में तीन गुना से ज़्यादा पास पूरे किए, लेकिन उन्हें बेकार फिनिशिंग की कीमत चुकानी पड़ी। रियो डी जेनेरियो की टीम ने गोल पर 20 शॉट लगाए, जिनमें से छह को गोलकीपर वाशिंगटन एगुएरे ने बचा लिया। पेनारोल के मैनेजर डिएगो एगुइरे ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमने एक ऐसी टीम के साथ शानदार माहौल बनाया है जो बहुत मेहनत करती है और जीतने की इच्छा रखती है। मैं अपने खिलाड़ियों से इससे अधिक की उम्मीद नहीं कर सकता क्योंकि वे अपना सब कुछ देते हैं। यह परिणाम उनकी कड़ी मेहनत का नतीजा है। क्वार्टरफाइनल मैच का निर्णायक दूसरा चरण अगले मोंटेवीडियो के एस्टाडियो कैंपियन डेल सिग्लो में खेला जाएगा।

अवनीश प्रजापति बने दिव्यांग स्पोर्ट्स डेवलोपमेन्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष

एजेंसी

गोरखपुर। भाजपा दिव्यांग प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक तथा उत्तर प्रदेश सरकार के दिव्यांग राज्य सलाहकार बोर्ड के सदस्य अवनीश कुमार प्रजापति को दिव्यांग स्पोर्ट्स डेवलपमेंट एसोसिएशन का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। श्री प्रजापति के मनोनयन से दिव्यांगजनों व भाजपा परिवार ने खुशी व हर्ष व्यक्त किया है। बता दें कि गोरखपुर निवासी अवनीश कुमार प्रजापति दोनों पैरों से दिव्यांग होने के बावजूद भी इनके जज्बे में कहीं कोई कमी नहीं दिखती है। ये स्कूली शिक्षा से ही सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय रहें हैं, पढ़ाई के दौरान से ही दिव्यांग जनों की मौजूदा स्थिति पर अपनी आवाज़ बुलंद करते रहें हैं। दिव्यांग जनों के सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए विगत 25 वर्षों से कार्य रहे, दिव्यांग जनों को खेल के क्षेत्र में बढ़ावा देने का आपका सदैव से प्रयास रहा है। उन्होंने दिव्यांग जनों की समस्याओं को लेकर जमीनी स्तर पर लड़ाइयां लड़ी हैं। मीडिया से मुखातिब होते हुए उन्होंने कहा कि दिव्यांग जन भी खेल के क्षेत्र में नित नये कृतिमान स्थापित कर रहे हैं, जिसका ताजा उदाहरण अभी हाल ही में सम्पन्न हुए पेरिस पैरा ओलंपिक में देश दिव्यांग पैरा खिलाड़ियों ने अत्यन्त ही विषम परिस्थितियों में भारत को गौरवान्वित करते हुए 29 मेडल लेकर मान बढ़ाया। केन्द्र में भाजपा सरकार बनने के बाद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा खेलों को और अधिक बढ़ावा देते हुए तमाम सुविधाएं दी जा रही हैं, जिसकी वजह से ग्रामीण क्षेत्रों दबी प्रतिभा की उभर कर सामने आ रही है।

सरफराज खान ने की जसप्रीत बुमराह की तारीफ, उन्हें सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक बताया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर सरफराज खान ने स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की प्रशंसा की और उन्हें सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक कहा। बुमराह बांग्लादेश के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा हैं, जिसका पहला टेस्ट चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में शुरू हुआ।

जियो सिनेमा से बात करते हुए सरफराज ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में बुमराह के प्रदर्शन को याद किया और बताया कि कैसे इस स्टार तेज गेंदबाज ने विकेट लेकर भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन किया। जियो सिनेमा की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में सरफराज के हवाले से कहा गया, आपने कुछ महीने पहले ही टी20 विश्व कप फाइनल में उनका जादू देखा था, जब खेल हमारे हाथ से फिसल रहा था और उन्होंने एक महत्वपूर्ण विकेट लेकर मैच पलट दिया। उन्होंने ऐसा कई बार किया है, जब टीम संघर्ष कर रही होती है।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह विश्व के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक हैं। 37 टेस्ट में बुमराह ने 20.69 की औसत से 159 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 6/27 रहा है। नौ घरेलू टेस्ट में बुमराह ने 16.36 की औसत से 33 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6/45 रहा है।

पहले टेस्ट मैच के पहले दिन की बात करें तो बांग्लादेश ने चेन्नई टेस्ट में टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत का शीर्ष क्रम ध्वस्त हो गया और टीम 34 रनों पर 3 विकेट खोकर संघर्ष कर रही थी। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (118 गेंदों में नौ चौकों की मदद से 56) और ऋषभ पंत (52 गेंदों में छह चौकों की मदद से 39) ने चौथे विकेट के लिए 62 रनों की साझेदारी कर भारत को खेल में वापसी दिलाई, हालांकि भारतीय टीम 144 रनों पर 6 विकेट खोकर फिर से मुसीबत में आ गई, लेकिन यहां से अश्विन (नाबाद 102) और जडेजा (117 गेंदों में 10 चौकों और दो छक्कों की मदद से 86* रन) ने नाबाद 195 रनों की साझेदारी कर दिन का अंत 339/6 पर किया। शतक बनाने के बाद अश्विन नाबाद हैं। पहले दिन स्टंप्स के समय अश्विन 91.07 की स्ट्राइक रेट से 112 गेंदों पर 102 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

पंजाब एफसी पर जीत से वापसी की राह पकड़ने की कोशिश करेगी ओडिशा एफसी

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब एफसी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सीजन का अपना पहला घरेलू मैच खेलेगी, जब नई दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में उसका सामना ओडिशा एफसी से होगा। दोनों टीमें आज शाम खेले जाने वाले इस मुकाबले को जीतना चाहेंगी। पंजाब एफसी ने अपने अभियान की शुरुआत केरला ब्लास्टर्स एफसी पर 2-1 की जीत के साथ की, जबकि ओडिशा एफसी को घरेलू मैदान पर चेन्नइयन एफसी से 2-3 की हार का सामना करना पड़ा। लेकिन पंजाब एफसी को झटका लगा जब स्ट्राइकर लुका माजसेन चोटिल हुए और उन्हें आगामी 6-8 सप्ताह तक मैदान से बाहर रहना पड़ेगा। पंजाब एफसी 2023-24 सीजन में ओडिशा एफसी के खिलाफ अपने दोनों मुकाबले हारी थी। ओडिशा एफसी आईएसएल में अपने पिछले पांच मैचों में जीती नहीं है, जिसमें पिछले तीन मैचों में लगातार हार भी शामिल है। इस मैच में भी हारने की स्थिति में आईएसएल के इतिहास में उसका घर से बाहर सबसे लंबे समय तक जीत दर्ज न करने का रिकॉर्ड बन जाएगा।

पंजाब एफसी ने ईस्ट बंगाल एफसी पर 4-1 की शानदार जीत के साथ 2023-24 सीजन खत्म किया था और अब उसका लक्ष्य आईएसएल में पहली बार लगातार दो घरेलू जीत दर्ज करना है। वो जीत उसकी लीग में अपनी सबसे बड़ी जीत है। पंजाब एफसी के ग्रीक हेड कोच पैनागियोटिस दिलमपेरिस ने कोच्चि में बेंच से उतरे फॉरवर्ड लुका माजसेन की प्रभावशाली भूमिका की प्रशंसा की, जिसमें बतौर स्थानापन्न खिलाड़ी उन्होंने एक गोल किया और एक में सहायता दी।

दिलमपेरिस ने कहा, लुका इस टीम के कप्तान हैं। वह बेहतरीन खिलाड़ी हैं, लेकिन मुझे उनके व्यक्तित्व के बारे में और भी कुछ कहना है। उन्होंने बेंच पर बैठने की शिकायत नहीं की, क्योंकि उन्हें एहसास था कि मैं (मुशागा) बाकेंगा के साथ मैच की शुरुआत कर सकता हूं। वह उन युवा खिलाड़ियों के लिए एक बेहतरीन उदाहरण हैं, जो बेंच पर बैठने पर निराशा या फिर गुस्सा व्यक्त करते हैं। ओडिशा एफसी के स्पेनिश हेड कोच सर्जियो लोबेरा ने माना कि मरीना माचांस के हाथों हार से उबरने के लिए टीम को सुधार करने और अपने प्लेइंग स्टाइल पर बने रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस आईएसएल सीजन में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए कई पहलुओं पर सुधार जरूरी है। लोबेरा ने कहा, हमें सीखने और सुधार करने की जरूरत है, जिसकी शुरुआत मुझे बतौर कोच खुद से करनी होगी। हमें कई बातों का विश्लेषण करने की जरूरत है, लेकिन खिलाड़ियों को अगले मैच पर अपना ध्यान लगाना होगा। अगर हम आईएसएल में शीर्ष स्थान हासिल करना चाहते हैं, तो हमें कई पहलुओं में सुधार करने की जरूरत है।

अवनीश प्रजापति बने दिव्यांग स्पोर्ट्स डेवलोपमेन्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष

एजेंसी

गोरखपुर। भाजपा दिव्यांग प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक तथा उत्तर प्रदेश सरकार के दिव्यांग राज्य सलाहकार बोर्ड के सदस्य अवनीश कुमार प्रजापति को दिव्यांग स्पोर्ट्स डेवलपमेंट एसोसिएशन का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। श्री प्रजापति के मनोनयन से दिव्यांगजनों व भाजपा परिवार ने खुशी व हर्ष व्यक्त किया है। बता दें कि गोरखपुर निवासी अवनीश कुमार प्रजापति दोनों पैरों से दिव्यांग होने के बावजूद भी इनके जज्बे में कहीं कोई कमी नहीं दिखती है। ये स्कूली शिक्षा से ही सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय रहें हैं, पढ़ाई के दौरान से ही दिव्यांग जनों की मौजूदा स्थिति पर अपनी आवाज़ बुलंद करते रहें हैं। दिव्यांग जनों के सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए विगत 25 वर्षों से कार्य रहे, दिव्यांग जनों को खेल के क्षेत्र में बढ़ावा देने का आपका सदैव से प्रयास रहा है। उन्होंने दिव्यांग जनों की समस्याओं को लेकर जमीनी स्तर पर लड़ाइयां लड़ी हैं। मीडिया से मुखातिब होते हुए उन्होंने कहा कि दिव्यांग जन भी खेल के क्षेत्र में नित नये कृतिमान स्थापित कर रहे हैं, जिसका ताजा उदाहरण अभी हाल ही में सम्पन्न हुए पेरिस पैरा ओलंपिक में देश दिव्यांग पैरा खिलाड़ियों ने अत्यन्त ही विषम परिस्थितियों में भारत को गौरवान्वित करते हुए 29 मेडल लेकर मान बढ़ाया। केन्द्र में भाजपा सरकार बनने के बाद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा खेलों को और अधिक बढ़ावा देते हुए तमाम सुविधाएं दी जा रही हैं, जिसकी वजह से ग्रामीण क्षेत्रों दबी प्रतिभा की उभर कर सामने आ रही है।

ईएसएल: हरयाणवी हंटर्स का विजय अभियान जारी, पंजाब की धमाकेदार जीत

एजेंसी

नई दिल्ली। एंटरटेन क्रिकेट टी10 लीग (ईएसएल) के लीग चरण के अंतिम दिन जबरदस्त प्रदर्शन और नाटकीय मोड़ देखने को मिले और प्लेऑफ के लिए टीमों का निर्धारण हुआ। पंजाब वीर्स और हरयाणवी हंटर्स दोनों ने लीग चरण का समापन शानदार जीत के साथ किया, जिससे प्लेऑफ के लिए रोमांचक मुकाबलों का मंच तैयार हो गया। सातवें दिन के पहले मुकाबले में, पंजाब वीर्स के कप्तान हर्ष बेनीवाल ने टॉस जीतकर मुंबई डिसरप्टर्स के खिलाफ पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। पंजाब के ओपनर्स, अर्शद (22 रन 8 गेंदों में) और राहुल बिष्ट (18 रन 7 गेंदों में), ने टीम को तूफानी शुरुआत दी, और केवल 2 ओवर में 44 रन बना दिए। हालांकि, इस मैच का सितारा अंकित नागर बने, जिन्होंने अविस्मरणीय पारी खेली। उन्होंने सिर्फ 27 गेंदों पर नाबाद 117* रन बनाए, जिसमें 18 शानदार छक्के शामिल थे, और इसने पंजाब को 10 ओवरों में 209/5 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। पवन चेची ने भी 12 गेंदों पर 31 रनों का योगदान दिया।

जवाब में, मुंबई की पारी पहले ओवर से ही बिखर गई, क्योंकि अंकित नागर और अर्शद ने उनकी शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया। दोनों ने 3-3 विकेट लिए और मुंबई की टीम 7 ओवरों में मात्र 65 रन पर ढेर हो गई। केवल समरथ जुरेल (15 रन 8 गेंदों में) और मुदस्सर भट (12 रन 5 गेंदों में) ही दोहरे अंक में पहुंच सके। पंजाब की 144 रनों की जबरदस्त जीत ने उन्हें प्लेऑफ

में आखिरी स्थान दिलाया, जहां वे एलिमिनेटर मुकाबले में फिर से मुंबई से भिड़ेंगे।

हरयाणवी हंटर्स की अजेय लय बरकरार, लो-स्कोरिंग थ्रिलर में लखनऊ लायंस को मात

लीग चरण के अंतिम मैच में अजेय हरयाणवी हंटर्स, जिन्हें एल्विश यादव लीड कर रहे थे, का सामना दूसरे स्थान पर काबिज लखनऊ लायंस से हुआ। लखनऊ के ओपनर आकाश यादव ने दो छक्कों के साथ तूफानी शुरुआत की, लेकिन हरियाणा के रोहित लाम्बा ने उन्हें जल्दी आउट करके लखनऊ की गति पर रोक लगा दी। हरियाणा के गेंदबाजों, खासकर माही (4-36), कशिश पुंदिर (3-19), और रोहित लाम्बा (2-12), ने लखनऊ की पारी को बिखेर दिया और उन्हें मात्र 5.4 ओवरों में 87 रन पर ऑल आउट कर दिया। हरियाणा की पारी की शुरुआत भी लड़खड़ाई, जब लखनऊ के कप्तान अनुराग द्विवेदी ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए हरियाणा को 3 ओवर में 14-4 के स्कोर पर पहुंचा दिया। द्विवेदी ने 3 विकेट लेकर एक भी रन नहीं दिया। हालांकि, रोहित लाम्बा (40 रन 15 गेंदों में) और ललित यादव (18* रन 9 गेंदों में) की मैच-विनिंग साझेदारी ने हरियाणा को 4 विकेट से जीत दिलाई, जिससे हंटर्स ने लीग चरण को अजेय रहते हुए समाप्त किया।

इस जीत के साथ, हरयाणवी हंटर्स ने 10 अंकों के साथ तालिका में पहला स्थान सुरक्षित किया। लखनऊ लायंस, हार के बावजूद, 6 अंकों और 4.095 के नेट रन रेट के साथ दूसरे स्थान पर रहे। मुंबई डिसरप्टर्स ने भी 6 अंकों के साथ लीग समाप्त किया, लेकिन -1.275 के कम नेट रन रेट के कारण वे तीसरे स्थान पर खिसक गए, जबकि पंजाब वीर्स ने 4 अंकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया।

उम्र से जुड़ी धोखाधड़ी हमारे युवा फ़ुटबॉलरों को पीछे खींच रही: संदेश झिंगन

एजेंसी

मुंबई। एफसी गोवा के डिफेंडर संदेश झिंगन ने रिलायंस फाउंडेशन यंग चैंप्स, एफसी गोवा, बेंगलुरु एफसी, डेम्पो एससी, एफसी मद्रास और मिजोरम फुटबॉल एसोसिएशन की सराहना की, जो 12 से 18 सितंबर के बीच नवी मुंबई के रिलायंस कॉरपोरेट पार्क (आरसीपी) में आयोजित स्टे योर एज अंडर-15 फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग लेकर उम्र-धोखाधड़ी से निपटने के लिए एक साथ आए हैं। झिंगन ने युवा खिलाड़ियों पर अधिक उम्र के फुटबॉल खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने के नकारात्मक प्रभाव को उजागर करने के लिए अपने निजी अनुभवों को याद किया। उन्होंने इसे उनके आत्मविश्वास के लिए हानिकारक बताया क्योंकि यह उनके समग्र फुटबॉल विकास के एक महत्वपूर्ण चरण में आत्म-संदेह पैदा करता है। झिंगन ने कहा, उम्र में धोखाधड़ी की बात कई सालों से एक

बड़ी समस्या बनी हुई है। मेरे बचपन के दिनों में, अंडर-15 और अंडर-17 के दिनों में, हम हमेशा जानते थे कि कोई ऐसा है जो मुझसे बड़ा है, लेकिन हमारी आयु वर्ग में खेल रहा है। मुझे कई बार लगा कि मैं उतना अच्छा नहीं हूं, क्योंकि वह लड़का मुझसे ज़्यादा मज़बूत, तेज़ और परिपक्व था, लेकिन यह सब सिर्फ़ इसलिए था क्योंकि वह मुझसे बड़ा था। उन्होंने आगे कहा, उस उम्र में, जब आप इतने युवा होते हैं, तो दो साल का अंतर भी मैदान पर आपके प्रदर्शन की गुणवत्ता के मामले में बहुत बड़ा अंतर पैदा कर देता है। सौभाग्य से, मैंने आगे बढ़ना जारी रखा और खुद पर विश्वास किया। इसे रोकने की ज़रूरत है। यह बहुत दुखद है कि यह अभी भी होता है। यह सिर्फ़ फ़ुटबॉल में ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के सभी खेलों में है। मुझे लगता है कि इसे पूरी तरह से रोकने की ज़रूरत है। मुझे वाकई खुशी है कि सभी क्लब और रिलायंस फ़ाउंडेशन इस समस्या को हल करने के लिए एक साथ आ रहे हैं। 12-18 सितंबर 2024 तक आयोजित स्टे योर एज कप 2024 में छह टीमों, यानी आरएफवाईसी, एफसी गोवा, बेंगलुरु एफसी, डेम्पो एससी, एफसी मद्रास और मिजोरम फुटबॉल एसोसिएशन (एमएफए) के खिलाड़ियों को एक कठोर दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा, जिसमें सभी टीमों को एक सुचारू और निष्पक्ष टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ी के दस्तावेजों तक पहुंच प्राप्त हुई।

मोहन बागान और रावशन कुलोब के बीच खेला गया मुकाबला गोल रहित ड्रा रहा

एजेंसी

मुम्बई । एएफसी चैंपियंस लीग दो में भारतीय फुटबॉल क्लब मोहन बागान सुपर जायंटस और तजाकिस्तान के फुटबॉल क्लब रावशन कुलोब के बीच खेला गया मुकाबला गोल रहित ड्रा रहा। यहां विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में एएफसी चैंपियंस लीग 2 के ग्रुप ए में मोहन बागान और रावशन कुलोब के खेला गया रोमांचक मुकाबला गोल रहित ड्रा रहा। मैच के दौरान दोनों टीमों के पास गोल करने मौके थे, लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठाने में विफल रहे। मोहन बागान ने शानदार शुरुआत करते हुए कुलोब टीम पर दबाव बनाते हुए उसे रक्षात्मक खेल के लिय मजबूर किया। 19वें मिनट में, दिमित्री पेट्राटोस ने गोल करने का शानदार प्रयास किया लेकिन कुलोब की रक्षापंक्ति ने उसे रोक दिया। 28वें मिनट में कुलोब के कोजो मैटिक ने बागान के डिफेंस के ऊपर से गेंद निकाली जिस पर मुहम्मदजोन रहीमोव को शॉट लगाया लेकिन बागान के सतर्क गोलकीपर विशाल कैथ ने रहीमोव के प्रयास को विफल कर दिया। 29वें मिनट में बागान के आशीष राय को पीला कार्ड दिखाया गया। इसके बाद 76वें मिनट और 88वें मिनट में गोल के मौके बने। आखिर में मैच गोल रहित ड्रा रहने पर दोनों टीमों में अंक बांट दिये गये।

शाश्वत रावत के शतक से इंडिया ए ने मैच में बनाई पकड़

एजेंसी

अनंतपुर। शाश्वत रावत (नाबाद 122) की शतकीय पारी के दम पर इंडिया ने अंशुल काम्बोज के झटको के बीच वापसी करते हुए दलीप ट्रॉफी के छठे मुकाबले में अपनी पकड़ बना ली है। आज यहां टॉस जीतकर इंडिया सी ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंडिया ए की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने अंशुल काम?बोज और विजयकुमार वैशाख की घातक गेंदबाजी के आगे घुटने टेक दिये। एक समय इंडिया ए का स्कोर पांच विकेट पर 36 रन था। प्रथम सिंह (6), मयंक अग्रवाल (6), तिलक वर्मा (5), रियान पराग (2) और कुमार कुशाग्र (शून्य) पर आउट हुए। ऐसे संकट के समय शाश्वत रावत और शम्स मुलानी ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच छठे विकेट के लिये 87 रनों की साझेदारी हुई। गौरव यादव ने शम्स मुलानी (44) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद तनुष कोटियान (10) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। आज दिन का खेल समाप्त होने पर इंडिया ए ने सात विकेट पर 224 रन बना लिये थे और शाश्वत रावत (नाबाद 122) और आवेश खान (नाबाद 16) क्रीज पर थे। इंडिया सी की ओर से अंशुल काम्बोज ने तीन विकेट लिये। विजयकुमार वैशाख को दो विकेट मिले। गौरव यादव ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

जाह्नवी कपूर

हिंदी-इंग्लिश ही नहीं, तमिल भी बोलती हैं फर्राटेदार, सुनते ही याद आ जाएंगी चांदनी

जाह्नवी कपूर इन दिनों फिल्म 'देवारा' को लेकर सुर्खियों हैं. 'देवारा' के साथ वह साउथ फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं. फिल्म इसी महीने के आखिर में रिलीज होने वाली हैं. फिल्ममेकर्स के लेकर स्टार्स तक सभी फिल्म के प्रमोशन में बिजी है. चेन्नई में एक इंवेट में जाह्नवी सहित जूनियर एनटीआर और अनिरुद्ध रविचंदर पहुंचे. अक्सर हिंदी और अंग्रेजी में बात करने वालीं जाह्नवी तमिल में बात करती नजर आईं, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.श्रीदेवी और जाह्नवी में सिर्फ इतना अंतर है कि वो श्रीदेवी ने साउथ से इंडस्ट्री में एंट्री की और जाह्नवी ने बॉलीवुड से. हाल ही में एक्ट्रेस को तमिल में बात करता देख लोगों को श्रीदेवी की याद आ गई, जिसका वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है.

वायरल हो रहे वीडियो में जूनियर एनटीआर भी नजर आ रहे हैं. वो जाह्नवी को तमिल बोलता देख हैरत में पड़ गए और उन्हें एक टक मुस्कुराते हुए देखते रहे. इस वीडियो को देखने के बाद लोगों को श्रीदेवी की याद आई है और सोशल मीडिया पर लोगों के रिएक्शन छाए हुए हैं.वीडियो में जाह्नवी ने ल में कहती हैं- 'मुझे उम्मीद है कि आप मुझे भी वही देंगे जो आपने मेरी मां को दिया था. आपका प्यार ही वह व जिसकी वजह से हम आज यहां हैं और मैं हमेशा आप सभी को रहूंगी.'

जाह्नवी ने यह भी कहा कि वह अपनी मां की तरह मेहनती बनना चाहती हैं और श्रीदेवी की तरह दर्शकों के दिलों में जगह बनाना चाहती हैं. उन्होंने जल्द ही एक तमिल फिल्म का हिस्सा बनने की अपनी इच्छा के बारे में भी बताया है. वीडियो देख फैंस उनके फर्राटेदार तमिल बोलने को लेकर हैरान हैं. एक यूजर ने लिखा 'वाह, तमिल पर उसकी पकड़ बहुत अच्छी है'. एक अन्य ने लिखा- 'कौन जानता था कि वह इतनी अच्छी तमिल बोलती है? वाह, आपको अपनी मां श्रीदेवी के प्रभाव का अहसास कराता है.'

ऐश्वर्या राय

संग खड़ी थीं आराध्या बच्चन, भरी महफिल में छुए 62 साल के एक्टर के पैर, लिया आशीर्वाद

ऐश्वर्या राय बच्चन के साथ आराध्या बच्चन अक्सर नजर आती है. पिछले दिनों दक्षिण भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म अवॉर्ड्स यानी SIIMA अवॉर्ड्स में दोनों नजर आई थीं. ऐश्वर्या ने अवॉर्ड् जीतने के बाद स्टेज से बेटी को इस खास मूवमेंट में शामिल होने के लिए धन्यवाद भी किया था. अब इसी अवॉर्ड् सेरेमनी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय की बेटी भरी महफिल में एक शख्स के पैर छूते दिखाई दे रहीं. वीडियो को देख फैंस ऐश्वर्या के संस्कारों की तारीफ कर रहे हैं. साथ ही ये खोज रहे हैं कि आखिर वो एक्टर कौन हैं.SIIMA अवॉर्ड्स में ऐश्वर्या राय बच्चन को मणिरत्नम की महाकाव्य 'पोन्नियिन सेलवन 2' में अपने रोल के लिए सर्वश्रेष्ठ एक्ट्रेस का पुरस्कार जीता. एक्टर चियान विक्रम का हाथ थाम एक्ट्रेस स्टेज से नीचे उतरीं. मां की इस जीत से आराध्या भी बेहद खुश नजर आईं. मां जैसी ही स्टेज से नीचे आईं, वह दौड़कर उनके पास गई और उन्हें जादू की झप्पी दे डाली.

आराध्या ने हाथ जोड़कर किया प्रणाम, फिर छुए एक्टर के पैर

दोनों अपनी-अपनी जगह पर बैठने ही जा रहे थे कि तभी साउथ के 62 साल एक्टर डॉ शिवा राजकुमार एक्टर चियान विक्रम से मिलने पहुंचे. उन्हें देख ऐश्वर्या भी रुक गईं और उनसे बातचीत करने लगी. तभी उन्होंने आराध्या से एक्टर को मिलाया. अमिताभ बच्चन की पोती आराध्या ने पहले हाथ जोड़कर प्रणाम किया और फिर उनके पैर छुकर आशीर्वाद लिया. एक्टर शिवा ने भी उन्हें खूब आशीष दिया. इस दौरान ऐश्वर्या बेटी से काफी इंप्रेस दिखीं.

आराध्या का लोग कर रहे हैं तारीफ

आराध्या बच्चन का ये वीडियो देखने के बाद नेटिजंस काफी खुश हैं. सोशल मीडिया यूजर्स आप कह रहे हैं कि ये बच्चन परिवार ही नहीं ऐश्वर्या के संस्कार हैं, जो सामने आ रहे हैं. एक यूजर ने लिखा- 'बेटी अपनी मां के समान ही सम्मानजनक व्यवहार करती है.

'Don 3' के लिए करना होगा इंतजार, इस महीने रणवीर सिंह और कियारा शुरू करेगें शूटिंग

फिल्म 'डॉन' फ्रेंचाइजी ने लोगों के दिलों में एक अलग जगह बनाई है. इस फिल्म के दो पार्ट आ चुके हैं. वहीं तीसरा पार्ट आने की जल्द ही उम्मीद है. बॉलीवुड फिल्ममेकर फरहान अख्तर ने पिछले साल अपनी अगली फिल्म 'डॉन 3' को बनाने का अनाउंस किया था. फिल्म एलान होने के बाद से ही लगातार चर्चा में बनी हुई है. फिल्म में पहली बार कियारा आडवाणी और रणवीर सिंह साथ नजर आने वाले हैं. हालांकि पिछले कुछ वक्त से फिल्म की शूटिंग लगातार पोस्टपोन होती जा रही है. कहा जा रहा है फिल्म पोस्टपोन होने की वजह खुद फरहान अख्तर हैं, क्योंकि वो अपनी फिल्म 'बहादुर' की शूटिंग में व्यस्त हैं. ऐसे में फिल्म की शूटिंग को लेकर अब नया अपडेट सामने आया है.न्यूज 18 की रिपोर्ट के मुताबिक रणवीर सिंह की अपकमिंग फिल्म 'डॉन 3' को मेकर्स अगले साल मार्च में शुरू करेंगे. रिपोर्ट के अनुसार फिल्म पर प्री-प्रोडक्शन का काम अभी चल रहा है. वहीं इसकी शूटिंग अगले साल मार्च में शुरू होगी. एक रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म की शूटिंग इस साल ही शुरू होनी थी, लेकिन बाद में इसे पोस्टपोन कर दिया गया. 'डॉन 3' रणवीर के करियर की सबसे बड़ी फिल्म मानी जा रही है.

दूसरे प्रोजेक्ट्स में बिजी हैं रणवीर और कियारा

रिपोर्ट के मुताबिक रणवीर सिंह इस वक्त आदित्य धर के अपकमिंग प्रोजेक्ट की शूटिंग में बिजी हैं. इसके अलावा हाल ही में रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने एक बेटी को जन्म दिया है. ऐसे में रणवीर सिंह पिता बनने के बाद अपनी पत्नी और बेटी के साथ टाइम स्पेंड करना चाहते हैं. वहीं कियारा आडवाणी भी इस वक्त एक्ट्रेस ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर स्टारर 'वॉर 2' की शूटिंग में बिजी हैं.

रणवीर ने ले ली शाहरुख की जगह

फरहान ने 'डॉन 3' में शाहरुख की जगह रणवीर को रिप्लेस करने का फैसला किया है. इस कास्टिंग कॉल ने इंटरनेट पर हलचल मचा दी थी. फरहान के इस फैसले पर कुछ लोगों को लगा कि डॉन फ्रैंचाइजी के थर्ड पार्ट में नए चेहरे की जरूरत है, वहीं शाहरुख के फैन्स नाराज थे. फिल्म का पहला शेड्यूल इस साल अगस्त में शुरू होना था, लेकिन कुछ महीने पहले फरहान ने कहा कि फिल्म की शूटिंग 2025 में शुरू होगी.

सलमान खान के शो से लगता है डर...बिग बॉस से क्यों दूर भागती हैं निया शर्मा?

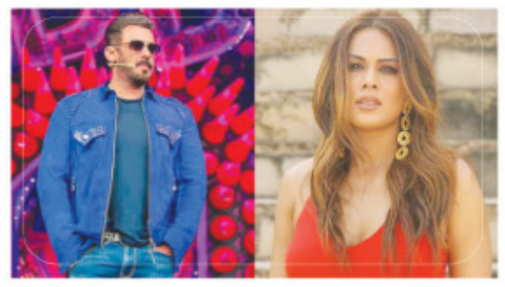

पिछले कई सालों से जब भी बिग बॉस से जुड़ी खबरें वायरल होने लगती हैं तब इन खबरों में एक एक्ट्रेस के नाम का जिक्र जरूर होता है और वो एक्ट्रेस हैं निया शर्मा. अपनी अतरंगी फैशन और बोल्ड ऐटिट्यूड की वजह से हमेशा चर्चा में रहने वाली निया को हर साल सलमान खान के 'बिग बॉस' में शामिल होने के लिए अप्रोच किया जाता है. लेकिन निया हमेशा से इस शो में शामिल होने के ऑफर को रिजेक्ट करती हुई नजर आई हैं. बिग बॉस ओटीटी के पहले सीजन में बतौर मेहमान सिर्फ एक दिन के लिए निया इस घर में रही भी थीं. लेकिन शो से बाहर आने के बाद उन्होंने कह दिया था कि ये शो उनके लिए नहीं है.हर साल की तरह इस साल भी मेकर्स ने निया शर्मा को बिग बॉस के लिए अप्रोच किया है और निया को मनाने में वे लगभग कामयाब भी हो चुके हैं. लेकिन टीवी9 हिंदी डिजिटल को सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक ये डील अब तक फाइनल नहीं हुई है. अगर निया और चैनल दोनों के बीच ये डील फाइनल होती है तो 'खतरों के खिलाड़ी' के ग्रैंड फिनाले में निया का नाम जाहिर करते हुए ये घोषणा की जाएगी कि वो बिग बॉस 18 के शो में शामिल होने वाली पहली कंफर्म कंटेस्टेंट हैं. हालांकि ये डील अभी भी पूरी नहीं हुई है.

निया को सता रहा है ये डर

निया के करीबी सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, बिग बॉस एक ऐसा शो है जो इस शो में शामिल होने वाले कंटेस्टेंट का भविष्य बना सकता है और उनका भविष्य बिगाड़ भी सकता है. एक आदर्श बहू की छवि लेकर बिग बॉस में शामिल होने वाली हिना खान की इमेज की इस शो में धज्जियां उड़ गई थीं. दरअसल बिग बॉस भले ही एक स्क्रिप्टेड शो न हो, लेकिन ये एक अच्छी तरह से एडिट किया हुआ शो है. 24 घंटे का फुटेज एडिट करके बिग बॉस की टीम एक घंटे का ऐसा एपिसोड ऑडियंस के सामने पेश करती है, जिसमें वो सच्चाई से ज्यादा मसाला देख पाए.

लोगों के मनोरंजन के चक्कर में खुद को गलत तरीके से लोगों के सामने पेश न किया जाए, इस डर के चलते निया ने हमेशा से बिग बॉस का ऑफर रिजेक्ट किया है. लेकिन अब बिग बॉस की क्रिएटिव टीम के काफी मनाने के बाद निया आखिरकार इस शो में शामिल होने के लिए हां कर सकती हैं और इसके लिए कलर्स टीवी की तरफ से उन्हें एक मोटी रकम भी दी जा रही है.